फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 252 प्रभात जयपुर, गुरूवार 16 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

English Is Not English — The most transformative event in the history of the English language occurred in 1066 with the Norman Conquest...

The "Black Death" of the African Savannah

The Great Drama — Indian vs. Western Theatre - A Human Drama, the other is a living art

राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार किया विपक्ष ने

मुद्दा था, संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र, जो सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने के लिए आहूत किया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्ष की एक बैठक में, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिनिधि और सांसद सागरिका घोष ने कहा कि चूंकि पश्चिम बंगाल में चुनाव चल रहे हैं, इसलिए सभी सांसद संसद में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि केवल 5 से 7 सांसद ही मौजूद रह सकें।

इस पर आहत राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्षी दलों के सभी सांसद नहीं आएंगे, तो यह संसद में भाजपा की मदद करने के बराबर होगा।

राहुल गांधी का समर्थन करते हुए, द्रमुक के टी.आर. बालू ने कहा कि तमिलनाडु में भी चुनाव हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारी पार्टी के सभी सांसद संसद में बहस में हिस्सा लेने और अपनी आवाज़ उठाने के लिए उपस्थित रहेंगे। "आप" के सांसद और राज्यसभा नेता संजय सिंह ने इस तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि सभी विपक्षी दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके सांसद उपस्थित हों।

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा चुनावों से बड़ा है और अगर स्थिति ऐसी ही रही, तो लोकतंत्र ही अर्थहीन हो जाएगा और चुनाव बेकार हो जाएंगे।

शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे, जो बैठक में ऑनलाइन जुड़े थे, ने कहा कि वे ममता बनर्जी से बात करेंगे और उनकी पार्टी के सभी सांसदों की संसद में उपस्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देंगे।

अन्य उपस्थित लोगों ने भी यही भावना व्यक्त की और सभी ने उम्मीद जताई कि तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों के सभी सांसद इस मुद्दे पर भाजपा को परास्त करने के लिए संसद में उपस्थित होंगे।

- विपक्ष की बैठक में राहुल ने पुरजोर तरीके से कहा कि विपक्ष के सभी सांसद उपस्थित होने चाहिए, संसद में जब सरकार विधेयक को पारित करने के बहाने, संसदीय सीटों का परिसीमन करना चाहती है।
- तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने कहा, तृणमूल के सभी सांसद उपस्थित नहीं हो पाएंगे, क्योंकि प.बंगाल में चुनाव चल रहे होंगे।
- डी.एम.के. सांसद बालू, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा में पार्टी के नेता संजय सिंह, शिव सेना के नेता उद्धव ठाकरे, जो विपक्ष की बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए थे, एक स्वर में राहुल गांधी की बात का पुरज़ोर समर्थन किया और तृणमूल के प्रतिनिधि पर पूरा दबाव बनाया कि तृणमूल के सभी सांसद, विशेष सत्र में उपस्थित होने चाहिए। क्योंकि भाजपा को घेरना सबसे महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि अगर भाजपा की मनमानी बेरोकटोक चलती रही तो प्रजातंत्र ही खतरे में आ जाएगा और चुनाव भी बेमायने हो जाएंगे।
- राहुल के नेतृत्व को शायद पहले विपक्ष का पूर्ण समर्थन कभी नहीं मिला है।

अदालत ने सुबोध अग्रवाल को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

जयपुर, 15 अप्रैल। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

एसीबी की ओर से रिमांड अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को सुबोध अग्रवाल को अदालत में पेश किया गया। एसीबी की ओर से कहा गया कि अभी तक आरोपी से पूछताछ पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में उसकी रिमांड अवधि को दो दिन और बढ़ाया जाए। इसका विरोध करते हुए सुबोध अग्रवाल के वकील ने कहा कि उन्होंने एसीबी के सवालों का जवाब दे दिया है। ऐसे में उन्हें जेल भेजा जाए। इसके साथ ही, उन्होंने जेल में खतरा बताकर अन्य कैदियों से अलग सेल में रहने की गुहार की। सुनवाई के दौरान सुबोध अग्रवाल ने कहा कि एसीबी अधिकारी मीडिया को कह रहे हैं कि उसने कई सवालों के जवाब नहीं दिए, बताइए उन्होंने किन सवालों के जवाब नहीं दिए। गौरतलब है कि एसीबी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जलजीवन मिशन घोटाले के आरोपी अग्रवाल ने खतरे की आशंका जताते हुए अलग सेल में रखने की प्रार्थना की।

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में 10,000 सैनिक और भेजे

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ये दस हजार सैनिक गल्फ क्षेत्र में पहले से तैनात 50,000 सैनिकों को जॉइन करेंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में युद्ध लगभग समाप्त हो चुका है। लेकिन इसके साथ ही, पेंटागन की योजना के अनुसार, अस्थायी युद्धविराम के 22 अप्रैल को समाप्त होने से ठीक पहले, मध्य पूर्व में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजे जा रहे हैं। संकेत स्पष्ट हैं: जहाँ ट्रम्प युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कर रहे हैं, वहीं वॉशिंगटन इस संभावना के लिए तैयारी कर रहा है कि संघर्ष और लंबा और गंभीर हो सकता है।

ट्रम्प अपने युद्ध संबंधी बयानों में विरोधाभासों को लेकर लगातार विवादित रहे हैं। उन्होंने हाल ही में फॉक्स न्यूज़ को कहा, "मुझे लगता है कि यह (संघर्ष) बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा।" एक अन्य बयान में उन्होंने कहा, "दुनिया अगले दो दिनों में तेजी से होते घटनाक्रम की गवाह बनेगी।"

"वॉशिंगटन पोस्ट" की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका मिडिल ईस्ट में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग 6,000 सैनिक एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज बुश और उसके एस्कॉर्ट जहाजों पर हैं, जबकि अन्य 4,200 सैनिक बॉक्सर एम्बीशियस रेडी ग्रुप और 11वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट से हैं। ये अतिरिक्त सैनिक लगभग 50,000 अमेरिकी कर्मियों के साथ शामिल होंगे, जो पहले से ही खाड़ी क्षेत्र में तैनात हैं। मध्य पूर्वी जल क्षेत्रों में तीन अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर्स भी मौजूद हैं।

इस समय, अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए उसके बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रहा है, तथा ओमान की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी युद्धपोत कई जहाजों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषज्ञों के अनुसार, एक तरफ तो अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि युद्ध समाप्त हो चुका है, दूसरी तरफ अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती, इससे ऐसा लगता है कि सीज़फायर, जो 22 अप्रैल को खत्म हो रहा है, के बाद संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।
- ट्रंप, ईरान युद्ध के बारे में परस्पर विरोधाभासी बयानबाजी करते रहे हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, मुझे लगता है, यह (युद्ध) जल्दी ही खत्म हो जाएगा, पर, अगले बयान में उन्होंने कहा, विश्व अगले दो दिनों में भारी सैन्य बल तैनाती देखेगा।
- वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, 6,000 सैनिक एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज एच डब्ल्यु बुश व उसके साथ के जहाजों से लिए गए हैं तथा 4,200 सैनिक बॉक्सर एम्फीबियस रैडी ग्रुप व इलैक्वन्थ मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट से लिए गए हैं।

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की ज़ैड प्लस सुरक्षा वापस ली

राघव की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिसकर्मियों को तुरंत हैड क्वार्टर रिपोर्ट करने को कहा गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता पद से हटाए जाने के कुछ ही दिन बाद, पंजाब सरकार ने आज सांसद को दी गई ज़ैड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली।

37 वर्षीय चड्ढा की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कर्मियों को तुरंत मुख्यालय में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है।

यह कार्यवाही आप और उसके पंजाब सांसद के बीच तेजी से बढ़ते और कटु होते मतभेदों के बीच की गई है।

आप ने चड्ढा पर आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ संसद में अपनी आवाज उठाने से बचते रहे और इसके बजाय "सॉफ्ट पीआर" में लगे रहे। इसी कारण पार्टी ने 2 अप्रैल को उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया।

चड्ढा ने पार्टी के आरोपों को "झूठ" करार देते हुए कहा कि वे संसद में लोगों के मुद्दे उठाने जाते हैं, हंगामा करने के लिए नहीं।

- साफ जाहिर है कि आप नेतृत्व और पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच कटुता बहुत ज्यादा बढ़ गई है। आप नेतृत्व का आरोप है कि राघव संसद में प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रभावी तरीके से आवाज़ नहीं उठा रहे हैं और अपने व्यक्तिगत प्रचार में लगे हुए हैं। हालांकि राघव ने इन आरोपों का खंडन किया है।
- इसी वजह से पहले उन्हें राज्यसभा में पार्टी के नेता पद से हटाया और अब ज़ैड प्लस सुरक्षा भी छीन ली गई।

सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आरएएस हनुमाना राम को जमानत नहीं दी

जयपुर, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 की लिखित परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बनकर दो उम्मीदवारों के स्थान पर परीक्षा देने वाले निलंबित आरएएस हनुमाना राम को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश आरोपी हनुमाना राम की जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता पर तीन व्यक्तियों के लिए डमी अभ्यर्थी बनने का आरोप है। यह एक घटना नहीं है, बल्कि आरोपी के निरंतर आचरण को दर्शाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि आरएएस होते हुए भी डमी अभ्यर्थी बनने वाले को जमानत नहीं मिल सकती।

खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली ट्रांज़िट बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट बैंच ने कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा व अन्य को नोटिस जारी किया और असम सरकार की याचिका पर जवाब देने को कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (15 अप्रैल, 2026) को तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा को एक हफ्ते के लिए ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी गई थी। यह जमानत असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिन्की भुइयां सरमा द्वारा दर्ज एफआईआर से संबंधित थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास कई पासपोर्ट हैं।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि यदि कांग्रेस नेता उपयुक्त अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो इस रोक का उन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और न ही कोई प्रतिकूल निष्कर्ष निकालेगा।

पीठ ने पवन खेड़ा और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस भी जारी किया है, और असम सरकार की हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर उनके जवाब मांगे हैं।

- कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां पर तीन देशों के पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था, जिस पर रिंकी ने उन पर एफआईआर की थी।
- पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए भारी मात्रा में असम पुलिस बल ने दिल्ली में खेड़ा के आवास पर दबिश की थी। असम के मुख्यमंत्री के इस प्रतिकारी एक्शन के कारण पवन खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत लेनी पड़ी।
- तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें 7 दिन की ट्रांज़िट बेल दी थी, अर्थात इस अवधि में उन्हें असम की अदालत से जमानत लेनी ही होगी।
- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और ए.एस. चन्दुरकर की बैंच ने कहा, अगर खेड़ा असम की अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं तो यह रोक अप्रभावी हो जाएगी।

विश्व बैंक ने राजस्थान को 2,000 करोड़ रूपए दिए

जयपुर, 15 अप्रेल। विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ एग्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर्स ने राजस्थान में राज्य राजमार्गों की दक्षता, मजबूती और सुरक्षा सुधार के लिए 225 मिलियन डॉलर (लगभग 2 हजार करोड़ रुपये) से अधिक की राशि को मंजूरी प्रदान की है। विश्व बैंक के अनुसार, इस परियोजना से औद्योगिक, खनन, पर्यटन और कृषि से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 30 लाख से अधिक लोगों को बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी का लाभ भी मिलेगा।

यह परियोजना राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण को आधुनिक और सेवा केन्द्रित बनाने में मददगार साबित होगी। इससे प्राधिकरण प्रदेश में लगभग 800 किलोमीटर के चयनित राजमार्गों का उन्नयन और रखरखाव करेगा। साथ ही, राजस्थान में सड़क सुरक्षा प्रबंधन को और बेहतर बनाएगा। इस स्वीकृत प्रोजेक्ट से भारत में पहली बार स्टेप-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यह राशि राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना के तहत 800 किमी सड़कों के उन्नयन व रखरखाव के लिए दी गई है।

अमेरिका के ब्लॉकेड के प्रत्युत्तर में ईरान ने भी "काउन्टर ब्लॉकेड" की धमकी दी

अगर ईरान अपनी धमकी के अनुरूप "रेड सी" से ब्लॉक कर देता है, इस पूरे इलाके से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एकदम ठप्प हो जाएगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी सरकार द्वारा होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी पर गंभीर प्रतिक्रिया देते हुए, ईरान ने पश्चिम में लाल सागर से लेकर पूर्व में ओमान की खाड़ी तक विस्तृत जल क्षेत्र में जवाबी अवरोध की धमकी दी है। यदि यह प्रभावी ढंग से किया गया, तो इससे पूरे क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिनमें यूरोप-एशिया मार्ग के लिए स्वेज नहर का उपयोग करने वाले जहाज भी शामिल हैं।

ऐसी तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच, अमेरिका खुद को पूरी तरह कूटनीतिक संकट में पा रहा है। रूस और चीन भी इसमें शामिल हो रहे हैं और अमेरिका को और अधिक अलग-थलग करने के प्रयास कर रहे हैं।

स्पष्ट संकेत हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के साथ दो सप्ताह की युद्धविराम अवधि बढ़ाने और होर्मुज स्ट्रेट की नौवहन सुविधा पर गतिरोध को सुलझाने के लिए सक्रिय रूप से वार्ता फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

ट्रम्प ने एकतरफा तौर पर ईरान के साथ संवाद फिर से शुरू करने की संभावनाओं की घोषणा की है, ताकि इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वार्ता पुनः शुरू की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ईरान का परमाणु मुद्दे पर प्रस्ताव और होर्मुज़ स्ट्रेट को पुनः खोलने का प्रस्ताव, अन्य कारणों के साथ, वार्ता को रोक रहा था।

डॉनल्ड ट्रम्प जोर दे रहे हैं कि वार्ता इस्लामाबाद, पाकिस्तान में होनी चाहिए, जबकि कुछ अन्य पक्ष सुझाव दे रहे हैं कि इसे ऐसे स्थान पर किया जाए जो ज्यादा केन्द्रीय क्षेत्र, जैसे कि यूरोप के किसी स्थान, में आयोजित किया जाना चाहिए। स्थान परिवर्तन से संभवतः अधिक व्यापक प्रतिनिधित्व की संभावना बन सकती है।

विडंबना यह है कि सबसे बड़ी अड़चन है, ईरान का परमाणु कार्यक्रम जो, केवल उन शर्तों को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो जेसीपीओए ढांचे के तहत पहले ही प्राप्त हो चुकी थीं।

जेसीपीओए समझौता, जो प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच लंबी बातचीत के बाद हुआ था, डॉनल्ड ट्रम्प ने अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद ईरान ने जेसीपीओए समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं से बाहर निकलते हुए एक मजबूत परमाणु कार्यक्रम शुरू किया, जिससे परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने की संभावना बढ़ गई।

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद वार्ता कई मुद्दों पर अटकी हुई थी, जिसमें परमाणु कार्यक्रम भी शामिल था। वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिका ने होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी की घोषणा की, जिससे यहाँ जहाजों की आवाजाही प्रभावी रूप से रोक दी गई। इस जलमार्ग से तेल का परिगमन लगभग रुक गया।

इससे कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झटका लगा, जो होर्मुज़ स्ट्रेट के माध्यम से तेल की आवाजाही पर बहुत ज्यादा निर्भर भारी निर्भर थीं, जिनमें चीन और अधिकांश एशियाई देश शामिल हैं। नाकेबंदी की अमेरिका की घोषणा की चीन ने "खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना" करार देते हुए कड़ी निंदा की।

वास्तव में, अनुमान के अनुसार, चीन अपना 40 प्रतिशत तेल ईरान से लेता है, और चीन अपनी रणनीतिक तेल भंडार में गंभीर कमी से आशंकित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चीन व रूस भी इस ब्लॉकेड प्रकरण में ईरान के साथ हैं तथा अमेरिका अकेला पड़ता जा रहा हैं।
- हताश होकर, अमेरिका ईरान से दोबारा वार्ता शुरु करना चाहता है, जिससे दो सप्ताह की "सीज़फायर" की अवधि कुछ और समय तक बढ़ाई जा सके।
- ट्रंप ने अपने आप एक तरफा घोषणा कर दी है कि वार्ता शुरु हो रही है।
- ट्रंप इस्लामाबाद में वार्ता करना चाहते हैं, पर, दूसरा पक्ष यूरोप में किसी सैन्ट्रल स्थान पर वार्ता आयोजित करना चाहता है।

सीबीएसई के कक्षा दस के नतीजे घोषित

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था। क्षेत्रवार प्रदर्शन में, त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों से बेहतर रहा 94.99 प्रतिशत छात्राएं तथा 92.69 प्रतिशत छात्र पास हुए।

विचार बिन्दु

कदम पीछे ना हटाने वाला ही ऐश्वर्य को जीतता है। –ऋग्वेद

तारीख पर तारीख: न्याय नहीं, पेंशनरों के साथ निर्मम प्रतीक्षा

राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के पेंशनरों की पीड़ा अब केवल एक प्रशासनिक या वित्तीय समस्या नहीं रह गई है; यह शासन की संवेदनहीनता, न्यायिक विलंब और नीतिगत असफलताओं का ऐसा ज्वलंत उदाहरण बन चुकी है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। जिन लोगों ने अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष शिक्षा, अनुसंधान और कृषि विकास को समर्पित कर दिए, आज वही अपने अधिकार–पेंशन–के लिए दर–दर भटकने को विवश हैं। यह स्थिति न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि राज्य की नैतिक जिम्मेदारी पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 08 फरवरी 2010 को प्रकाशित एक समाचार से हुई, जिसने इस अन्याय को सार्वजनिक मंच पर उजागर किया। मामला इतना गंभीर था कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर को स्वत: संज्ञान लेना पड़ा। 24 सितंबर 2010 को न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों को पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए तथा पेंशनरों को विलंब अवधि के ब्याज सहित समस्त देय भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उस समय सरकार ने आदेश की पालना की और अनुदान एवं ऋण के माध्यम से विश्वविद्यालयों को राहत दी गई, जिससे पेंशनरों को बकाया राशि, छठे वेतनमान का एरियर तथा ग्रेच्युटी का भुगतान हो सका।

परंतु यह समाधान स्थायी नहीं था–यह केवल एक अस्थायी राहत थी। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने अचानक पेंशन के लिए अनुदान और ऋण देना बंद कर दिया। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं था, बल्कि हजारों बुजुर्ग पेंशनरों के जीवन पर सीधा आघात था। आर्थिक असुरक्षा, मानसिक तनाव और सामाजिक असम्मान की त्रासदी ने पेंशनरों को फिर से न्यायालय की शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया।

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पेंशनर्स वेलफेयर सोसायटी ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। 3 मई 2016 को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने एक बार फिर राज्य सरकार को निर्देशित किया कि वह विश्वविद्यालय को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करे ताकि नियमित पेंशन के साथ 11 माह की बकाया पेंशन का भुगतान किया जा सके। न्यायालय ने इस दौरान यह भी उल्लेख किया कि याचिका के लंबित रहने के दौरान 25 पेंशनरों का निधन हो जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह टिप्पणी केवल संवेदना नहीं थी, बल्कि व्यवस्था पर एक कठोर टिप्पणी थी।

लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह और भी चिंताजनक है। राज्य सरकार ने इस आदेश का पालन करने के बजाय डबल बेंच में अपील दायर कर दी। तर्क दिया गया कि विश्वविद्यालय स्वायत्तशासी संस्था है और पेंशन का दायित्व उसी का है। यह तर्क न केवल तकनीकी रूप से कमजोर है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति स्वयं इस दावे का खंडन करती है–जहाँ सीमित छात्र संख्या, नगण्य फीस आय और कृषि अनुसंधान केंद्रों से कोई ठोस आय नहीं है, वहाँ पेंशन जैसे दीर्घकालिक दायित्वों का निर्वहन कैसे संभव है?

मई 2017 में डबल बेंच ने अंतरिम राहत देते हुए तीन माह की पेंशन के भुगतान का आदेश दिया। इसके बाद यह व्यवस्था बनी कि जब तक अपील लंबित है, राज्य सरकार पेंशन के लिए राशि देती रहेगी। लेकिन यह व्यवस्था भी आधी–अधूरी रही। पेंशनरों को आज भी महंगाई भत्ता वास्तविक दर के मुकाबले बहुत कम मिल रहा है–जहाँ दर लगभग 58 प्रतिशत होनी चाहिए, वहाँ उन्हें मात्र 12 प्रतिशत मिल रहा है। 22 माह की पेंशन आज भी बकाया है और सातवें वेतनमान का एरियर भी अब तक अटका हुआ है।

यह केवल पेंशनरों की लड़ाई नहीं है, यह न्याय, संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की लड़ाई है। अब और विलंब न केवल अन्याय होगा, बल्कि इतिहास में एक कलंक के रूप में दर्ज होगा। और भी चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने समाज में एक खतरनाक संदेश प्रसारित किया है-कि यदि आप जीवन भर ईमानदारी से सेवा भी करें, तो भी बुढ़ापे में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

जुलाई 2019 में न्यायालय ने 22 माह की बकाया पेंशन के भुगतान का स्पष्ट आदेश दिया, लेकिन यह आदेश भी कागजों तक सीमित रह गया। अंतत: पेंशनरों को मई 2024 में अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। परंतु वहाँ भी उन्हें न्याय नहीं, केवल तारीख पर तारीख ही मिली। यह स्थिति न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर भी प्रश्न उठाती है।

इसी बीच, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पेंशनर वेलफेयर सोसायटी ने 2021 में एक नई याचिका दायर की, जिसमें यह मांग की गई कि पेंशन की जिम्मेदारी पूर्णत: राज्य सरकार उठाए और पेंशनरों को राज्य कर्मचारियों के समान लाभ मिले। यह मांग न केवल न्यायोचित है, बल्कि व्यावहारिक भी है। परंतु पाँच वर्षों में इस याचिका की प्रगति भी अत्यंत निराशाजनक रही है–सरकार ने नोटिस का जवाब देना तक आवश्यक नहीं समझा।

आज स्थिति यह है कि लगभग 3000 पेंशनर इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था के शिकार हैं। इनमें से लगभग 300 पेंशनर अपने अधिकार की प्रतीक्षा करते–करते इस दुनिया से विदा हो चुके हैं। यह केवल आँकड़े नहीं हैं, बल्कि एक असंवेदनशील व्यवस्था का मौन अभियोग हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या एक कल्याणकारी राज्य में बुजुर्ग नागरिकों को अपने जीवन के अंतिम चरण में इस प्रकार अपमान और असुरक्षा का सामना करना चाहिए? क्या न्याय केवल आदेशों तक सीमित रह जाएगा, या उसका वास्तविक क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाएगा? क्या तारीख पर तारीख की यह परंपरा कभी समाप्त होगी?

राज्य सरकार अक्सर वित्तीय संकट का तर्क प्रस्तुत करती है, परंतु यह तर्क वास्तविकता के धरातल पर टिकता नहीं है। राज्य का वार्षिक बजट लाखों करोड़ का है, जिसमें से कुछ सौ करोड़ रुपये पेंशनरों के लिए आवंटित करना कोई असंभव कार्य नहीं है। यह मुद्दा संसाधनों का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं का है। जब सरकार बड़े–बड़े विकास कार्यों और योजनाओं पर खर्च कर सकती है, तो अपने ही कर्मचारियों के जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक राशि क्यों नहीं दे सकती?

अब समय आ गया है कि इस विषय पर अंतिम और ठोस निर्णय लिया जाए। पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं है, यह उन वर्षों की मेहनत और समर्पण का सम्मान है, जो इन पेंशनरों ने राज्य के विकास के लिए दिए हैं। यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो यह तारीख पर तारीख की कहानी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक कड़वा उदाहरण बन जाएगी–एक ऐसा उदाहरण, जहाँ एक राज्य अपने ही कर्मियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रहा।

यह केवल पेंशनरों की लड़ाई नहीं है, यह न्याय, संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की लड़ाई है। अब और विलंब न केवल अन्याय होगा, बल्कि इतिहास में एक कलंक के रूप में दर्ज होगा। और भी चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने समाज में एक खतरनाक संदेश प्रसारित किया है–कि यदि आप जीवन भर ईमानदारी से सेवा भी करें, तो भी बुढ़ापे में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। इससे युवा पीढ़ी के मन में सरकारी सेवाओं के प्रति विश्वास कमजोर होता है। एक जिम्मेदार सरकार का दायित्व केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अपने कर्मियों को सुरक्षा और सम्मान देना भी है। यदि आज पेंशनरों के साथ यह अन्याय जारी रहा, तो कल यह व्यवस्था की विश्वसनीयता को ही खोखला कर देगा। इसलिए अब निर्णय का समय है–और वह भी तुरंत, स्पष्ट और न्यायपूर्ण।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं उपाध्यक्ष
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय पेंशनर वेलफेयर सोसाइटी, उदयपुर

राशिफल गुरुवार 16 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 1:59 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 10:57 तक, विष्टि करण प्रात: 9:22 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:59 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 9:22 तक है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:41 तक, चर 10:52 से 12:27 तक, लाभ–अमृत 12:27 से 3:37 तक, शुभ 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:47

मेष
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। घर–गृहस्थी के कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

बेखौफ गुंडागर्दी, खामोश कानून: जयपुर किसके भरोसे?

मणिमाला शर्मा

सरेआम छेड़छाड़, पर्यटकों के साथ अभद्रता और वायरल होते वीडियो, क्या शहर की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रतिक्रियात्मक बन चुकी है?

जयपुर की सड़कों पर इन दिनों जो हो रहा है, उसे सामान्य छेड़छाड़ कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इसे देखा जाए तो यह सीधे–सीधे महिलाओं की गरिमा पर हमला है और उससे भी ज्यादा, कानून की साख पर। राह चलती लड़कियों का पीछा करना, रास्ते में बाइक सवारों की फब्तियां, सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकतें करना आदि ये अब इक्का–दुक्का घटनाएं नहीं रहीं हैं। अब यह एक खतरनाक पैटर्न बन चुका है और सबसे डरावनी बात यह है कि इसे करने वालों के चेहरे पर कतई डर नहीं दिखता है, बल्कि एक अजीब–सा आत्मविश्वास दिखता है। जो कि सभ्य समाज के लिए खतरनाक है। इन सब घटनाओं के मद्देनज़र क्या अब यह मान लिया जाए कि सड़कों पर महिला होना अब असुरक्षा को स्वीकार करना है?

9 अप्रैल 2026 को न्यू सांगानेर रोड (इस्कॉन रोड) पर जो हुआ, उसने इस सच्चाई को नंगा कर दिया। बाइक टैक्सी पर बैठी एक युवती के साथ दो मनचले युवकों ने छेड़छाड़ की और फिर उसी का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। देखा जाए तो उन दोनों ने केवल अपराध ही नहीं किया बल्कि कानून को खुली चुनौती दी है। मनराज और सुदामा मीणा नाम के ये दोनों आरोपी क्या यह नहीं जानते थे कि वे अपराध कर रहे हैं? या उन्हें पूरा भरोसा था कि यह सब करने के बाद भी उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा? जब अपराधी अपने ग़लत कृत्यों को छिपाने के बजाय उसे 'रील' बनाकर दिखाने लगें, तो यह समझ लेना चाहिए कि उन्हें कानून का कोई डर ही नहीं बचा है।

यह घटना अकेली नहीं हैं। मार्च में चारदीवारी क्षेत्र में एक जर्मन महिला पर्यटक को हिंदी सिखाने के बहाने अश्लील गालियां रटवाई जाती हैं और उसका मजाक उड़ाया जाता है। 5 अप्रैल को जयगढ किले के पास सुबह की सैर पर निकली एक जापानी महिला पर्यटक को पांच युवक घेर लेते हैं और उसके साथ ज़बरदस्ती करने की कोशिश करते हैं । यह यह केवल सामान्य बदतमीजी नहीं, बल्कि उस शहर की पहचान पर चोट है, जो खुद को मेहमाननवाजी की मिसाल बताता है। अगर 'अतिथि' ही असुरक्षित है, तो हमारी संस्कृति का दावा किस काम का?

अब सीधा सवाल यह है कि जब कानून मौजूद हैं, तो उनका असर क्यों नहीं दिखता? भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354, 354 और 509 स्पष्ट रूप से ऐसे अपराधों को परिभाषित करती हैं और सजा का प्रावधान तय करती हैं। नए आपराधिक कानूनों में भी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्ती दिखाई गई है। फिर भी अगर अपराधी खुलेआम अपराध कर रहे हैं और उसे रिकॉर्ड कर प्रसारित भी कर रहे हैं, तो यह कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने की विफलता है। अब देखने वाली और पुलिस प्रशासन से सवाल पूछने की जरूरत है कि क्या इन मामलों में तुरंत दर्ज हुई है ? क्या आरोपियों को उसी तेजी से गिरफ्तार किया गया, जिस तेजी से वीडियो वायरल हुआ? और सबसे अहम सवाल कि क्या इन मामलों में आरोपियों को सजा होगी, और वह भी समयबद्ध? या फिर हर बार की तरह यह मामला भी कुछ दिनों की सुर्खियों के बाद ठंडा पड़ जाएगा? अगर सजा का डर नहीं है, तो कानून केवल किताबों में जिंदा रहता है, सड़कों पर नहीं।

पुलिस पर भी सवाल उठना लाज़मी है। हर बार वही कहानी और घटना दोहराई जाती है, पहले वीडियो वायरल होता है, फिर कार्रवाई शुरू होती है। तो क्या पुलिस अब सिर्फ सोशल मीडिया के दबाव पर काम करेगी? सवाल यह उठता है कि 'प्रिवेंटिव पुलिसिंग' यानी अपराध होने से पहले उसे रोकने की जिम्मेदारी क्या अब सिस्टम से गायब हो चुकी है? पुलिस की शहर के संवेदनशील इलाकों, सुनसान सड़कों और पर्यटन स्थलों पर नियमित गश्त क्यों नहीं दिखती है ? सादी वर्दी में पुलिसकर्मी क्यों नहीं नजर आते? पर्यटन स्थलों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती क्यों नहीं की जाती है? इन सब मामलों में सरकार से भी जवाब मांगा जाना चाहिए। 'स्मार्ट सिटी' के नाम पर कैमरों और कंट्रोल रूम की लंबी–चौड़ी व्यवस्था खड़ी की गई है। लेकिन क्या ये कैमरे केवल फुटेज रिकॉर्ड करने के लिए हैं, या फिर कभी इन्हें अपराध रोकने के लिए भी यूज किया जाएगा? बाइक–टैक्सी और कैब सेवाओं का वेरिफिकेशन कहां है? रियल टाइम ट्रैकिंग सिस्टम क्यों नहीं लागू है? पर्यटन स्थलों की सुरक्षा का स्वतंत्र ऑडिट आखिरी बार कब हुआ था? यह कुछ सवाल हैं जिनके जवाब सरकार और पुलिस प्रशासन को देने ही होंगे और ऐसी कड़ी कानून व्यवस्था लागू करनी होगी ताकि आगे से कोई भी अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचे।

यहाँ समाज भी कम दोषी नहीं है।क्या वह इस पूरी कहानी में निर्दोष है? बिल्कुल नहीं। इस्कॉन रोड की घटना हो या अन्य मामले हर जगह लोग मौजूद थे, मोबाइल निकालकर वीडियो बना रहे थे। लेकिन किसी ने आगे बढ़कर रोकने की कोशिश नहीं की। यह 'डिजिटल तमाशबीन' बन जाने की प्रवृत्ति अपराधियों के लिए सबसे बड़ा सहारा है। जब विरोध नहीं होगा, तो अपराधी क्यों रुकेगा? अब वक्त आ गया है कि बातें नहीं, कार्रवाई दिखे। हर ऐसे मामले में तुरंत दर्ज हो, आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी हो, और फास्ट–ट्रैक अदालत में समयबद्ध सजा सुनिश्चित हो। सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी दिखनी चाहिए ताकि कानून का डर फिर से जिंदा हो। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी और जवाबदेही दोनों को मजबूत करना होगा।

जयपुर की पहचान उसके किलों और महलों से नहीं, उसकी सड़कों की सुरक्षा से तय होगी। अगर यहां महिलाएं और मेहमान सुरक्षित नहीं हैं, तो 'गुलाबी नगरी' का तमगा सिर्फ दिखावा बन कर रह जाएगा।आखिरी सवाल सरकार, सिस्टम और समाज तीनों से है कि कानून है, घटनाएं सामने हैं, सबूत कैमरों में कैद हैं, सोशल मीडिया में वीडियोज हैं फिर भी अपराधियों को डर क्यों नहीं है?

अगर कानून सड़कों पर दिखाई नहीं देता, तो अपराधियों को यह यकीन होने लगता है कि वह है ही नहीं। यहाँ यह बात ध्यान देने की है कि डर खत्म होते ही कानून केवल किताबों में रह जाता है और सड़कों पर जंगलराज शुरू हो जाता है।

–मणिमाला शर्मा,
सीनियर जर्नलिस्ट

नदारद होते नीड़ और वीरान होते वन-उपवन

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

जब चिड़ियाँ खामोश होती हैं, तो केवल पेड़ ही नहीं, हमारे बचपन की संवेदनाएँ भी सूख जाती हैं। कंक्रीट के इस दौर में परिंदों की चुप्पी एक बड़ी चेतावनी है। क्या हम मुट्ठी भर दाना और एक सकोरा पानी देकर अपनी इस खोती हुई विरासत को बचाने के लिए तैयार हैं? यह लेख उसी उजड़ती दुनिया की एक मर्मस्पर्शी पुकार है।

पक्षियों के बिना जीवन की सरसता वैसी ही है जैसे बिना आत्मा का शरीर निस्पंद, नीरस और रिक्त। हमारे पूर्वजों ने एक ऐसा संसार रचा था जहाँ प्रकृति और मनुष्य के बीच एक सहज, आत्मीय और अटूट सेतु था। पेड़ केवल हरियाली नहीं थे, वे सैकड़ों परिन्दों के घर थे; और आँगन केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि जीवन की गूंज से भरा एक जीवंत संसार था। लेकिन आज, विकास की अंधी दौड़ में हमने उसी सेतु को निर्ममता से ध्वस्त कर दिया है। परिंदों का वह मधुर 'कलरव', जो कभी हमारे कानों में मिश्री घोलता था, अब शहरी कोलाहल और मशीनी शोर के नीचे दबकर कहीं खोता जा रहा है।

भोर की वह विलुप्त होती दस्तक

एक समय था जब हमारी सुबह किसी कृत्रिम अलार्म की कर्कश ध्वनि से नहीं, बल्कि घर–आँगन के पेड़ों पर बैठी चिड़ियों की चहचहाहट से होती थी। गौरैया घर की ऐसी सदस्य थी जो तस्वीरों के पीछे, रोशनदानों में, या दीवारों की छोटी–छोटी दरारों में बिना अनुमति लिए ही अपना घर बसा लेती थी। उसकी चंचलता घर के हर कोने में जीवन का स्पंदन भर देती थी।

परंतु आज के आधुनिक 'स्मार्ट होम्स' ने इन मासूम जीवों के लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए हैं। रोशनदानों की जगह एयर–कंडीशनर की डक्ट्स ने ले ली है, और खुली खिड़कियों की जगह काँच की बंद दीवारों ने। चुलबुली गौरैया अब वास्तविकता से अधिक स्मृतियों का हिस्सा बनती जा रही है। अल सुबह, जहाँ कभी पेड़ों की घनी छांव में उनका सामूहिक कलरव एक मधुर राग छेड़ता था, वहाँ अब एक अजीब–सी खामोशी पसरी रहती हैमानो प्रकृति स्वयं किसी खोई हुई धुन को तलाश रही हो।

दोपहर का सन्नाटा और लुप्त होते शिकारी

दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब वातावरण ठहर–सा जाता था, तब बिजली के तारों पर बैठा हरा पतरिंगा अपनी अद्भुत फुर्ती से सबका ध्यान आकर्षित करता था। हवा में उड़ते कीट को बिजली–सी गति से झपटकर पकड़ लेना, और फिर उसी तार पर बैठकर अपनी चोंच को तार से टकराते हुए उसे निगल जाना, यह दृश्य किसी कुशल योद्धा के सधे हुए अभ्यास जैसा प्रतीत होता था।

इसी तरह कलगीधारी हुदहुद भी कभी घरों के लॉन और क्यारियों की मुलायम मिट्टी में अपनी लंबी चोंच डालकर भोजन खोजा करता था। आज स्थिति यह है कि शहरों में लॉन सिकुड़ गए हैं, क्यारियाँ समाप्त हो गई हैं, और जहाँ कभी मिट्टी की सोंधी महक थी, वहाँ अब टाइल्स और कंक्रीट का साम्राज्य है। जब धरती ही सीमेंट की परतों के नीचे दम तोड़ रही हो, तो ये नन्हे जीव अपना भोजन कहाँ तलाशें? यह केवल उनके अस्तित्व का संकट नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय संतुलन के विघटन का संकेत है।

बदलती संवेदनाएं: सरोकारों से विमुख होता मनुष्य

समय के साथ केवल भौतिक परिवेश ही नहीं बदला, बल्कि मनुष्य की संवेदनाएँ भी क्षीण होती चली गईं। एक समय था जब हर घर की मुंडेर पर मिट्टी का एक सकोरा (परिंडा) पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए रखा जाता था। घर की महिलाएँ पहली रोटी या मुट्ठी भर दाना छत पर डालना अपना कर्तव्य और पुण्य समझती थीं। आज यह परंपरा विलुप्तप्राय है।

विडंबना यह है कि आधुनिकता के प्रतीक कई भव्य प्रतिष्ठान 'दाना–पानी' जैसे नाम तो धारण करते हैं, पर उनके आसपास किसी पक्षी के लिए पानी की एक बूंद तक उपलब्ध नहीं होती। हम अपने वंशजों के लिए बैंक बैलेंस और आलीशान मकान तो छोड़ जाना चाहते हैं, पर उन्हें एक जीवंत पर्यावरण देने के प्रति उदासीन हैं।

एक व्यक्तिगत संकल्प: सुकून की तलाश

इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ छोटे–छोटे व्यक्तिगत प्रयास अभी भी आशा की किरण जगाते हैं। मैं प्रतिदिन एक पार्क में जाता हूँ और वहाँ पक्षियों के लिए दाना–पानी की व्यवस्था करता हूँ। जब कबूतर, तोते, फाख्ता और मैना समूह में आकर भोजन करते हैं और गिलहरियाँ भी उनमें शामिल होकर चंचलता बढ़ा देती हैं, तो वह दृश्य मन को एक अद्भुत शांति से भर देता है। यह केवल दाना

खिलाना नहीं है, यह उस 'ऋण' की आंशिक पूर्ति का प्रयास है, जो हम पर प्रकृति का है।

गोधूलि वेला: सरल सवालों के कठिन जवाब

सांझ ढलते ही जब आकाश सिंदूरी आभा से रंगीन होता है और पक्षियों के झुंड अपने बसेरों की ओर लौटते हैं, तब एक विहंगम दृश्य सामने आता है। लेकिन आज यह दृश्य भी प्रश्नों से घिर गया है। जब मैं सांझ की इस बेला में अपने पौत्र को छत पर ले जाता हूँ, तो वह उत्सुकता से उड़ते हुए पक्षियों को देखता है और मासूमियत से पूछ बैठता है ;दादा, ये कौन से पक्षी हैं? ये सब कहाँ जा रहे हैं?

उसके इन सरल सवालों का जवाब देने में आज हमें हिचकिचाहट होती है, क्योंकि हम जानते हैं कि उनके बसेरे अब सुरक्षित नहीं हैं।

परिंदों की परवाज़ अब धीमी पड़ रही है। उनकी खामोशी में एक गहरी चेतावनी छिपी है। यदि हमने समय रहते इसे नहीं समझा, तो आने वाली पीढ़ियाँ पक्षियों को केवल किताबों और चित्रों में ही देख पाएंगी।

संकट के बादल और हमारा सामूहिक धर्म

पक्षियों के संरक्षण के लिए कानून तो बने हैं, पर केवल कानून पर्याप्त नहीं इसके लिए करुणा, संवेदनशीलता और सामूहिक संकल्प आवश्यक है। आइए, हम सब मिलकर कुछ छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाएँ–

सकोरा अभियान: घर या कार्यालय की छत/बालकनी में पानी से भरा एक सकोरा अवश्य रखें।

अन्न का दान: प्रतिदिन कुछ दाने या रोटी के टुकड़े पक्षियों के लिए रखें। ध्यान रखें उन्हें डराकर उड़ाएँ नहीं।

आश्रय निर्माण: जहाँ संभव हो, छोटे घोंसले या 'बर्ड नेस्ट' लगाएँ, ताकि उन्हें सुरक्षित आश्रय मिल सके।

गर्मियों के इन कठिन दिनों में उन्हें हमारी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। हम अपने बच्चों के लिए जो धन–संपदा संजो रहे हैं, उसका कोई अर्थ नहीं रह जाएगा यदि बाहर का आकाश सूना और आँगन मौन हो गया। आइए, इन बेजुबानों की पीड़ा को समझें और इस धरती को फिर से उनके कलरव से गुंजायमान करने का संकल्प लें –

आज यदि हम उनके लिए पानी का एक सकोरा रखेंगे, तभी कल हमारी पीढ़ी के लिए चहचहाता हुआ सवेरा आएगा।

–डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
वन्य जीव विशेषज्ञ, जयपुर

अरावली में तेंदुआ-मानव संघर्ष की नई तस्वीर: नुकसान भारी, फिर भी कायम है सहअस्तित्व

डॉ. कमलेश शर्मा

जयसमंद अभयारण्य क्षेत्र में 13 साल में 572 घटनाएं, 98 प्रतिशत मामलों में पशुधन शिकार; मुआवजा प्रणाली कमजोर, लेकिन लोगों की सहनशीलता मजबूत

राजस्थान के दक्षिणी अरावली क्षेत्र में इंसान और तेंदुए के बीच संबंध टकराव और सह अस्तित्व का अनोखा मिश्रण बनकर सामने आया है। जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य के आसपास किए गए एक विस्तृत शोध में यह खुलासा हुआ है कि भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद स्थानीय समुदायों में तेंदुए के प्रति सहनशीलता बनी हुई है।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्राणी शास्त्र विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार कोली और उनके दल के कमल वैष्णव, निर्भय सिंह चौहान व उत्कर्ष प्रजापति द्वारा 2011 से 2024 के बीच किए गए इस अध्ययन में 572 मानव–तेंदुआ संघर्ष घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें से लगभग 98 प्रतिशत मामले पशुधन के शिकार से जुड़े थे।

रात में बढ़ता है खतरा, बकरियां सबसे ज्यादा निशाने पर

कोली ने बताया कि शोध के अनुसार तेंदुए के हमले मुख्य रूप से रात के समय होते हैं, जब पशु खुले या कच्चे बाड़ों में बंधे होते हैं। इनमें बकरियां, गाय और बछड़े सबसे ज्यादा शिकार बने। शोध में पाया गया है कि ऊंचाई वाले और अभयारण्य के पास स्थित गांवों में खतरा सबसे अधिक पाया गया, जहां मानव बस्तियां और वन क्षेत्र एक–दूसरे से सटे हुए हैं।

मुआवजा: प्रक्रिया कठिन, राशि कम

कोली ने बताया कि अध्ययन में मुआवजा प्रणाली की बड़ी खामियां भी उजागर हुईं। कुल घटनाओं में से केवल 31 प्रतिशत मामलों में ही मुआवजे के लिए दावा किया गया। इसी प्रकार स्वीकृत राशि वास्तविक नुकसान से काफी कम रही वहीं जटिल कागजी प्रक्रिया और कम जागरूकता प्रमुख बाधाएं रहीं। इससे ग्रामीणों में आर्थिक दबाव तो बढ़ा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इससे तेंदुए के प्रति हिंसक प्रतिक्रिया नहीं दिखी।

सह अस्तित्व की मिसाल: बदले की भावना नहीं

शोध की सबसे सकारात्मक बात यह रही कि तेंदुए के खिलाफ बदले में हत्या का कोई मामला सामने नहीं आया। स्थानीय लोगों का दृष्टिकोण लगभग तटस्थ (–0.2 स्कोर) पाया गया, जो बताता है कि सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं।

शिक्षा से बदलता नजरिया

अध्ययन में यह भी सामने आया कि अधिक शिक्षित लोग तेंदुए के प्रति अधिक सकारात्मक सोच रखते हैं जबकि कम आय और कम शिक्षा वाले परिवारों में डर और नकारात्मकता अधिक है। अर्थात शिक्षा, सहअस्तित्व की सबसे मजबूत कुंजी बनकर उभर रही है।

संघर्ष के प्रमुख कारण

विशेषज्ञों के अनुसार संघर्ष के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। इसके तहत जंगल और गांवों के बीच बढ़ती नजदीकी, खुले और असुरक्षित पशु बाड़े, भूमि उपयोग में बदलाव, अभयारण्य के आसपास मानव

गतिविधियां आदि तेंदुआ और मानव संघर्ष के प्रमुख कारण पाए गए हैं।

क्या हैं समाधान?

शोधकर्ताओं ने इस संघर्ष को कम करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए हैं। इसके तहत पशुओं के लिए जालीदार और मजबूत बाड़े बनाने के साथ–साथ चराई में बदलाव करते हुए जंगल के भीतर की बजाय गांव के पास चराई को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार मुआवजा प्रणाली में सुधार के तहत सरल प्रक्रिया और बाजार मूल्य के अनुरूप भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने इस संघर्ष को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को सुरक्षा और वन्य जीव व्यवहार की जानकारी देने की बात भी कही है।

एक्सपर्ट व्यू :–

एनटीसीए के सदस्य और सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर बताते हैं कि अध्ययन स्पष्ट करता है कि तेंदुए को बचाने के लिए केवल जंगल संरक्षण पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि उन लोगों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जो इन वन्यजीवों के साथ अपनी जमीन साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरावली की पहाड़ियों में यह सह अस्तित्व की कहानी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है–जहां संघर्ष के बीच भी संतुलन संभव है।

-डॉ. कमलेश शर्मा,
ज्वाइंट डायरेक्टर (पब्लिक रिलेशन्स) पुलिस हैडक्वाटर्स, राजस्थान

लेक्चरर को प्रमोशन के बजाय डिमोशन करके वापस वरिष्ठ शिक्षक बनाया?'

राजस्थान हाईकोर्ट ने इस विवादित आदेश पर स्टे देते हुए इसकी सुनवाई 16 अप्रैल को रखी

-कार्यालय संवाददाता-

- हाईकोर्ट ने रेट के रजिस्ट्रार को भी अदालत में सुनवाई के दौरान उपस्थित रहने को कहा है, क्योंकि याचिकाकर्ता का आरोप है कि ट्रिब्यूनल ने पहले तो उसे अंतरिम राहत दी, परंतु बाद में आदेश बदल दिया गया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने लेक्चरर को प्रमोशन देने के बजाय डिमोशन किए जाने के विवादित आदेश के खिलाफ दायर रिट याचिका में राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के आदेश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता लेक्चरर श्रवण लाल खोरवाल ने रेट ट्रिब्यूनल में अपील दायर की थी, जहां 8 अगस्त 2025 को सुनवाई के दौरान तत्कालीन चेयरपर्सन विकास सीतारामजी भाले व सदस्य चेतनराम देवड़ा ने उसे स्टे देते हुए अंतरिम राहत दी थी, परंतु बाद में इस आदेश को बदल दिया गया। जब यह मामला ट्रिब्यूनल में सूचीबद्ध ही नहीं थी, उसी दौरान इस प्रकरण में दूसरा आदेश याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी कर दिया गया, जो कि गैरकानूनी है।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता युवराज सामंत पैरवी के लिए पेश हुए थे। प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश रवि चिराणिया ने राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को 6 मार्च 2026 को शपथपत्र देकर जवाब पेश करने के आदेश दिए थे। जिस पर 27 मार्च को रेट की ओर से शपथ पत्र के साथ जवाब पेश हुआ था। इस जवाब पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर रजिस्ट्रार को पेश होने के आदेश दिए थे।

मामले के तथ्यों के अनुसार याचिकाकर्ता श्रवण लाल खोरवाल वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड 2 के पद पर नियुक्त हुए थे। वर्ष 2015 में इनका तबादला करते हुए उदयपुर से अजमेर लगा दिया गया था। वर्ष 2016-27 की डीपीसी में पदोन्नति मिली और उन्हें लेक्चरर बना दिया गया। तत्पश्चात वर्ष 2025 की डीपीसी में उन्हें उप प्राचार्य के पद पर पदोन्नति दी जानी थी, परंतु उसे वापस वरिष्ठ शिक्षक ग्रेड-2 के पद पर ही लगा दिया। साथ ही वर्ष 2016 में लेक्चरर पद पर किया गया प्रमोशन भी रद्द कर दिया।

ऐसे में इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस रवि चिराणिया की एकलपीठ ने कहा कि, जब ट्रिब्यूनल ने याचिकाकर्ता के संबंध में 8 अगस्त 2025 को आदेश पारित किए, तब उसकी सुनवाई नहीं की गई। ऐसे में 17 जून 2025 को याचिकाकर्ता के डिमोशन आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाते हुए इस प्रकरण की सुनवाई 16 अप्रैल को तय की है। साथ ही इस सुनवाई पर राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के आदेश दिए हैं।

रोडवेज कर्मचारी 16 अप्रैल को जयपुर में देंगे प्रदेशस्तरीय धरना

जयपुर । एटक-एआईटीयूसी से जुडी राजस्थान स्टेट रोडवेज एंप्लाइज यूनियन के आ ान पर गुरुवार, 16 अप्रैल को प्रात: 11 बजे जयपुर स्थित रोडवेज मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय विशाल धरना आयोजित किया जाएगा। इस महाधरने में सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों ही वर्गों के कर्मचारी भाग लेकर अपनी ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के सामने आवाज बुलंद करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष एम.एल. यादव के अनुसार यह आंदोलन लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है। उनका कहना है कि उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। जिससे रोडवेज संचालन और कर्मचारियों की कार्य स्थितियां प्रभावित हो रही हैं। धरने में शामिल होने से पहले कर्मचारी जयपुर आगार से रैली के रूप में रवाना होकर रोडवेज मुख्यालय पहुंचेंगे। यूनियन ने सभी कर्मचारियों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

गर्भवती महिला से छेड़छाड़ करने वाले हिस्ट्रीशीटर की तलाश

-कार्यालय संवाददाता-

- वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है, वह मध्य प्रदेश के ग्वालियर का शातिर हिस्ट्रीशीटर है।

जयपुर। शहर के मालवीय नगर थाना इलाके में गर्भवती महिला से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली गई है, जो मध्य प्रदेश के ग्वालियर का शातिर हिस्ट्रीशीटर निकला है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी राहुल गुर्जर ग्वालियर के सरसपुरा गांव (बिजौली) का निवासी है। उसके खिलाफ लूट, डकैती और मारपीट के कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित एसआईटी टीम फिलहाल ग्वालियर में डेरा डाले हुए है और लगातार दबिश दे रही है। गौरतलब है कि 25 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आरोपी बीच सड़क पर एक गर्भवती महिला के पास पीछे से पहुंचकर उससे छेडछाड करता दिखाई दिया। महिला के विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई। पीडिता ने भी घटना की सूचना पुलिस को दी थी। हालांकि, प्रारंभिक स्तर पर लापरवाही बरतने के आरोप में जवाहर सर्किल थाना के एएसआई महेश चंद्र और हेड कांस्टेबल अंगद राम मीणा को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि दोनों ने आरोपी को पकडने के बाद बिना कार्रवाई के छोड दिया था।

मुख्यमंत्री ने किया छात्राओं के साथ वर्चुअल संवाद

मुख्यमंत्री ने छात्राओं के अनुभव सुने, आत्मनिर्भर बनने का किया आव्हान

- प्रधानमंत्री मोदी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए हैं, इससे संसद-विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण निर्णायक कदम है। इस अधिनियम के माध्यम से आधी आबादी अब निर्णय लेने की मुख्य भूमिका भी निभाएगी। इससे महिलाएं योजना एवं बजट बनाने सहित देश के हर अहम निर्णय में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि बेटियों का दृढ़ आत्मविश्वास ही विकसित भारत के सपने को हकीकत में बदलेगा। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर की छात्राओं के साथ संवाद कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए हैं। इससे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा। छात्राएं आत्मनिर्भर बनने के साथ ही समाज और प्रदेश के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दृढ़ आत्मविश्वास के जरिए पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रदेश की वित्त मंत्री दिया कुमारी के कार्यों को महिला शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से जुडी मेडिकल, इंजीनियरिंग, डेटा साइंस सहित विभिन्न शिक्षण क्षेत्रों की छात्राओं से संवाद कर उनके कार्यक्षेत्र के अनुभवों और महिला सशक्तीकरण के सुझावों को सुना। शर्मा ने पचपदरा में केमिकल इंजीनियर श्रेया के चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र के चयन की सराहना करते हुए उनकी हौसला अफजाई की। ऑस्ट्रेलिया में डेटा साइंस की छात्रा तारुषी ने मुख्यमंत्री को स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता के लिए धन्यवाद दिया। मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्रा नव्या ने कहा कि इस अधिनियम ने महिलाओं को नीति निर्माण में सशक्त भागीदारी का मौका दिया है। कार्यक्रम में छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्कूल के खेल मैदान की भूमि का आवंटन रद्द करने पर रोक

-कार्यालय संवाददाता-

- सीकर के बाजौर स्थित सरकारी स्कूल का मामला
- हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, स्थानीय कलेक्टर, शिक्षा विभाग और स्कूल समिति को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सीकर के बाजौर स्थित सरकारी स्कूल के खेल मैदान के लिए आवंटित की गई भूमि का आवंटन रद्द करने वाले स्थानीय कलेक्टर के गत 5 फरवरी के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, स्थानीय कलेक्टर, शिक्षा विभाग और स्कूल समिति को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता केतन धाभाई ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने साल 2023 में स्कूल के खेल मैदान के लिए 2 हेक्टेयर जमीन आवंटित की थी। वहीं स्कूल के प्रिंसिपल ने स्कूल विकास समिति के साथ बैठक का हवाला देते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा कि यह जमीन स्कूल से चार सौ मीटर दूर स्थित है। जिसके कारण विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पडती है। इस पत्र के आधार पर कलेक्टर ने गत पांच फरवरी को इस भूमि का आवंटन रद्द कर दिया, लेकिन बदले में दूसरी जमीन आवंटित नहीं की। याचिका में कहा गया कि आवंटन रद्द करने के अल्प समय बाद ही इस जमीन को मैसर्स बाजोर डेजर्ट सफारी एंड रिसोर्ट को आवंटित कर दी। याचिका में कहा गया कि निजी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए स्कूल के खेल मैदान का आवंटन रद्द किया गया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आवंटन रद्द करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर – 302004
No. F.9/G.Ad./EPC/2026/7437 Date : 15.04.2026
सीमित निविदा सूचना
राजस्थान विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न प्रकार के 'आर.ओ. वाटर कूलरों, कॉमर्शियल आर.ओ. प्लान्ट एवं अन्य संबंधित उपकरणों के रख-रखाव की वार्षिक दर संविदा' के लिए निर्धारित निविदा प्रपत्र में इच्छुक अनुभवी फर्मों/अधिकृत सप्लायर्स/सेवा प्रदाता/सोल डिस्ट्रीब्यूटर्स एवं अधिकृत बोनाफाईड डीलर्स से मोहरबन्द निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कुल अनुमानित लागत राशि रूपये:- 1.90 लाख।
UBN No. URA2627SSRC00008 dated 15.04.2026 Dy. Registrar (G. Ad.)

कार्यालय नगर परिषद, चौमूं-जयपुर (राज.)
क्रमांक/न. प., चौमूं/2026/85 दिनांक 10.04.2026
पट्टा निरस्तीकरण आदेश
इस कार्यालय द्वारा जारी पट्टा संख्या 76 दिनांक 10/12/2021 सीताराम शर्मा पुत्र कन्हैयालाल शर्मा, सुशीला देवी पत्नी सीताराम शर्मा खादी बाग रोड, रावण गेट चौमूं पर स्थित 47.01 वर्ग मीटर का आवासीय पट्टा 69ए के तहत जारी किया गया था।
दिनांक 29/01/2025 को इस कार्यालय को उपरोक्त जारी पट्टे की शिकायत प्राप्त हुई कि पट्टाधारक द्वारा सिवायचक भूमि पर एवं फर्जी शपथ पत्र प्रस्तुत नियम विरुद्ध पट्टा जारी करवा लिया गया है जिस पर नगर परिशद द्वारा पट्टाधारक को राज. न.पा. अधिनियम 2009 की धारा 73बी के तहत नोटिस जारी कर तहसीलदार चौमूं से जारी पट्टे की भूमि किस्म एवं खातेदारी संबंधी रिपोट चाही गयी थी। जिस पर तहसीलदार चौमूं का पत्र कमांक 733 दिनांक 07/2/25 द्वारा पट्टाधारक को जारी पट्टा चौमूं ए स्थित आराजी खसरा नम्बर 3997 रकबा 0.03 है. किस्म गै.मु. आबादी सिवायचक राजस्थान सरकार के नाम दर्ज है एवं आपतीकर्ता जगदीश से एक शपथ पत्र की छाया प्रति नोटेरी से सत्यापित प्रस्तुत की है जिसमें सीताराम का कथन है कि बिन्दु संख्या 2 यह शपथ पत्र न ही विरेन्द्रसिंह द्वारा दिया गया है और न ही इनके हस्ताक्षर है। बिन्दू संख्या 3 में सीताराम का कथन है कि मेरे द्वारा पट्टा संख्या 76 दिनांक 10/12/21 के संबंध में दिया गया था उक्त शपथ पत्र को हम दोनों पक्ष शून्य घोशित करते है। अतः यह विश्वास करने का तथ्यपूर्ण कारण है कि आवेदक श्री सीताराम ने मिथ्या दस्तावेजों के आधार पर दुरसंधि करके विधि का उल्ल्घंन कर भूमि का पट्टा कमांक 76 दिनांक 10/12/2021 क्षेत्रफल 47.01 वर्ग मीटर श्री सीताराम शर्मा, श्रीमती सुशीला देवी के नाम से प्राप्त किया है। अतः उक्त भूमि के आवेदन को प्रतिसंहरण और पट्टा विलेख के रद्धकरण की अभिशंशा करते हुए पट्टा निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु राज. न. पा. अधिनियम 2009 की धारा 73b (Revocation of Allotment & Cancelation of Lease Deed) में उल्लेखित प्रावधानानुसार पट्टा निरस्त किया जाता है।
अतः उपरोक्त जारी पट्टा संख्या 76 दिनांक 10/12/2021 को शून्य घोशित किया जाता है। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर से मोहर के अधीन आज दिनांक 10/04/2026 जारी की गई है।
राज.संवाद/सी/26/860 आयुक्त

खरीफ-2025 में अल्पकालीन फसली ऋणों की भुगतान तिथि बढ़ाई

- सरकार की इस राहत से 5.57 लाख किसानों को मिलेगा लाभ

जयपुर । राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ-2025 में वितरित अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋणों की अदायगी तिथि आगे बढाने की स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 5.57 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक ने बताया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पैक्स/लैम्प्स के माध्यम से खरीफ-2025 में ऋण प्राप्त करने वाले किसान अब 15 मई, 2026 अथवा ऋण लेने की दिनांक से 12 माह, जो भी पहले हो, ऋण राशि चुका सकेंगे।

पूर्व में ऋण चुकाने की अवधि 31 मार्च, 2026 निर्धारित थी, जिसे आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है।

दक ने बताया कि तिथि आगे नहीं बढाये जाने पर लगभग 5.57 लाख किसानों पर बकाया लगभग 2184 करोड़ रुपये का ऋण अवधिपार हो जाता। ऐसी स्थिति में इन किसानों को शून्य ब्याज दर पर फसली ऋण सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता।

साथ ही, ऋण अवधिपार होने की स्थिति में उन्हें 2 प्रतिशत पेनल्टी का भुगतान भी करना पडता। सहकारिता मंत्री ने किसानों से इस विस्तारित अवधि का लाभ प्राप्त करते हुए ऋणों का चुकारा कर शून्य ब्याज दर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

सुर्खियां बटोरने के लिए गलत बयानबाजी कर रहे अशोक गहलोत : दिलावर

राज्य सरकार नियम-क़ानून के तहत शीघ्र चुनाव के पक्ष में है : शिक्षा मंत्री

- दिलावर ने कहा "100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली" वाली कहावत चरितार्थ कर रहे गहलोत
- होटलों में चली पिछली सरकार वाला दौर था कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन : दिलावर

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत बौखलाए हुए हैं और बचकानी बातें कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा कानून एवं न्यायालयों का सम्मान करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों की अनुपालना के पश्चात ही चुनाव करवाये जाने के लिए निर्देशित किया है। सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होने पर सरकार उसका विस्तृत अध्ययन करेगी एवं विधिवेत्ताओं से राय लेकर ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया से शीघ्र चुनाव संपन्न करवाएगी।

दिलावर ने कहा कि कांग्रेस ने तो 13 साल तक चुनाव कराए ही नहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को सत्ता में बनाये रखने के लिए 1975 में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे हम पर न्यायालय की अवहेलना करने और कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन के आरोप लगा कर सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं।

मदन दिलावर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने घर पर धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के सम्मान को तार-तार करने का काम किया था। अपने ही सहयोगी को नाकारा निकम्मा मक्कार जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया था। वे अपने अपराधों का दोष एक लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार पर थोपकर एक घोर अपराध कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी से ज्यादा लोकतंत्र की हत्या करने वाली पार्टी कोई नहीं है। अशोक गहलोत जी के जैसा राज्यपाल का असम्मान करने वाला कोई नहीं है। और अनगर्ल टिप्पणियां कर लोगों को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्क्रैप मैटेरियल बेचकर जयपुर मंडल ने 78 करोड़ रु. कमाए

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्क्रैप बिक्री के माध्यम से राजस्व सृजन करते हुए 78.40 करोड़ का राजस्व अर्जित कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह जयपुर मंडल द्वारा किसी एक वित्त वर्ष में अब तक की सर्वाधिक बिक्री है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जयपुर मंडल को स्क्रैप बिक्री के माध्यम से 65 करोड़ के राजस्व सृजन का लक्ष्य दिया गया था। मंडल ने न केवल इस लक्ष्य को प्राप्त किया,बल्कि इसे 20.62 प्रतिशत से अधिक पार करते हुए उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष में बेचे गए 26.54 करोड़ के स्क्रैप मैटेरियल की तुलना में लगभग 3 गुना है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तल ने बताया कि जयपुर मंडल द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 22,261 मीट्रिक टन स्क्रैप का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। जिससे रेलवे को 78.40 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। जयपुर रेल मंडल की यह उपलब्धि न केवल आर्थिक मजबूती का संकेत है,बल्कि सुरक्षित, स्वच्छ एवं आधुनिक रेलवे प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। स्क्रैप मैटेरियल का समयबद्ध निष्पादन केवल राजस्व बढ़ाने का माध्यम ही नहीं,बल्कि रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन ने इस उपलब्धि पर मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता 'मिशन जीरो' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

26 साल पुराने मालपुरा सांप्रदायिक दंगा मामले के 10 आरोपी दोषमुक्त

-कार्यालय संवाददाता-

- 10 जुलाई 2000 को मालपुरा में हुए साम्प्रदायिक दंगे में चार जनों की हत्या का मामला
- इस मामले में ज्यादातर गवाह पक्षद्रोही हो गए थे और आरोपियों के खिलाफ हत्या व हत्या का प्रयास साबित नहीं होने के कारण कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

जयपुर । शहर की साम्प्रदायिक दंगा मामलों की विशेष कोर्ट ने करीब 26 साल पहले 10 जुलाई, 2000 को मालपुरा में हुए साम्प्रदायिक दंगे में चार जनों की हत्या के मामले में दस आरोपियों को संदेह लाभ में दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने मोहम्मद इम्तियाज, अब्दुल रज्जाक, साजिद अली, फहीम अहमद, ईशाक, अब्दुल वाहिद, रकीब अहमद, मुनीर, रऊफ व नवाब को दोषमुक्त किया है। इस मामले में ज्यादातर गवाह पक्षद्रोही हो गए थे और आरोपियों के खिलाफ हत्या व हत्या का प्रयास साबित नहीं होने के कारण कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

आरोपियों के अधिवक्ता वाहिद नकवी ने बताया कि आरोपियों की शिनाख्त नहीं हो पाई थी और जेल से पहले ही पुलिस थाने में उनकी पहचान उजागर हो गई थी। जिन अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच लंबित थी, उनके खिलाफ नई साक्ष्य ही पेश नहीं हो पाई थी। जिन हथियारों से हत्या होने का दावा किया गया था, उन पर खून ही नहीं था। ऐसे में अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ हत्या व हत्या का प्रयास का आरोप साबित ही नहीं कर सके। वहीं ज्यादातर गवाह पक्षद्रोही भी हो गए। इसके चलते ही कोर्ट ने दस आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। गौरतलब है कि जुलाई 2000 को परिवादिया मंजू देवी ने मालपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जीप में जाते समय उन पर हमला हुआ। इस हमले में 4 जनों की मौत हुई और दो लोग घायल हो गए।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीन शातिर साइबर ठग गिरफ्तार, 47,500 रुपये नकद बरामद

आरोपियों से 2 लैपटॉप, 2 एटीएम कार्ड भी बरामद किए

भवानीमंडी, (निसं)। ऑपरेशन म्यूल हंटर में भवानीमंडी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है और पुलिस ने तीन शातिर साइबर ठग गिरफ्तार किए है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 47,500 रुपये नकद, 2लैपटॉप, 02 एटीएम कार्ड, 5 बैंक पासबुक, 1 चेकबुक जब्त की है।

साइबर अपराधों पर लगाम कसने के लिए भवानीमंडी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत पुलिस ने दूसरी बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो बैंक खातों की खरीद-फरोख्त कर उन्हें साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान 14 अप्रैल को सूचना मिली कि एक निजी बैंक की भवानीमंडी शाखा का एक खाता संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है। तकनीकी विश्लेषण और जांच के बाद पता चला कि यह खाता अजय वर्मा के नाम पर था और इसका उपयोग साइबर ठगी के पैसों के लेन-देन के लिए किया जा रहा था। भवानीमंडी के निकटतम सुपरविजन में प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा प्राप्त सूचना व तकनीकी विश्लेषण द्वारा साईबर अपराध में संलिप्त बैंक खातों व खाता धारको की जानकारी प्राप्त की जाकर म्युल खाता धारक अजय वर्मा पुत्र दिलीप कुमार वर्मा जाति बसेडा उम्र 28 साल निवासी खण्डिया कॉलोनी झालावाड़ पुलिस थाना कोतवाली झालावाड़ जिला-झालावाड (राज.) व खाता खरीदने वाले आरोपीगण अरविन्द मीणा पुत्र राजूलाल जाति मीणा उम्र 25 साल निवासी मोरेली पुलिस थाना अकलेरा जिला-झालावाड (राज.) राजकुमार मेघवाल पुत्र रामप्रसाद जाति मेघवाल उम्र-25 साल निवासी मुण्डेरी पुलिस थाना मण्डावर जिला-झालावाड (राज.) को भी गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। गिरफ्तार आरोपी अजय वर्मा, अरविन्द मीणा राजकुमार मेघवाल म्यूल अकाउंट्स का नेटवर्क जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि ये आरोपी लाखों रुपये देकर अन्य लोगों के बैंक खाते खरीदते थे और फिर उन्हें बड़े साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। इन श्म्यूल खातों के जरिए देशभर में करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम दिया जा रहा था। इन खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें पहले से दर्ज हैं।

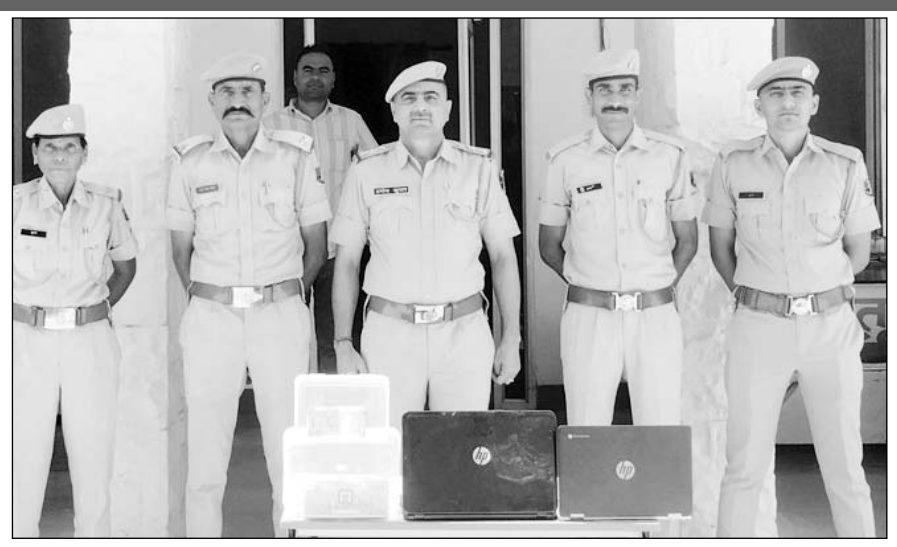

भवानीमंडी पुलिस ने साइबर ठगी के उपकरण सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

■ ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत पुलिस ने दूसरी बड़ी सफलता हासिल की

शिक्षकों से भरी कार पलटी, सभी सुरक्षित

■ तकनीकी खराबी से अनियंत्रित हुई गाड़ी, बिरधवाल स्कूल के पास हादसा

सूरतगढ़ । शिक्षा ब्लॉक क्षेत्र के गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल बिरधवाल हेड के पास बुधवार को शिक्षकों से भरी एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के समय कार में तीन महिला और दो पुरुष शिक्षक सवार थे। सौभाग्य से इस हादसे में कोई गंभीर जनहानि नहीं हुई और सभी शिक्षक सुरक्षित रहे।

जानकारी के अनुसार कार को शिक्षक संजीव भारद्वाज चला रहे थे। सुबह ड्यूटी पर जाते समय स्कूल से करीब 400 मीटर पहले अचानक वाहन में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे कार का संतुलन बिगड़ गया। ड्राइवर ने स्थिति को संभालने का पूरा प्रयास किया, लेकिन ब्रेक सहित अन्य महत्वपूर्ण पुर्जों के काम करना बंद कर देने से कार पूरी तरह अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित कार तेजी से आगे बढ़ती हुई स्कूल गेट तक पहुंची और अंत में स्कूल की दीवार से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए सभी घायलों को निजी वाहनों की मदद से सूरतगढ़ के निजी अस्पताल पहुंचाया।

घायलों में प्रेमलता, सपना, डिंपल चौधरी, संजीव भारद्वाज और रंजीत सोढा शामिल हैं। निजी अस्पताल में चिकित्सकों ने सभी का तुरंत उपचार किया। डिंपल चौधरी, संजीव भारद्वाज और रंजीत सोढा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि प्रेमलता और सपना के गर्दन व कान के पास चोटें आई थीं। जांच के बाद उन्हें भी उपचार देकर घर भेज दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी शिक्षकों की हालत अब सामान्य है और किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। सभी शिक्षक बिरधवाल हेड के गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल में कार्यरत हैं।

संगठनात्मक कार्यक्रमों में अनुपस्थिति पर सख्ती

अजमेर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया है। हाल के आयोजनों में कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी लगातार अनुपस्थित पाए गए हैं।

कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पार्टी की विचारधारा, सामाजिक न्याय और प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। ऐसे कार्यक्रमों से दूरी बनाना अनुशासनहीनता माना जाएगा। पार्टी द्वारा प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को भेजी जा रही है, जो आगामी नगर निगम चुनावों, संगठनात्मक नियुक्तियों और जिम्मेदारियों के निर्धारण का आधार बनेगी। हाल ही में आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती और महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती में अनुपस्थित रहने वाले कार्यकर्ताओं की सूची प्रदेश स्तर पर भेजी जा रही है। साथ ही, आधिकारिक कार्यक्रमों से अलग आयोजित गतिविधियों की जानकारी भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित की जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी ने निर्देश दिए हैं कि अनुपस्थित रहने वाले सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शीघ्र ही कार्यालय में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। बिना उचित कारण के अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा।

9100 लीटर वाश नष्ट, 17 भट्टियां तोड़ीं

■ अवैध शराब बरामद कर 2 मामले दर्ज किए, टीम ने कई इलाकों में की छापेमारी

हनुमानगढ़ । जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने दो दिवसीय संयुक्त अभियान चलाया। इस बड़ी कार्रवाई के दौरान विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर करीब 9100 लीटर लाहन (वाश) नष्ट किया गया। साथ ही 17 कच्ची भट्टियों को भी तोड़ दिया गया और अवैध शराब बरामद कर दो मामले दर्ज किए गए।

आबकारी आयुक्त एवं जिला कलेक्टर के निर्देश पर यह अभियान उपायुक्त आबकारी निरोधक दल, जोन बीकानेर के नेतृत्व में संचालित हुआ। टीम ने जिले के गंगागढ़, गंगाघाट, देबूघाट, मक्कासर, मक्कासर नहर, अमरपुरथेड़ी, सुरेशिया, चंदड़ा और नवां सहित कई अन्य क्षेत्रों में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान हथकढ़ शराब बनाने के लिए तैयार बड़ी मात्रा में लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अतिरिक्त 46 पव्वे देशी शराब और लगभग 3 लीटर हथकढ़ शराब भी बरामद की गई। विभाग ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला आबकारी अधिकारी संजीव पटावरी ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में इस तरह की गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 28 अभियोग दर्ज किए जा चुके हैं, जो विभाग की सक्रियता को दर्शाता है।

सिख समाज ने मृत्यु भोज पर लिया फैसला

■ लंगर में होगी सिर्फ दाल, सब्जी और प्रसादा, मिठाइयों पर रोक

अनूपगढ़ । यहा सिंह सभा गुरुद्वारे में सर्व सिख समाज ने मृत्यु भोज को लेकर एक महत्वपूर्ण निणर्य लिया है। अब किसी भी परिवार में मृत्यु के बाद आयोजित लंगर में केवल दाल, सब्जी, प्रसादा और जल ही परोसा जाएगा। मिठाइयों और अन्य व्यंजनों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

यह फैसला समाज में अनावश्यक खर्च को रोकने और दुख की घड़ी में सादगी व सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है। इस निणर्य के प्रचार-प्रसार के लिए आगामी 5 मई को गुरुद्वारा सिंह सभा, अनूपगढ़ में एक विशाल बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में जट सिख महासभा के अध्यक्ष सुखविंदर सिंह उर्फ पप्पू, कंबोज महासभा के अध्यक्ष अजीत सिंह धांजू, प्रकाश सिंह जोसन, वरिंदर सिंह ढिल्लों, जालंधर सिंह टूर, गोरा सिंह भुल्लर, दर्शन सिंह बराड़, गुरविंदर सिंह जाखड़, प्रेम सिंह मली, सर्वजीत सिंह, गुरदेव सिंह टूरना, परमजीत सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह बराड़, करमजीत सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

'परिवार ने हिरण को बच्चे की तरह पाला'

■ हिरण के बच्चे को बोतल से दूध पिलाते है

बीकानेर । यहां एक किसान परिवार ने हिरण को बच्चे की तरह पाला। डेढ़ साल तक उसका ख्याल रखा। उसे बोतल से दूध पिलाया। बच्चे उसके साथ खेलते। हिरण के बच्चे की मां को कुत्तों ने मार दिया था।

श्रीसनातन धर्मा गोसेवा मरुधर थार संस्था की टीम हिरण के बच्चे को लेने किसान हनुमानराम मेघवाल के घर पहुंची। परिवार ने तिलक लगाकर और मिश्री खिलाकर उसे विदा किया।

इस दौरान किसान की पत्नी से लेकर बच्चे तक फूट-फूटकर रोने लगे। मामला बीकानेर के कोलायत के ग्रांधी गांव का है। परिवार ने हिरण के बच्चे का नाम 'कमल' रखा था।

संस्था के संचालक ओम फौजी ने बताया- हनुमानराम के खेत के पास करीब डेढ़ साल पहले एक मादा हिरण का कुत्तों ने मार डाला था। हिरण का बच्चा अपनी मां के आसपास घूम रहा था। तभी हनुमानराम की नजर उस पर पड़ी। कुत्ते हिरण के बच्चे को न मार दें, इसलिए हनुमानराम उसे अपने घर ले आए थे।

जब हनुमानराम हिरण के बच्चे को लेकर घर पहुंचे तो उनके दोनों बेटे गिरधारी, पवन और बेटी तुलसी काफी खुश हुए। ढाणी में ही हिरण के बच्चे के लिए एक छोटा कमरा रखा। किसान की पत्नी केसर अपने बच्चे की तरह इसकी देखभाल करने लगी। दूध की बोतल से उसे बकरी का दूध पिलाती और दिनभर उसका ख्याल रखने लगी।

परिवार का हिरण के बच्चे से इतना लगाव हो गया कि बच्चे दिनभर उसी के साथ खेलते थे। यहां तक कि ढाणी से बाहर भी जाना होता तो उसे अकेला नहीं छोड़ते थे। उसे अपने साथ लेकर जाते थे। संस्था के लोगों ने बताया कि किसान ने हिरण के इस बच्चे को परिवार का हिस्सा मान लिया था।

हनुमानराम ने बताया कि हिरण के बड़ा होने पर सींग निकल आए थे। ऐसे में उसके चोट लगने की आशंका बढ़ गई थी। परिवार के लोगों को भी डर सताने लगा था कि कहीं भाग गया या किसी ने शिकार कर लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

इस पर परिवार ने श्रीसनातन धर्म गोसेवा मरुधर थार संस्था से संपर्क किया। संस्था के लोग हिरण के बच्चे को लेने पहुंचे। बच्चों ने विदाई से पहले उसे दूध पिलाया और साथ में खेले। यही नहीं, उसके गले में घंटी भी बांधी। जब उसे पिकअप में बैठाया जा रहा था तो पूरा परिवार उसे छोड़ने पहुंचा।

ओम फौजी ने बताया कि यह पहला मौका नहीं है। इससे पहले भी कई बार लोगों ने अनाथ हिरण के बच्चों को अपने घर में पालने के बाद बड़ा होने पर प्राकृतिक आवास में छोड़ा है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित मोडायत गांव में मदनलाल ठेकेदार ने भी इसी तरह एक हिरण के बच्चे का पालन-पोषण कर उसे समराथल धोरा में छोड़ा था।

असिस्टेंट इंजीनियर ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। बूंदी में बिजली विभाग में कार्यरत असिस्टेंट इंजीनीयर (एईएन) ने भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र मे स्थित अपने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। मृतक गोपाल कृष्ण भीमगंजमंडी इलाके के डडवाडा क्षेत्र में रहते थे ।

जानकारी के अनुसार मामले में सामने आया कि गोपाल कृष्ण ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि डडवाडा निवासी गोपाल कृष्ण (50) ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली, मृतक बूंदी में बिजली विभाग में एईएन के पद पर थे, थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की पत्नी जयपुर में फर्स्ट ग्रेड टीचर के पद पर है जो कुछ महीनों से पति से अलग जयपुर में रह रही थी, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो को सौंप दिया है । थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नही आया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुष्कर में कृष्ण भवन का लोकार्पण

पुष्कर, । तीर्थ नगरी पुष्कर स्थित श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन में नवनिर्मित कृष्ण भवन का लोकार्पण बुधवार को भव्य समारोह में संपन्न हुआ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास, अयोध्या के कोषाध्यक्ष संत गोविंद देव गिरी महाराज ने विधिवत अनावरण कर भवन को समाज को समर्पित किया। कार्यक्रम की शुरुआत यज्ञ, पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई। प्रातः 11:15 बजे महाराज ने पट्टिका का अनावरण किया। इस मौके पर कई भक्त मौजूद थे।

पुलिस ने बरामद किए 35 लाख के मोबाइल

■ यूपी, बिहार, राजस्थान और हरियाणा से ट्रैस किए; मालिकों को लौटाए

श्रीगंगानगर । चोरी और गुमशुदा मोबाइलों की तलाश में जुटी श्रीगंगानगर जिला पुलिस ने 35 लाख के 138 मोबाइल फोन किए हैं। जिसके बाद बरामद किए गए मोबाइलों को उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया। एसपी हरी शंकर ने बताया- सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज गुमशुदा व चोरी हुए मोबाइलों को ट्रेस करने के लिए 12 मार्च 2026 से विशेष अभियान चलाया गया था।

इस अभियान के दौरान श्रीगंगानगर पुलिस ने न सिर्फ अपने जिले बल्कि बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से मोबाइल फोन बरामद किए। आज बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन, श्रीगंगानगर में एक कार्यक्रम आयोजित कर इन बरामद मोबाइलों को उनके सही मालिकों को सौंप दिया गया। थाना कोतवाली के कॉन्स्टेबल सुशील कुमार ने 26, जवाहरनगर के सोहनलाल ने 25 मोबाइल बरामद किए हैं। वहीं, घड़साना के राजेश ने 16, पुरानी आबादी के अनिल, सादुलशहर के दीपक, अनूपगढ़ के राजेंद्र और थाना श्रीकरणपुर के महावीर ने भी 10-10 मोबाइल बरामद किए हैं। एसपी ने लोगों से कहा- अगर आपका मोबाइल गुम हो गया हो या चोरी हो गया हो तो तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है कि आपकी संपत्ति आपको वापस मिल सके।

राशन गेहूं के लिए जनता घंटों कतार में, व्यवस्था लाचार

उपभोक्ता व डीलर परेशान, अप्रैल माह के साथ ही बांटा जा रहा है मई और जून माह का गेहूं

■ पुलिस और स्थानीय पार्षद की दखल से शुरू हो पाया गेहूं वितरण

कोटा, (निसं)। शहर में इस समय राशन उपभोक्ताओं को राज्य सरकार की तरफ से अप्रैल माह के साथ ही मई और जून का गेहूं भी वितरित किया जा रहा है। इस वजह से शहर की राशन दुकानों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। भारी भीड़ के कारण कई बार विवाद की स्थिति खड़ी हो रही है। राशन उपभोक्ता रात से ही दुकानों के आगे लाइन लगाकर खड़े हैं। उनका कहना है कि दो-दो, तीन- तीन दिन से गेहूं लेने के लिए कतार में खड़े हैं परंतु फिर भी गेहूं नहीं मिल पा रहा।

सामने आ रहा है कि कई राशन डीलर एक ही दिन में गेहूं का वितरण करके फ्री हो गए हैं। परंतु उनके क्षेत्र के लोगों को गेहूं नहीं मिल पाया है। जिस कारण से उपभोक्ता दूसरे इलाकों की दुकानों पर पहुंच रहे हैं। जिस कारण राशन दुकानों पर भारी और हंगामें की स्थिति बन रही है। ऐसे ही हालातो के चलते महावीर नगर विस्तार योजना स्थित राशन की दुकान पर बुधवार को उस समय अव्यवस्था एवं अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई,जब तीन माह का राशन एक साथ वितरण किए जाने के आदेश के चलते बड़ी संख्या में उपभोक्ता एकत्र हो गए। स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों के निवासी भी राशन लेने पहुंच गए, जिससे भीड़ और अधिक बढ़ गई तथा आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच लंबी कतारों से परेशान आमजन में भारी आक्रोश देखने को मिला। राशन डीलर महिला को व्यवस्थाएं बनाने के लिए महावीर नगर थाने से पुलिस का जाप्ता बुलाना पड़ा। डीलर की सूचना पर महावीर नगर पुलिस का जाप्ता भी मौके पर पहुंचा और लोगों को समझने का प्रयास किया। लेकिन आमजन रात से ही लाइन में लगा हुआ था इस कारण से लोगों के मन में काफी पीड़ा थी जिसे उन्होंने पुलिस के सम्मुख भी व्यक्त किया। पुलिस के द्वारा भी लोगों की समस्या को गंभीरता से सुनकर उसका समाधान करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पार्षद एवं महिला कांग्रेस कोटा शहर जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम मौके पर पहुँचीं। इस मौके पर ब्लॉक उपाध्यक्ष रमेश यादव व रोहित प्रजापति मौजूद थे। उन्होंने उपस्थित उपभोक्ताओं की समस्याएँ सुनीं, उन्हें समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया तथा मौके पर ही जिला रसद अधिकारी से वार्ता कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम ने कहा कि खाद्य विभाग द्वारा अप्रैल के साथ मई एवं जून माह का राशन एक साथ वितरित करने का निर्णय सराहनीय है, लेकिन उचित एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के अभाव में उपभोक्ताओं और राशन डीलरों दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। एक साथ अधिक मात्रा में वितरण होने से प्रक्रिया में अधिक समय लग रहा है, जिसके कारण राशन की दुकानों पर अत्यधिक भीड एकत्र हो रही है और लोगों को घंटों तक कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। राशन डीलरों के अनुसार विभागीय नियमों के तहत एक उपभोक्ता का पूरा राशन वितरण होने तक दूसरे उपभोक्ता की एंट्री पॉस मशीन में संभव नहीं है। अप्रैल माह का राशन देने के साथ प्रत्येक उपभोक्ता के लिए मशीन में मई और जून के गेहूं के लिए दो-तीन बार प्रक्रिया करनी पडती है जिसमें लगभग 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है। इसी कारण है कि कई स्थानों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी कतारें लग रही हैं।

कोटा के महावीर नगर विस्तार योजना में राशन की दुकान पर हंगामें की स्थिति के बाद पार्षद शालिनी गौतम ने गेहूं वितरण शुरू करवाया।

दिव्या जाजू बनी मिसेज बूंदी

बून्दी (निसं)। जेसीआई बूंदी ऊर्जा द्वारा स्थानीय रिसोर्ट में महिलाओं के लिए एक रोमांचक मिस एंड मिसेज बूंदी 2026 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में कई महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुई प्रतियोगिता तीन मनोरंजक राउंड में संपन्न हुई। आकर्षक रैंप वॉक रचनात्मक परिचय व अद्भुत टैलेंट राउंड और प्रश्न उत्तर शामिल थे। जिसमें प्रतियोगियों ने बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। मिस दिवा 2022 डॉक्टर रसीला भूरिया डॉक्टर ममता चौधरी मिसेज वोगेस्टर 2023 व रुचि जौहरी मिसेज न्यू फेस 2024 ने निर्णायक की भूमिका निभाई । उन्होंने प्रत्येक प्रतिभागियो के प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन किया और अंत में अपना निर्णय दिया । मिसेज बूँदी 2026 - दिव्या जाजू , मिस बूँदी 2026 - काव्या गुरबानी , मिसेज बूँदी 2026 फर्स्ट रनर अप शेली माहेश्वरी , मिस बूँदी 2026 फर्स्ट रनर अप कृति अरोड़ा , मिसेज बूँदी 2026 सेकंड रनर अप नेहा झंवर , मिस बूँदी 2026 सेकंड रनर अप नव्या भंडारी , मिसेज आउटस्टैंडिंग परफॉर्मर शोभा कास्ट , मिस आउटस्टैंडिंग परफॉर्मर आश्वी तोतला, मिसेज एलिगेंट डॉ. निर्मला, मिस एलिगेंट जिया भंडारी

मिसेज ग्लैमरस निशा सालिवाल , मिस ग्लैमरस आरवी माहेश्वरी 2026 आदि को खिताब से नवाजा ।

जेसीआई बूंदी ऊर्जा की सदस्य प्रिया जैन व नेहा शर्मा ने मंच संचालन किया । इस अवसर पर अध्यक्ष अंकिता नुवाल ने सभी का स्वागत किया ।

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner
क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2026-27/राजकाज 21396694 दिनांक :- 02/04/2026
निविदा सूचना संख्या 01/II/2026-27
बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, प्राधिकरण एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद ई.ओ.आई. आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तो आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://lsg.rajasthan.gov.in/bda पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- ITB2627SLOB00003
राज.संवाद/सी/26/811 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
संशोधित निविदा सूचना - 01 दिनांक :- 13/04/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/प्रमुख एंव प्रभारी एलएस/संविदा- 12/2025-26 दिनांक 09.03.2026 UBN No. MML2526WSOB00170	जोधपुर कार्यालय के अधीन जैसलमेर एवं गोटन ईकाइ स्थित खदान में कार्य करने हेतु अनुबन्ध के आधार पर कम्प्यूटर पर कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की संख्या 26 । अनुमानित मूल्य (रू.) 151.83 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 304000/-, निविदा राशि- 4720/- निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 20.04.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 21.04.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/807 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2, ए झालाना डूंगरी, जयपुर, फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362
Email : secretary.rstb@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- एफ-3/1/स्टोर/रारापामं/2026/ दिनांक :- 10/04/2026
ई-बिड सूचना संख्या 372 वर्ष 2026
एक वर्ष के लिए मण्डल मुख्यालय पर सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब बेसिस पर मशीन विद मैन (कम्प्यूटर ऑपरेटर) की सेवायें अनुबंधित किये जाने हेतु ऑन लाईन माध्यम से ई-बोलियां दिनांक 20.04.2026 सांय 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत 40.00 लाख है। निविदा से संबंधित विवरण एवं शर्तें वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है एवं https://eproc.rajasthan.gov.in से अपलोड व देखे जा सकते है।
UBN No. : TBB2627SLOB00001
राज.संवाद/सी/26/833 सचिव

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2026/195 दिनांक :- 07.04.2026
:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 20.04.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2627WSOB00861), (DLB2627WSOB00862) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/801 नगर परिषद, सुजानगढ

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
OFFICE OF JET COORDINATOR
No. :- F ( )/SKRAU/JET/Pre-PG/Ph.D/2026/16 Dated :- 13/04/2026
अधिसूचना (Notification)
जेट/प्री-पीजी/पीएचडी प्रवेश परीक्षा-2026 के तहत राजस्थान राज्य के कृषि/पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों और निजी विश्वविद्यालयों/कॉलेजों (राजस्थान सरकार द्वारा केवल कृषि के लिए अनुमति प्राप्त) द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कृषि और संबद्ध डिग्री पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 21 जून 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 18.04.2026 से 17.05.2026 तक और विलंब शुल्क के साथ 20.05.2026 तक JET की अधिकारिक वेबसाइट https://www.jetskrau2026.com पर भरा जा सकता है। अधिक जानकारी जैसे पात्रता, परीक्षा समय सारणी इत्यादि के लिए कृपया वेबसाइट पर उपलबध नियमावलियों (Guideline Booklets) का अवलोकन करें।
जेट समन्वयक
राज.संवाद/सी/26/814 जेट/प्री-पीजी/प्री-पीएचडी प्रवेश परीक्षा-2026

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/16 - 18 Date :- 10/04/2026
ई-निविदा सूचना संख्या : 05/2026-27
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 282.92 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	11.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 27.04.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	11.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 27.04.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	28.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2627WSOB00007 To ITU2627WSOB00008
राज.संवाद/सी/26/810 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

संजय मार्केट में टायर गोदाम में लगी भीषण आग

पुलिस और आधा दर्जन दमकलों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शहर के लाल कोठी थाना इलाके स्थित संजय मार्केट में बुधवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने टायर गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आसपास के क्षेत्र में धुएं का गुबार छा गया।

सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने केमिकल फोम की मदद से करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। संकरी गलियों के कारण फायर ब्रिगेड को राहत कार्य में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आग बुझाने के लिए गोदाम का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा।

थानाधिकारी प्रकाश विश्नोई के अनुसार, संजय मार्केट स्थित यह चार मंजिला इमारत शहजाद, फरकान और शाहनवाज की है। ग्राउंड फ्लोर पर 'ब्लैक स्टोर' कंपनी को टायर स्टोरेज के लिए किराए पर दिया गया था, जबकि ऊपरी तीन मंजिलों पर लोग निवास कर रहे थे।

बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे टायर गर्म करने के दौरान उठी चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग लगते ही इमारत में रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। कई लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए अपने घरों से गैस सिलेंडर बाहर निकाल लिए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं, धुएं के कारण पहली मंजिल पर फंसे कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए नीचे छलांग लगा दी, हालांकि गनीमत रही कि इस दौरान कोई घायल नहीं हुआ।

घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसे पुलिस ने समझाइश कर हटाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोदाम में अग्निशमन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और फायर एनओसी भी नहीं ली गई थी।

समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो यह हादसा और भी भयावह रूप ले सकता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। नगर निगम टीम ने भी दुकान संचालक से फायर एनओसी के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है।

संजय मार्केट में बुधवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने टायर गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

- गलियों के कारण फायर ब्रिगेड को राहत कार्य में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए घरों से गैस सिलेंडर बाहर निकाल लिए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।
- धुएं के कारण पहली मंजिल पर फंसे कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए नीचे छलांग लगा दी, गनीमत रही कोई घायल नहीं हुआ।

प्लॉट बेचने के नाम पर 12 लाख रुपए की ठगी

हिस्ट्रीशीटर ज्ञानचंद अग्रवाल पर फिर मामला दर्ज

जयपुर (कासं)। नारायण विहार थाना क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर ज्ञानचंद अग्रवाल के खिलाफ एक और धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। प्लॉट बेचने के नाम पर 12 लाख रुपए हड़पने के आरोप में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच अधिकारी एएसआई राजकुमार के अनुसार गोपालपुरा स्थित अग्रसेन नगर निवासी पवन शर्मा (35) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2005 में उसके माता-पिता ने आरोपी ज्ञानचंद अग्रवाल से नारायण विहार स्थित आवासीय योजना में 200 वर्गगज का प्लॉट 6 हजार रुपए प्रति वर्गगज के हिसाब से खरीदा था। इस सौदे के तहत 2 लाख रुपए चेक से और शेष राशि नकद दी गई थी।

पीड़ित के अनुसार पूरा भुगतान करने के बावजूद आरोपी ने प्लॉट का कब्जा नहीं दिया। जब रकम वापस मांगी गई तो आरोपी ने 12 लाख रुपए लौटाने से इंकार कर दिया और दूसरी स्कीम में प्लॉट देने का झांसा देकर टालता रहा। विरोध करने पर दूसरी योजना में 200 वर्गगज का आवंटन पत्र दिया गया, लेकिन उस प्लॉट का भी कब्जा नहीं दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देने पर आरोपी ने काश्तकारों से विवाद का हवाला देकर कब्जा देने से मना कर दिया। इस मामले में पवन शर्मा ने ज्ञानचंद अग्रवाल के साथ-साथ श्री सालासर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड के संयोजक बदरी शर्मा, कैशियर किशोर कुमार और कार्यालय सहायक लखनलाल अग्रवाल के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ज्ञानचंद अग्रवाल, जो नारायण ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर है, के खिलाफ जयपुर शहर में पहले से 300 से अधिक मामले दर्ज हैं। इसी के चलते करीब दो वर्ष पूर्व उसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई थी। उसके खिलाफ कई मामलों की जांच एसओजी में भी लंबित है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने नारायण ग्रुप के माध्यम से प्लॉट दिलाने के नाम पर कई लोगों से धोखाधड़ी की है। फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की गहन जांच में जुटी हुई है।

- पुलिस के अनुसार आरोपी ज्ञानचंद नारायण ग्रुप प्राइवेट लि. का डायरेक्टर है, उसके खिलाफ जयपुर में पहले से 300 से अधिक मामले दर्ज हैं।

सहकार मसाला मेले की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर (कासं)। सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा जवाहर कला केन्द्र में 17 से 26 अप्रेल तक 'राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026' का आयोजन होगा। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में मेले की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

शासन सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का आयोजन सहकारिता विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह मेला अब जयपुर की विशिष्ट पहचान बन चुका है, जिसका जयपुरवासियों को बेसब्री से इंतजार रहता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले को आगन्तुक ग्राहकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। मेले में फुटफॉल बढ़ाने के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, मेले में ऑर्गेनिक उत्पादों व श्रीअन्न उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने मेले में स्टॉल्स की संख्या में वृद्धि करने के भी निर्देश दिए।

डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि मेले में नवाचारों का भी व्यापक रूप से समावेश किया जाए, जिससे लोगों का मेले के प्रति आकर्षण बढ़े। उन्होंने में मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए देश-प्रदेश से आने वाले प्रतिभागियों के लिए आवास व परिवहन सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेले में प्रतिदिन आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या में राज्य की लोक कलाओं का समावेश करते हुए कार्यक्रमों को अधिक आकर्षक बनाने के भी निर्देश दिए। शासन सचिव ने कहा कि मसाला मेला सहकारी संस्थाओं, महिला समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के व्यवसाय, बिक्री एवं प्रचार के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है। इन संस्थाओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए वर्षपर्यंत प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने पर भी विचार किया जाए। बैठक में मेले के संबंध में गठित विभिन्न कमेटियों के प्रभारी अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने मसाला मेले की तैयारियों पर चर्चा की।

- जवाहर कला केन्द्र में 17 से 26 अप्रेल तक होगा आयोजन

सफाई सेवा मैराथन शुरू करेगा निगम

जयपुर। नगर निगम जयपुर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार लाने के साथ सफाई में बेहतर कार्य करने के लिए योजना बना रहा है। इसी दिशा में निगम शनिवार से विशेष सफाई अभियान चलाएगा। सफाई सेवा मैराथन के आगाज के साथ हर अधिकारी जयपुर को स्वच्छ-सुंदर बनाने के लिए फील्ड में काम करेगा। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर सफाई के प्रति सजगता बरतने के निर्देश दिए। आयुक्त ने निगम अधिकारियों को सफाई कार्यों को लेकर मोटिवेट किया और बैठक में अधिकारियों को सफाई में जयपुर को अव्वल बनाने के लिए बेहतर कार्य योजना बनाने को कहा। निगम आयुक्त ने सफाई सेवा मैराथन को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। निगम आयुक्त ने बैठक में कहा कि हर अधिकारी-कर्मचारी का एक ही लक्ष्य स्वच्छ जयपुर सुंदर जयपुर होना चाहिए। सफाई कार्य को लेकर अब सीएसआई की भी रैंकिंग तय होगी। प्रथम, दूसरे और तीसरे नम्बर पर रहने वाले सीएसआई को स्वच्छता हीरो के सम्मान से नवाजा जाएगा।

रिलायंस ज्वैल्स ने सोने-हीरे के गहनों का कलेक्शन पेश किया

मुंबई। रिलायंस ज्वैल्स ने अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में सोने और हीरे के नए कलेक्शन पेश किए हैं। यह कलेक्शन त्यौहारी खरीदारी को अधिक स्मार्ट और सुलभ बनाने के लिए हैं।

ग्राहकों को सोने के गहनों पर मात्र 9 प्रतिशत मेकिंग चार्ज और हीरे के गहनों के सोने के मूल्य पर 99 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। यानी कि ग्राहकों को सिर्फ हीरों की कीमत चुकानी होगी। यह ऑफ़र 19 अप्रैल तक मान्य रहेगा। अक्षय तृतीया पर सोने और हीरे की बालियों, अंगूठियों, कंगनों और चेन सहित कई तरह के गहनों की विस्तृत श्रृंखला ग्राहकों के लिए पेश की गई है। इस कलेक्शन में स्टड्स, ह्प्स और स्लीक फिंगर रिंग जैसे रोज़मर्रा के पसंदीदा गहनों के साथ-साथ झुमकी, चाँदबाली, स्टेटमेंट नेकलेस और बारीक कारीगरी वाले कंगन जैसी फ़ेस्टिव स्टाइल गहने भी शामिल है। डेली वेयर से लेकर ब्राइडल ज्वेलरी तक के विकल्प ग्राहकों को मिलेंगे।

रिलायंस ज्वैल्स ब्रांड के फ़ेस्टिव कैंपेन में अभिनेता गजराज राव और लापता लेडीज़ की प्रतिभा रांता के बीच एक भावपूर्ण पिता-पुत्री के पल को दर्शाया गया है।

रिलायंस ज्वैल्स के प्रवक्ता ने कहा कि "सोने की कीमतों में चल रहे उतार-चढ़ाव के बीच, उपभोक्ताओं का व्यवहार भी स्पष्ट रूप से बदल रहा है। हमने इसी गहरी समझ के आधार पर अक्षय तृतीया के लिए मूल्य-आधारित कलेक्शन लॉन्च किया है और रिलायंस ज्वेल्स को न केवल इस परंपरा का अभिन्न हिस्सा माना है, बल्कि इसे एक स्मार्ट, पहनने योग्य निवेश के रूप में स्थापित किया है। ग्राहक देशभर के 140 से अधिक शोरूमों तथा ऑनलाइन माध्यम से इस कलेक्शन को देख व खरीद सकेंगे।

- ग्राहकों को सोने के गहनों पर मात्र 9 प्रतिशत मेकिंग चार्ज मिलेगी

सार-समाचार

सहकारी समिति के कार्यालय का लोकार्पण

जयपुर। न्यायालय कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर के नव-निर्मित कार्यालय का लोकार्पण बुधवार को सम्पन्न हुआ। जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीटा तेजपाल, बृजेंद्र कुमार जैन एवं माधवी दिनकर ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल पारीक ने सभी न्यायाधीशों एवं अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में नवीन कुमार किलानिया मुख्य न्यायाधीश मिनिस्ट्री महानगर द्वितीय, सरिता यादव मुख्य नायक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर एवं कार्यवाहक मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरि मोहन मीणा जयपुर महानगर प्रथम सहित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सोमेश शर्मा एवं महासचिव उमेश चौधरी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनका समिति द्वारा सम्मान किया गया। समिति कोषाध्यक्ष किशोर कुमार केवल रामानी, महासचिव पवन कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष शुभा माथुर, संयुक्त सचिव सुमन देवाना, उपाध्यक्ष रामस्वरूप मीणा सहित कार्यकारिणी के समस्त सदस्य अश्विनी भूतिया, मोहित शर्मा, सतीश गुप्ता, किशोर कुमार वर्मा, राम अवतार मीणा, सुनील कुमार शर्मा, वीरेंद्र सोलंकी, कृष्ण गोपाल पूनिया एवं पदम पंडित-की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम की विशेषता रही। कार्यक्रम में बताया गया कि वर्ष 1969 में मात्र 2 मासिक योगदान से प्रारंभ हुई यह संस्था आज लगभग 33 करोड़ के वार्षिक कारोबार तक पहुंच चुकी है। समिति अपने सदस्यों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके जमा धन पर आकर्षक ब्याज दर, वार्षिक डिविडेंड एवं उपहार भी प्रदान करती है। इस अवसर पर न्यायाधीशों द्वारा समिति के शेयर सर्टिफिकेट का वितरण भी किया गया।

शिविर में 42 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर। फ्रीमासन्स लॉज़ जेवियर नं. 459 और गैंग ऑफ फूडीज़ की ओर से बुधवार को संतोकबा दुर्लभजी हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर लगाया गया। जहां कुल 56 रक्तदाताओं ने भाग लिया, जिनमें से 42 लोगों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया गया, जबकि 14 व्यक्तियों का रक्त विभिन्न कारणों से स्वीकार नहीं किया जा सका। इस अवसर पर 10 महिलाओं ने भी सहभागिता दिखाई, जिनमें से वर्णिका अग्रवाल एवं दीपा बोराना का रक्तदान सफलतापूर्वक किया गया, जबकि शेष 8 महिलाओं का रक्तदान अस्वीकृत रहा। आयोजन का संचालन टिम्मी सोनी ने किया गया।

राज्यपाल बागड़े को पुस्तक भेंट

जयपुर। लोकभवन में राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागड़े को प्रेमलता पोखरना द्वारा लिखी गई पुस्तक "अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान" की प्रति भेंट की गई। राज्यपाल ने पुस्तक का अवलोकन कर प्रति पर अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं व हस्ताक्षर कर इसकी सराहना की। भेंट के दौरान राज्यपाल को प्रेमलता पोखरना ने पुस्तक की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राज्यपाल को राजस्थान से महाराष्ट्र के प्राचीन संबंधों से अवगत कराते हुए बताया कि बागड़, बगड़ावत और बागडी आदि राजस्थान में प्रसिद्ध है। दैनिक जलतेदीप और माणक पत्रिका के प्रबंध संपादक दीपक मेहता ने राजस्थानी पत्रिका माणक भेंट करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय में राजस्थानी भाषा और संस्कृति विभाग शुरू करने की मांग की, साथ ही हाल ही में हुए इस सम्बंध में छात्रों के आंदोलन की जानकारी भी दी। इव मौके प्रेमलता पोखरना के साथ, अनिरुद्ध सिंह राठौड, दीपक मेहता, डॉ. यूएस पोखरना, मीनल पोखरना एवं फतेह पोखरना भी मौजूद रहे।

भगत की कोठी ट्रेन में इलेक्ट्रिक इंजन

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा भगत की कोठी-जम्मूतवी-भगत की कोठी रेलसेवा को इलेक्ट्रिक इंजन से संचालित किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 14803/14804, भगत की कोठी-जम्मूतवी-भगत की कोठी रेलसेवा भगत की कोठी से 20 अप्रैलसे एवं जम्मतवी से 21 अप्रैल से इलेक्ट्रिक इंजन से संचालित होगी।

'भारत के राज्य विविधता में एकता की अनूठी संस्कृति'

जयपुर। लोकभवन में बुधवार को हिमाचल प्रदेश, बिहार, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, दादर एवं नगर हवेली तथा दमन दीव का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनसे संवाद किया।

राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन में राज्यों के स्थापना दिवस 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को अनुभूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत के राज्य विविधता में एकता की अनूठी संस्कृति लिए है। उन्होंने हिमाचल को भारत का भाल बताते हुए कहा कि हिमाचल तीर्थ भूमि है और राजनीतिक रूप से भी यह राज्य आरंभ से समृद्ध रहा है।

उन्होंने कहा कि बिहार प्राचीन भारत की संस्कृति से जुड़ा है। यहीं से सम्राट अशोक ने विश्वभर में शांति का संदेश पहुंचाया। यहीं भगवान महावीर का जन्म हुआ, गुरु गोविन्दं सिंह का जन्म हुआ और यह राज्य पाटलीपुत्र के रूप में समृद्ध भारत का सदा से प्रतिनिधित्व करता रहा है। उन्होंने ओडिशा, अरूणाचल, मिजोरम, दादर एवं नगर हवेली और दमन-दीव से जुड़े इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत राज्यों की विशेषताओं से ही विश्व की समृद्ध संस्कृति का राष्ट्र बना है। राज्यपाल ने स्थापना दिवस पर विभिन्न राज्यों के लोगों से संवाद करते हुए उन्हें राजस्थान के विकास में भी अपनी भागीदारी निभाने का आव्हान किया। उन्होंने स्थापना दिवस से संबंधित राज्यों की समृद्ध संस्कृति, वीरता और ऐतिहासिक धरोहर को नमन करते हुए 'विकसित भारत' में सभी की समान भूमिका का भी आव्हान किया। इससे पहले विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए वहां के लोगों ने अपने राज्यों की विशेषताओं और राजस्थान से उनके संबंधों के बारे में विस्तार से बताया।

मानसरोवर-श्याम नगर में हुक्का बार पर छापा

पुलिस ने 3 संचालकों को गिरफ्तार कर 17 लोगों के चालान काटे

जयपुर। गुलाबी नगरी में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार के खिलाफ जयपुर पुलिस ने बुधवार को सख्त कार्रवाई करते हुए मानसरोवर और श्याम नगर थाना क्षेत्रों में तीन स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 3 संचालकों को गिरफ्तार किया गया, जबकि हुक्का पीते पाए गए 17 लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गठित पुलिस टीम ने मानसरोवर स्थित 'इक्का क्लब', 'हॉट हाउस ट्रीट कैफे' और श्याम नगर स्थित 'एलटेरो कैफे 2.0' पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कुल 14 हुक्के, बड़ी मात्रा में तंबाकू फ्लेवर सहित अन्य सामग्री जब्त की गई।

संजीव नैन ने बताया कि मानसरोवर में 'कांसेप्ट आरएनए' कोचिंग संस्थान की चौथी मंजिल पर संचालित 'हॉट हाउस ट्रीट कैफे लाउंज' में खाने-पीने की आड़ में युवाओं को अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस ने मौके से संचालक प्रकाश वासवानी को गिरफ्तार कर 10 हुक्के और तंबाकू फ्लेवर जब्त किए। इसके अलावा न्यू आतिश मार्केट स्थित 'इक्का क्लब' पर कार्रवाई करते हुए मैनेजर हनुमान (निवासी खैरथल) को गिरफ्तार किया गया और वहां से भी हुक्का सामग्री बरामद की गई।

वहीं श्याम नगर थाना पुलिस ने 'एलटेरो कैफे 2.0' पर छापा मारकर संचालक यश कुमार को गिरफ्तार किया। यहां से 4 हुक्के, चिलम, पाइप और नशीले तंबाकू फ्लेवर के डिब्बे बरामद किए गए। मौके पर हुक्का पीते मिले 7 व्यक्तियों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने इस पूरे अभियान के दौरान 3 अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम 2000 और कोटपा अधिनियम 2019 (संशोधित) की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई शुरू की है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि युवाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले अवैध हुक्का बार संचालकों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छह पुलिसकर्मियों को मिला कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवॉर्ड

जयपुर। जयपुर जयपुर कमिश्नरेट में मार्च 2026 माह के लिए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को 'कांस्टेबल ऑफ द मंथ' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने आयोजित समारोह में इन पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि कांस्टेबल राहुल कुमार ने एक मामले में सीडीआर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कांस्टेबल सुनील कुमार (कार्यालय पुलिस उपायुक्त पश्चिम) ने अंतरराज्यीय गैंग के दो इनामी आरोपियों को तकनीकी विश्लेषण के जरिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गिरफ्तार कराने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा कांस्टेबल कमलेश कुमार (जालूपुरा थाना, जिला उत्तर) ने रात्रि गश्त के दौरान गुम हुए 50-60 हजार रुपए से भरे पर्स को खोजकर संबंधित व्यक्ति को लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया, कांस्टेबल अनिल कुमार ने लंबे समय से लंबित 10 स्थायी वारंट और 5 गिरफ्तारी वारंट का सफल निष्पादन किया। साथ ही कांस्टेबल संदीप कुमार ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में कड़ी मेहनत और निष्ठा से कार्य किया और कांस्टेबल राकेश कुमार शर्मा ने विभिन्न प्रमुख आयोजनों-जैसे त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

जयपुर। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती के अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मण्डल कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित ने बाबा साहेब के विचारों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहेब एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे जिन्होंने भारतवर्ष के प्रत्येक जरूरतमंद इंसान के जीवन मे रोशनी देने का काम किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के जोनल महासचिव विनोद मेहता ने बताया कि डॉ भीमराव अंबेडकर दलित पिछड़े वर्ग के साथ साथ सम्पूर्ण भारतीय समाज के लिए जीवन जीने की राह प्रदान करने वाले महामानव थे। बाबा साहेब वो सम्पूर्ण सपना है जिसे हर कोई देखना पसंद करता है। मंडल प्रवक्ता अनिल चौधरी ने बताया कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जो संविदान भारत को दिया है, वो विश्व का सबसे बड़ा, सरल और महत्वपूर्ण संविदान है। मंडल मिडिया प्रभारी महेश शर्मा ने कहा कि बाबा साहेब के संविदान में हर भारतीय को एक उचित अधिकार दिया है।

युवक की बेरहमी से हत्या करने वाले छह बदमाशों को कालवाड़ पुलिस ने दबोचा

गाड़ी पर पटाखा फेंकने से मना करने पर हुआ था विवाद, आरोपियों ने युवक पर कुल्हाड़ी-सरियों से हमला कर मौत के घाट उतार दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कालवाड़ क्षेत्र में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जहां गाड़ी पर पटाखा फेंकने से मना करने पर एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज 24 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी सुलझाकर सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि राजधानी के कालवाड थाना क्षेत्र में पटाखे के विवाद में युवक विनोद पर कुल्हाडी-सरियों से हमला कर उसकी हत्या करने के मामले में जयसिंह (57) पुत्र भैरुलाल धानका, विशाल (30) पुत्र जयसिंह,करण (23) पुत्र मनोज धानका,अर्जुन उर्फ गगन (20) पुत्र मनोज,मोहित उर्फ नंदू (18) पुत्र मनोज और लोकेश उर्फ पवन (20) पुत्र सुनील को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपित छत्रपति शिवाजी नगर कालवाड़ के रहने वाले है।

पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के समय आरोपी गली में पटाखे चला रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वहां खडी विनोद की गाडी पर पटाखा फेंक दिया। विनोद द्वारा विरोध जताने और टोके जाने पर आरोपी भड़क गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से कुल्हाडी, लोहे के सरिए और पाइप से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण विनोद की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान कर उनकी लोकेशन ट्रेस की गई। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले का खुलासा करने में कालवाड थानाधिकारी सुरेश सिंह, उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल धुकल राम, शेरसिंह, जसराज सहित कांस्टेबल मांगीलाल, राजीव, हीरालाल, श्रवण, विरेन्द्र, गोपाल और महिला कांस्टेबल सुनीता की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इस त्वरित कार्रवाई से जयपुर पुलिस की मुस्तैदी एक बार फिर सामने आई है।

- वारदात की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने हाथोंहाथ सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए 6 घंटे में सभी बदमाशों को दबोच लिया

ARBiT
it happens here...

Raising Awareness About Protecting Boys From Sexual Violence

Observed on April 16, Blue Umbrella Day is a global awareness campaign focused on preventing sexual violence against boys and strengthening protection systems for vulnerable children. Launched by the international network Family for Every Child, the initiative highlights the often-overlooked issue of abuse faced by boys and advocates for greater recognition, care and support services. The blue umbrella symbol represents protection, safety and solidarity. The campaign also seeks to challenge harmful gender stereotypes that discourage boys from speaking up, while urging governments and institutions to prioritise child protection and push for formal recognition of the cause at the United Nations.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
16 April 2026
A-B

#CAPE BUFFALO

The "Black Death" of the African Savannah

This isn't just a cow. It's a 900-kg vengeance machine that fights as a family. Strong, intelligent, and relentless, the Cape Buffalo embodies the raw power

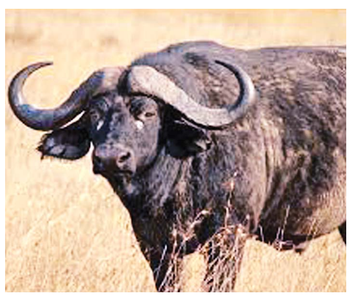

When you think of deadly African animals, lions, leopards, and crocodiles usually come to mind. But the Cape Buffalo, nicknamed the 'Black Death,' has earned a fearsome reputation that rivals even Africa's top predators.

Not Just a Cow

Weighing up to 900 kg, the Cape Buffalo is far more than a grazing herbivore. Its horns fuse into a solid bone shield attached to its skull, turning its head into a natural battering ram. When threatened, the herd doesn't scatter. Instead, it forms a living fortress, a horn-wall that protects the young and even turns predators like lions into prey.

Memory and Revenge

Buffaloes are intelligent and vengeful. If one is wounded, it remembers the threat, and the herd may coordinate ambushes. There's no mercy, no escape for predators or hunters who underestimate them. In fact, statistics show that Cape Buffaloes kill more hunters than any other African animal, earning their fearsome moniker.

Herd Tactics: Nature's Defense Strategy

Cape Buffaloes don't fight alone. Their defense strategy relies on strength in numbers and coordination. By protecting the young at the center and presenting their fused horns outward, the herd creates a nearly impenetrable barrier. Lions and other predators tread carefully because one wrong move can be fatal.

The Ultimate African Vengeance Machine

This isn't just a cow. It's a 900-kg vengeance machine that fights as a family. Strong, intelligent, and relentless, the Cape Buffalo embodies the raw power and strategy of African wildlife.

Roman Empire's King.

English Is Not English

The Anglo-Saxon peasants used words like cow, pig, and deer to refer to the animals they raised, while the French-speaking Normans used beef, pork, and venison to describe the meat from these animals. This division remains in modern English, where many food-related words are of French origin, while the names for the animals themselves are of Anglo-Saxon origin. The introduction of Old French greatly enriched English, adding thousands of Latin-based words to its lexicon.

Vikings.

Owain Glyndwr at Cardiff City Hall.

Verna Mohon

The English language, as we know it today, is a complex and diverse blend of influences from different cultures, languages, and historical events. From its roots in ancient British speech to the modern vocabulary we use, the development of English is a fascinating story of adaptation, conquest, and assimilation. The language has absorbed elements from Latin, Old Norse, Old French, Italian, and even Greek, alongside its Anglo-Saxon heritage. It's an interesting journey of how it became the global language we speak today.

The Beginnings: Old British and the Roman Influence

Over 2,000 years ago, the land that we now call Britain was inhabited by Celtic tribes who spoke what we refer to as Old British, a language of the Celtic family. These early languages are still seen today in Welsh, Irish, and Scottish Gaelic. However, when the Romans invaded Britain in 43 AD, they brought with them their language, Latin, which started to influence the native Celtic dialects, especially in the fields of trade, law, and administration.

While Latin did not replace the Celtic languages in everyday speech, it left a strong imprint on English, especially in words related to governance, military, and the church. For instance, terms like street, camp, military, and emperor have their roots in Latin. The Romans' presence in Britain for almost four centuries laid the groundwork for later linguistic changes, though its influence on the vernacular remained limited mainly to vocabulary.

The Anglo-Saxons: Shaping the Core of English

In the 5th century AD, after the fall of the Roman Empire, the Anglo-Saxons, a group of tribes from what is now Germany, Denmark, and the Netherlands, began to migrate to Britain. They brought their Germanic languages with them, which formed the backbone of Old English. Over the next several centuries, Anglo-Saxon became the dominant language in Britain, pushing the Celtic-speaking Welsh people further west and solidifying its roots in everyday life.

During this period, the English language began to take shape as we know it today. Words related to everyday life, such as man, woman, house, child, mother, and father, came from the Anglo-Saxon Germanic language. Furthermore, place names like Tor, Crag, and many river names (such as Avon, which means 'river') originated from the Anglo-Saxon language, further anchoring the foundation of English in its geographic and cultural landscape.

Celts people.

#A JOURNEY

Geschichte des Kostüms (1905).

Christianity and Latin: The Church's Influence

The conversion of the Anglo-Saxons to Christianity in the 6th century brought about a renewed influence of Latin on the English language. As the church became a center of power and learning, Latin became the official language of worship and scholarship. The arrival of Christianity also introduced Latin terms related to religion, law, and education. Many of these words, such as angel, bishop, altar, and scripture, entered English through religious contexts and remained deeply ingrained in the language.

The Viking Invasions: Old Norse Enters English

In the 8th and 9th centuries, Britain faced invasions from Scandinavian Vikings, who spoke Old Norse, a North Germanic language. The Vikings settled in large parts of England, particularly in the northeast, and their language began to mingle with Old English. This period of linguistic contact brought new words into the English lexicon, particularly in areas such as law, governance, and daily life.

Words like sky, window, and happy are of Old Norse origin, reflecting the significant impact of the Viking settlers on the English language. In fact, the Old Norse influence on Old English was so strong that the two languages began to merge, leading to a more robust vocabulary.

The Norman Conquest: Old French and the Rise of the Nobility

The most transformative event in the history of the English language occurred in 1066 with the Norman Conquest. The Normans, who spoke Old French (which was 70% derived from Latin), defeated the Anglo-Saxons at the Battle of Hastings and established their rule over England. With the Normans in power, Old French became the language of the royal court, the law, and the church, while the Anglo-Saxons continued to speak their Germanic language.

This period led to a clear division in the vocabulary of English. The Anglo-Saxon peasants used words like cow, pig, and deer to refer to the animals they raised, while the French-speaking Normans used beef, pork, and venison to describe the meat from these animals. This division remains in modern English, where many food-related words are of French origin, while the names for the animals themselves are of Anglo-Saxon origin. The introduction of Old French greatly enriched English, adding thousands of Latin-based words to its lexicon.

The Renaissance: Italian and Latin Revive

The Renaissance in the 14th and 15th centuries brought renewed interest in classical Latin and Greek, especially in the fields of science, art, and philosophy. Italian, as the language of the Renaissance and a language influenced by Latin, contributed many new words to English, including terms like tempo, duo, and ballet. Many of these words have their roots in Latin and reflect the artistic and cultural movements of the time. As Latin was widely used by scholars and intellectuals during the Renaissance, English continued to absorb Latin-based vocabulary, particularly in academic and scientific contexts. Words like camouflage and chic were introduced into English from French during this period, further enriching the language's connection to Latin and French.

The Scientific Revolution: Greek and Latin

With the rise of scientific thought and inquiry in the 17th century, Latin and Greek became the dominant languages for scholarly and scientific discourse. Many scientific terms, such as telephone, vaccine, and aquarium, are derived from Latin and Greek roots. The use of Latin as the language of science helped standardize terminology, and these words became essential to the development of modern English.

The British Empire: Borrowing from the World

As the British Empire expanded in the 18th and 19th centuries, English came into contact with numerous other languages. Words like shampoo, avatar, and pyjamas entered English from languages like Hindi and Urdu, reflecting the global influence of British colonialism. The Empire's reach brought a wealth of new vocabulary, incorporating terms for foods, customs, and ideas from across the world.

Modern English: A Global Language

What we call Modern English today is the result of over 1,000 years of blending, borrowing, and adaptation. Its vocabulary is a rich mixture of Anglo-Saxon, Latin, Old Norse, Old French, Greek, Italian, and countless other languages. This remarkable history of linguistic evolution has turned English into a global language, spoken by millions around the world. From the ancient Anglo-Saxon roots to the modern borrowings from languages as diverse as Hindi, French, and Italian, English continues to evolve, embracing influences from all corners of the world.

rajeshsharma1049@gmail.com

Anglo-Saxon Warriors.

#MUSE

The Great Drama

Indian vs. Western Theatre - A Human Drama, the other is a living art

Imagine the stage as a vast, cosmic battlefield. On one side, we have the majestic Indian theatre, where the actors dance with the gods, and the universe itself seems to hold its breath. On the other, we have the gritty, personal dramas of Western theatre, where human emotions spill over like a well-poured glass of wine, and usually, someone's going to end up regretting it. Let's take a fun stroll through these two theatrical worlds, where divine destinies meet earthly desires, and the curtain rises on stories that speak to the very soul of humanity.

The Big Picture vs. The Selfie

In the grand world of Indian theatre, the stakes are nothing short of cosmic. Picture it: epic battles between gods, humans, and mythical beasts, all playing out against the vast backdrop of the universe. Characters aren't just struggling with petty personal issues, they're caught in the eternal cycle of karma and dharma. They're figuring out how to be good while also juggling everything from divine duties to the occasional epic love affair. This is no small thing. The stakes? Universal harmony. Characters might lose the battle, but they're still working for the greater balance of the cosmos. It's like every play is a cosmic yoga session for the soul.

Meanwhile, in the Western theatre, the focus shifts sharply to you, yes, you, the individual. Forget universal balance, this is about your existential crisis, your broken heart, your thirst for revenge. Enter Hamlet, who spends three hours on stage wondering whether to kill his uncle or just have a good cry about it. In Greek theatre, Medea's not contemplating divine law, she's plotting murder because her husband cheated on her. Human drama, the kind that keeps you awake at 2 A.M. thinking about your own mistakes. It's not cosmic, it's personal. If anyone's seeking redemption, it's you. The stakes? Your soul, or at least, your peace of mind.

Sacred Rituals vs. Real Life Meltdowns

Now, let's talk about how these worlds look when the lights go up. Indian theatre is like stepping into an ancient ritual, but with a whole lot of style. It's not just acting, it's living art. The performers aren't just on stage; they're weaving stories through dance, music, and symbolism. Every gesture is loaded with meaning, and every piece of fabric twirls with divine intent. If you've ever watched Kathakali, it's like watching gods themselves rehearse for an intergalactic concert. It's fancy, it's ethereal, and most of all, it's spiritual. You don't just watch; you feel the universe unfolding in front of you. Now, in Western theatre, it's all about the real world, no frills. The stage might have a few dramatic curtains, but it's the real emotions that steal the show. These aren't gods with perfect abs, they're people, sweaty and frazzled, dealing with the mess of life. From Shakespeare's characters who seem perpetually on the edge of a mental breakdown to Chekhov's quiet suburban crises, the drama unfolds in the mundane. There's a stage, a few props, and a lot of angst. It's all about showing the ugly, beautiful complexity of being human, whether it's a tragic breakup or just figuring out how to live with yourself.

The Final Bow

So, what's the verdict? Indian theatre takes you on a cosmic ride through the heavens and earth, reminding you that everything is interconnected and, yes, you're probably just a speck in the grand scheme of things. But it's a speck that's part of something beautiful, and that's a pretty sweet thought. On the other hand, Western theatre dives deep into the trenches of human nature, pulling out all the messy, complicated emotions that make us who we are. If you want to feel something real, something raw, you go there.

THE WALL

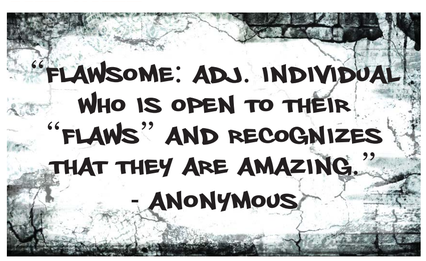

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

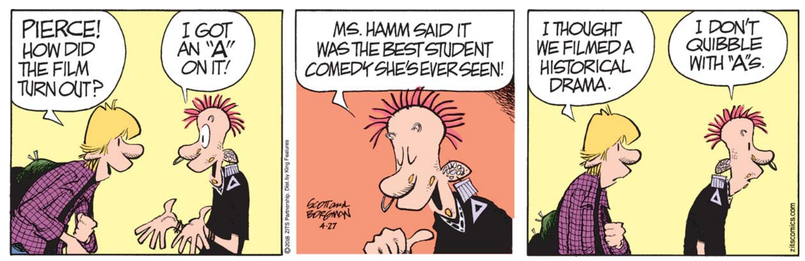

दूध कारोबारी वृद्ध पर जानलेवा हमले का खुलासा

उदयपुर,(कासं)। जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र के वणी में 2 अप्रैल रात 8.30 बजे हुए जानलेवा हमले के मामले में गोगुंदा पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश कर दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर गिर्वा डीवाईएसपी गोपाल चंदेल के नेतृत्व में थानाधिकारी श्याम सिंह चारण की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल पर हुआ हमला आपसी रंजिश का परिणाम है। दूध के व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा के चलते वणी निवासी लक्ष्मण सिंह पिता नाहर सिंह निवासी वणी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को रास्ते से हटाने के लिए एक लाख रुपए की सुपारी दी थी।यह सुपारी मनोहर सिंह पिता गणेश सिंह निवासी वणी (हाल निवासी मुंबई) को दी गई,जिसने करीब एक माह पूर्व जेल से छूटे दो शातिर बदमाशों को वारदात के लिए तैयार किया। 2 अप्रैल को शाम करीब 8.30 बजे सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल(65) वणी गांव से दूध ले कर बाइक से गोंगुदा लौट रहे थे।वणी कट स्थित आशापुरा होटल के पास सुनसान रास्ते पर तीन बाइक सवार युवक आए। तीनों नकाबपोश थे। जिन्होंने शंकरलाल पर चाकू से ताबड़तोड़ पांच वार किए। एक चाकू उनके पीङ्क में धंसा रह गया। आरोपी उन्हें मृत समझकर फरार हो गए थे। बाद में राहगीरों की मदद से शंकरलाल को हॉस्पिटल पहुंचाया गया मामले की जांच के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले,जिसमें एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध करीब 3 घंटे तक क्षेत्र में रेकी करते नजर आए। इसके आधार पर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और हुलिए के आधार पर मुख्य आरोपी लक्ष्मण सिंह निवासी वणी तथा हमलावर टीकम उर्फ टिक्सा पुत्र मोहनलाल गमेती निवासी रामा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। मामले में मनोहर सिंह,मनीष पुत्र कालू गमेती निवासी रामा थाना सुखेर तथा विरेंद्र सिंह उर्फ विजू निवासी खंडावली उषाण थाना खमनोर फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

- दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर मिनी सचिवालय में घुसे लोग

अलवर। अलवर में अग्रसेन पुलिया के पास गोवंश के अवशेष मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और सर्व हिंदू समाज की ओर से मौन जुलूस निकाला गया।

प्रदर्शनकारी प्रताप ऑडिटोरियम से सचिवालय गेट पर पहुंचे। उसके बाद वहां पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर आगे निकल गए। पुलिसकर्मी देखते रह गए। इस दौरान पुलिस ने बार-बार भीड़ को रोका लेकिन तीन थानों की पुलिस और जाप्ते को धक्का देकर लोग कलेक्ट्रेट के गेट पर बैठ गए।

मौके पर कोतवाली, अरावली विहार सहित तीन थानों की पुलिस थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों को मिनी सचिवालय के मुख्य गेट पर नहीं रोक सकी। कुछ देर बाद एसपी सुधीर चौधरी भी मिनी सचिवालय पहुंच गए। विहिप के प्रांत सह-प्रमुख प्रेम राजावत ने मिनी सचिवालय में कहा कि पुलिस प्रशासन तस्करों से मंथली लेता है। इसलिए उनको बचाने का प्रयास हो रहा। लेकिन हम आगे अलवर बंद कराएंगे। पीछे हटने वाले नहीं हैं। इसके बाद एडीएम योगेश डागुर को ज्ञापन दिया गया। विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने प्रशासन को मुख्य गेट पर बुलाने का आग्रह किया। लेकिन तहसीलदार के आने के बाद विहिप के कार्यकर्ता भड़क गए। उन्होंने तहसीलदार को वापस भेज दिया। उसके बाद धक्कामुक्की कर अंदर आ गए। विहिप का कहना है कि वह प्रशासन की जांच और कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, जबकि पुलिस इस मामले में दो बार खुलासा कर चुकी है। मंगलवार देर रात जारी प्रेस नोट में एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जांच में सामने आया कि अवशेष वहां पहले से मौजूद नहीं थे, बल्कि कुत्तों द्वारा खींचकर लाए गए थे। हालांकि वे कहां से लाए गए, इसकी जांच अभी जारी है। इसके अलावा एफएसएल और मेडिकल रिपोर्ट में भी स्पष्ट हुआ है कि गौवंश के अवशेष किसी धारदार हथियार या नुकीली वस्तु से नहीं काटे गए हैं। इससे यह संकेत मिला कि मांस के टुकड़े कुत्तों द्वारा ही लाए गए थे।

वहीं विहिप के प्रांत सह-प्रमुख प्रेम सिंह राजावत ने कहा कि संगठन पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं है।

अलवर में अग्रसेन पुलिया के पास गोवंश के अवशेष मिलने के मामले ने तूल पकड़ा।

- विहिप का कहना है कि वह प्रशासन की जांच और कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है

राशन बांटने में 7 लाख रुपये का घपले का आरोप

जोधपुर, (कासं)। राशन प्रणाली में आमजन को उनके हिस्सें का गेहूं समय पर नहीं मिल पा रहा है। राशन की दुकानें चलाने वाले कुछ दुकानदार घोटालें कर रहे है। कुछ दिनों पहले लूणी तहसील के कुछ दुकानदारों पर गेंहू गबन का आरोप लगा था। अब उत्तर नगर निगम में वार्ड नंबर 60 के एक राशन विक्रेता की कारगुजारी पोष मशीन में पता लगी है। पोष मशीन से सात लाख का घोटाला उजागर हुआ है। इस बारे में डीएसओ के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहठ की तरफ से महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी गई है। गांधीपुरा स्थित एक राशन की दुकान के संचालक के खिलाफ गेहूं वितरण में धांधली करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत महामंदिर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। घटना को लेकर जिला रसद कार्यालय जोधपुर के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहठ ने जिला रसद अधिकारी के अभियोजन आदेश पर गांधीपुरा वार्ड 60 उत्तर स्थित उपभोक्ता सहकारी भंडार के संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

रिपोर्ट के अनुसार 2022 में गांधीपुरा क्षेत्र के राशन कार्डधारकों को चार महीने से गेहूं नहीं मिलने की शिकायत सामने आई थी। इस पर तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी नीलकमल माथुर ने मामले की जांच की। इस जांच रिपोर्ट में गेहूं बांटने में गंभीर लापरवाही और अनियमितताएं उजागर हुई थीं। लाइसेंस सस्पेंड करने के बाद हुई रद्द की कार्रवाई की गई थी। प्रवर्तन अधिकारी की रिपोर्ट में उपभोक्ता सहकारी भंडार (पोस कोड 20019) के खिलाफ राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का नियमन) के नियमों का उल्लंघन पाया गया। इस पर जिला रसद अधिकारी कार्यालय ने विभागीय प्रकरण दर्ज कर 29 मार्च 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसी दिन एक आदेश जारी करते हुए उचित मूल्य दुकानदार का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया था। 6.95 लाख की वसूली नहीं भरने पर कानूनी शिकंजा विभागीय जांच के बाद 12 जून 2025 को मामले में अंतिम निर्णय लिया गया, जिसमें उस दुकान का लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया गया। विभागीय आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया।

- प्रवर्तन निरीक्षक ने म थाने में रिपोर्ट दी

अवैध हथियार बनाने वाला 70 साल का आरोपी पकड़ा

अलवर। मालाखेड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और रिपेयरिंग करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा 315 बोर, 14 जिंदा कारतूस और 2 खाली कारतूस सहित हथियार बनाने का भारी मात्रा में सामान बरामद किया है।

पुलिस एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि जिले में अवैध हथियारों के इस्तेमाल को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी के सुपरविजन में और मालाखेड़ा थाना अधिकारी हरदयाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की 14 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि महाराजपुरा निवासी रूस्तम पुत्र टुण्डल मेव अवैध रूप से हथियार बनाने और उनकी मरम्मत करने का काम करता है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी के घर की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पुलिस को 2 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा 315 बोर, 14 जिंदा कारतूस, 2 खाली कारतूस के साथ-साथ हथियार बनाने के उपकरण भी मिले। इनमें बंदूक की नाल, स्प्रिंग, ट्रिगर, छर्रे, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, हथौड़ी, आरी, छेनी सहित भट्टी और अन्य उपकरण शामिल हैं।

चलती कार बनी आग का गोला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर जाजीवाल कला के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। कार के बोनट से धुआं निकलता देख ड्राइवर और उनके रिश्तेदार ने सूझबूझ दिखाई। गाड़ी रोककर तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई। बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग के अनुसार खेड़ी निवासी राजू जाखड़ अपनी महिंद्रा डीजल कार से भोपालगढ़ हाईवे पर जा रहे थे। रेलवे फाटक से करीब आधा किलोमीटर दूर जाजीवाल कला के पास अचानक कार के बोनट से धुआं उठने लगा। इस पर चालक ने तुरंत कार को सड़क किनारे खड़ा किया और अपने साथी के साथ नीचे उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उनके उतरते ही कार धूं-धूं कर जलने लगी। पुलिस को दोपहर करीब डेढ़ बजे कार में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही बनाड़ थाने की चेतक टीम मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी घटनास्थल पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा और भीतरी केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में आग का कारण शॉर्ट सर्किट होना सामने आया है। कार महिंद्रा कंपनी की डीजल वेरिएंट थी।

- कार का अगला हिस्सा और भीतरी केबिन पूरी तरह जलकर खाक
- पुलिस को सूचना मिलते ही बनाड़ थाने की चेतक टीम मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ले आग पर काबू पाया

सड़क हादसे में एक की मौत

पावटा। क्षेत्र में बावड़ी रिलायंस पेट्रोल पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां पिकअप वाहन और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो युवक विकास कुमार जांगिड व महेंद्र कुमार दोनों मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे झीडा वाले बालाजी के दर्शनों के लिए जा रहे थे। तभी बावड़ी रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप से उनकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और एक युवक विकास कुमार जांगिड उम्र 36 साल निवासी श्याम कॉलोनी पावटा ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया व महेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे उपचार के लिए जयपुर रेफर कर दिया।

ऑटो में सवार वृद्धा के जेवर चोरी

उदयपुर,। ऑटों में सवार वृद्धा के हाथ से चोर सोने की चूड़ी निकाल ले गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू विद्यानगर हिरणमगरी सेक्टर 4 निवासी कपील पुत्र सुरेश चन्द्र सनाढच ने सूरजपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मेरी मां शांतिदेवी (75) 13 अप्रेल को ऑटों में बेठ कर सेक्टर 4 से ऑटों में बैठ कर बाजर जाने के लिए निकली तथा टाउन हाल के समीप उतरी।

इस दौरान अज्ञात चोर मेरी मां के दाहिने हाथ से एक सोने की चूडि निकाल चुरा ले गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

तेरह साल बाद अहमदाबाद से पकड़ा दुष्कर्म का आरोपी

उदयपुर, (का.स.)। उदयपुर की फलासिया थाना पुलिस ने नाबालिग से रेप के मामले में 13 साल से फरार चल रहे आरोपी को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने भेष बदलकर तीन दिन तक गुजरात के नवापुरा, मेहसाणा, ऊंझा, सिद्धपुर में जाकर आरोपी का पता लगाया।पुलिस टीम कभी बिजली मीटर रीडर बनकर,कभी गैस और दूध सप्लायर तो कभी पटवारी बनकर गांव.गांव पहुंची थी। इसके बाद अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि साल 2013 से पॉक्सो एक्ट मामले में फरार वारंटी रमेश भाई उर्फ झालावाड़ी रेबाड़ी पुत्र महादेव भाई निवासी उनावा, मेहसाना को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।नाबालिग उदयपुर की रहने वाली है जबकि आरोपी गुजरात के मेहसाना का है। दलाल नाबालिग को काम दिलाने के बहाने गुजरात लेकर गया था और उसे आरोपी रमेश को बेच दिया था।

इसके बाद जैसे.तैसे नाबालिग उसके चंगुल से छूटकर अपने गांव आ गई थी और परिवार को आपबीती बताई।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसपी अमृता दुहन के निर्देशन में आरोपी को पकड़ने वाली टीम में एएसआई कालूलाल,हेड कॉन्स्टेबल मुकेश कुमार,कॉन्स्टेबल बंशीलाल और विक्रम की मुख्य भूमिका रही।

- नाबालिग को दलाल से खरीदा था, मीटर रीडर तो कभी दूध.गैस सप्लायर बनकर आरोपी को तलाशा पुलिस ने

कारागार में मोबाइल व दो सिम मिली

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिला है। वार्ड संख्या 11 में बाथरूम के पीछे कचरें के ढेर में एक मोबाइल और दो सिमकार्ड मिले है। जेल प्रशासन की तरफ से अज्ञात बंदी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि केंद्रीय कारागार उपाधीक्षक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि मंगलवार को जेल में मंगलवार को सर्च किया जा रहा था। तब वार्ड नंबर 11 स्थित एक शौचालय के पीछे कचरें के ढेर में मोबाइल और दो सिम कार्ड मिले। संभवत : किसी बंदी या कैदी ने उसे डाला होगा।

पिंजरे में कैद हुआ खूंखार पैंथर, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अजमेर, (निसं)। भिनाय क्षेत्र में पिछले दो दिनों से दहशत का कारण बने पैंथर को वन विभाग ने मंगलवार देर रात सफल ऑपरेशन के तहत पिंजरे में कैद कर लिया। लगातार शिकार की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के अनुसार, भिनाय कस्बे के रेण गेट के बाहर उदयगढ़ खेड़ा रोड स्थित लाल सिंह गोहिल के बाड़े में घुसकर पैंथर ने तीन बकरियों को मार डाला था। इसके बाद पूरे इलाके में भय का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साईमाला पहाड़ के नीचे एनिकट के पास करीब 150 किलो वजनी ऑटोमेटिक लोहे का पिंजरा लगाया।

पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरे में एक जीवित बकरे के बच्चे को रखा गया। देर रात शिकार की तलाश में निकला पैंथर जैसे ही पिंजरे में घुसा, ऑटोमेटिक गेट बंद हो गया और वह कैद हो गया। सुबह यह खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इस ऑपरेशन का नेतृत्व वनपाल निर्मल शर्मा ने किया। टीम में वन रक्षक विमला चौधरी और सुरेश राव शामिल रहे। ग्रामीणों ने टीम की सक्रियता और तत्परता की सराहना की।

वन विभाग के अनुसार पकड़ा गया पैंथर करीब 3 वर्ष का है और उसकी लंबाई लगभग 9 फीट है। उसे पिंजरे सहित पिकअप वाहन से नसीराबाद स्थित क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय ले जाया गया, जहां मेडिकल जांच के बाद सुरक्षित जंगल में छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

- उदयगढ़ खेड़ा रोड स्थित लाल सिंह गोहिल के बाड़े में घुसकर पैंथर ने तीन बकरियों को मार डाला था।

साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी

नसीराबाद । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के तहत तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के आदेशानुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोहरवाड़ा में बुधवार को एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह संदेश देना रहा कि अब हर विद्यार्थी की पहुंच न्याय तक सीधे और आसानी से संभव है, और जरूरत पड़ने पर वे बिना डर, बिना शुल्क और बिना किसी परेशानी के कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

महिला ग्राम विकास अधिकारी 10 हजार 400 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए झालावाड़ जिले की ग्राम पंचायत मऊ बोरदा पंचायत समिति खानपुर में कार्यरत महिला ग्राम विकास अधिकारी रजनी मीणा को 10 हजार 400 रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। गुप्ता ने बताया कि झालावाड़ चौकी की टीम ने बुधवार को यह ट्रैप कार्रवाई अंजाम दी। कार्रवाई को कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रेरणा शेखावत के नेतृत्व में किया गया। गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने 10 अप्रैल 2026 को शिकायत दी थी कि वह महूमहल खीची दरबार सेवा समिति की सदस्य है। संस्था द्वारा 16 फरवरी 2026 को धानोद खुर्द, पंचायत बोरदा मऊ (खानपुर में 26-27 जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया था। जिसका पूरा खर्च संस्था व जन सहयोग से वहन किया गया। विवाह के बाद प्रमाण पत्र जारी कराने की प्रक्रिया के लिए जब परिवादी ग्राम विकास अधिकारी के पास गई तो आरोपी ने प्रति प्रमाण पत्र 500 रुपए की मांग की। बाद में सौदेबाजी के दौरान प्रति जोडा 400 रुपए तय किए गए और कुल 26 जोड़ों के प्रमाण पत्र के लिए 10 हजार 400 रुपए रिश्वत की मांग की गई। शिकायत मिलने पर एसीबी ने गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद 15 अप्रैल को जाल बिछाकर आरोपी को कार्यालय में परिवादी से 10 हजार 400 रुपए लेते पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा उसके आवास की तलाशी भी जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से जिले में प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

- कार्रवाई को कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में अंजाम दिया

अपना घर आश्रम में 12 साल बाद मां-बेटी का भावुक मिलन

भरतपुर (निस)। अपना घर आश्रम, भरतपुर में बुधवार को एक बेहद भावुक और हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला, जबएक मां का अपनी बेटी और दामाद से करीब 12 वर्षों बाद मिलन हुआ। यह वह मां थीं, जिन्हें परिवार ने समय के साथ लगभग खो दिया था और मान लिया था कि अब वे इस दुनिया में नहीं रहीं। यह कहानी है पुनीता की, जो लगभग 12 वर्ष पूर्व मानसिक अवसाद के चलते घर से निकल गई थीं। उस समय उनकी दोनों बेटियां महज 7 और 8 वर्ष की थीं। परिवार ने उन्हें तलाशने के लिए हर संभव प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

समय बीतता गया, हालात बदले और इस दौरान परिवार के मुखिया का भी देहांत हो गया। बेटियों का पालन-पोषण चाचा-चाची ने किया और बाद में उनका विवाह भी कर दिया गया। 19 नवम्बर 2021 को पुनीता को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से रेस्क्यू कर अपना घर आश्रम, भरतपुर लाया गया, जहां उन्हें सेवा, उपचार और पुनर्वास की सुविधा दी गई। लगातार देखभाल और इलाज के बाद उनकी मानसिक स्थिति में सुधार हुआ। स्वस्थ होने पर उन्होंने अपना पता गांव महिसार, जिला दरभंगा (बिहार) बताया। आश्रम की पुनर्वास टीम ने तत्परता दिखाते हुए उनके परिवार से संपर्क स्थापित किया। सूचना मिलने पर उनकी बहन फूलो देवी, बेटी राधा, दामाद शिवम और नातिन आश्रम पहुंचे। वर्षों के लंबे अंतराल और समय के बदलाव के कारण शुरुआत में कोई एक-दूसरे को पहचान नहीं सका, लेकिन जैसे ही परिचय कराया गया, माहौल भावनाओं से भर उठा। बेटी की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े और मां-बेटी एक-दूसरे से लिपट गईं। पुनीता को इस बात का गहरा अफसोस है कि वे अपनी दोनों बेटियों का कन्यादान नहीं कर सकीं, लेकिन अब अपने पूरे परिवार से मिलकर वे बेहद खुश हैं। दोनों बेटियां अब अपने-अपने परिवार में खुशहाल जीवन जी रही हैं। यह मार्मिक मिलन इस बात का प्रतीक है कि परिवार का कोई विकल्प नहीं होता। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों और समय कितना भी बीत जाए, अपनों से पुनर्मिलन का सुख अनमोल होता है। आश्रम प्रशासन ने आवश्यक पहचान दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर पुनीता को उनके परिजनों के साथ दरभंगा (बिहार) के लिए रवाना कर दिया।

अपना घर आश्रम, भरतपुर में एक मां का अपनी बेटी और दामाद से करीब 12 वर्षों बाद मिलन हुआ।

- यह मार्मिक मिलन इस बात का प्रतीक है कि परिवार का कोई विकल्प नहीं होता। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों और समय कितना भी बीत जाए, अपनों से पुनर्मिलन का सुख अनमोल होता है। आश्रम प्रशासन ने आवश्यक पहचान दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर पुनीता को उनके परिजनों के साथ दरभंगा (बिहार) के लिए रवाना कर दिया।

पांच बदमाश पकड़े

उदयपुर,। शहर के सविना थाना पुलिस ने हाइवे पर लूट की योजना बनाने के मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चाकू,तलवार, मीचीं पाउडर लठठ बरामद किया। बदमाशों ने शहर में चेन स्नेचिंग की वारदात करना कबूल किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी गजवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने गश्त के दौरान मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर बिलीया में हाईवे के पास चार जवाब लड़के हाथ में तलवार व लठ्ठ लेकर बैठे है तथा कोई अपराधिक वारदात करने की फिराक में है। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर निर्माणाधीन दुकान में दबीश देकर हाइवे पर लूट की योजना बनाते नरेन्द्र ,मुकेश सूरजपोल हॉल अम्बामाता घाटी बोरीवाला गोदाम के सामने सविना, आकाश पुत्र हेमराज निवासी चुंगीाका कच्ची बस्ती हॉल बजीचा स्कूल के सामने गोवर्धन विलास,उमेश उर्फ गुड्डू पुत्र डूंगालाल निवासी गली नं. 7 रेती स्टेण्ड, मयंक उर्फ गोलु पुत्र कैलाशचन्द्र निवासी दो बटा नाले के पास लेक गार्डन चुंगीनाका गोवर्धन विलास को गिरफ्तार किया।

बिजयनगर में चोरों का आंतक

तेजाजी के मंदिर मे रखे दान पात्र को चोर ले गये।

बिजयनगर, (निसं)। तेजा चौक स्थित तेजाजी की थान के बाहर रखे दान पत्र को निशाना बनाते हुए दान पात्र में रखी नगदी को चुरा कर ले गए। शहर में बढ़ रही चोरी की वारदातों के क्रम में विगत दिनों सब्जी मंडी स्थित बालाजी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों मेंअज्ञात चोरों नेचोरी की वारदात कोअंजाम दिया ।शहर के धार्मिक स्थलों को चोरों के द्वारा निशाना बनाया जा रहा है नागरिकों में भय का माहौल है ।शहर में अपराध बढ़ रहे हैं उन्हे रोकने में पुलिस नाकामयाब साबित हो रही है पुलिस थाना क्षेत्र मेंअपराधियों के हौसले बुलंद है वही नागरिकों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है ।शहर में आये दिन धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।

प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से चोरोके हौसले बुलंद हैं । तेजा चौक मंदिर कमेटी में चोरी की घटना को लेकर आक्रोश जताया।

संक्षिप्त

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

टोंक। जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के लिए जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रषिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को शस्य कृषि प्रषिक्षण केन्द्र कृषि विभाग परिसर बम्बोर गेट, टोंक मे हुआ। इस प्रथम चरण के प्रषिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 अप्रैल तक 2 चरणों में किया जा रहा है। प्रषिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को त्रुटिरहित एवं गुणवतापूर्ण ढंग से संपन्न कराने, जनगणना कार्य को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए पूरी गंभीरता, पारदर्षिता एवं सटीकता के साथ डेटा संकलन के संबंध में फील्ड ट्रेनर्स को प्रषिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर्स चन्द्रषेखर मीना, सहायक आचार्य आयुषी शर्मा, जिला समन्वयक द्वारा 28 फील्ड ट्रेनर्स को प्रषिक्षण दिया गया। प्रषिक्षण में उप जिला जनगणना अधिकारी एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेषक राजेन्द्र सिंह शेखावत, सहायक सांख्यिकी अधिकारी राजेन्द्र सैनी, सांख्यिकी निरीक्षक कमलेष बैरवा एवं राजेष कुमार बैरवा समेत फील्ड ट्रेनर्स मौजूद रहें।

पोस्टर का विमोचन

कोटपूतली। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह द्वारा राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को ऑपरशन एंटी-वेनम 2.0 पोस्टर का विमोचन किया गया। जागरूकता पोस्टर का विमोचन समाज को नशीली दवाओं के सेवन (ड्रग एब्यूज) की गंभीर समस्या से बचाने और युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। एसपी ने कहा कि नशा ना केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि यह परिवारों को तोड़ता है और युवा पीढ़ी के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है। नशा मुक्त अभियान का उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से नशा पीड़ितों को मुख्यधारा में वापस लाना व जिले को नशा मुक्त करना हमारा प्रयास है। इस हेतु जिले के प्रत्येक थाने में एक ग्राम पंचायत को नशा मुक्त घोषित करने हेतु थाना टीम प्रयासरत है। इस दौरान एएसपी नाजिम अली खान, पुलिस निरीक्षक विक्रांत शर्मा, उप पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार समेत अनेक पुलिसकर्मी मौजूद रहें।

बैठक कल

निवाई। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आयोजित आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सुबह 11 बजे अखिल हरियाणा गौड़ ब्राह्मण छात्रावास में राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित होगी। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद ने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शंभूलाल कुईवाले, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान रामनारायण काजला, सह कोषाध्यक्ष गोपाल, बंशी बोहरा, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश मावा वाले, युवा कार्यकारी अध्यक्ष सुनिल शर्मा सहित टोंक महासभा के जिला इकाईयों के अध्यक्ष, सदस्यगण व भामाशाह भाग लेंगे।

हनुमान जी का पाटोत्सव मनाया

निवाई। भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में हनुमान जी महाराज का द्वितीय पाटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पाटोत्सव को लेकर श्री रामचरित मानस के पठन हुए। इसके बाद कैलाशचंद जांगिड़ आकोडिय़ा के सानिध्य में विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार से हवन कुंड में आहुतियां दी। इसके बाद बालाजी महाराज की सामूहिक आरती की गई, जिसमें समाज के लोग उमड़ पड़े। इस दौरान सामुहिक प्रसादी का भी आयोजन किया गया। पाटोत्सव के आयोजन में लल्लूलाल सेदरिया व जगदीश आकोडिय़ा सहित कई श्रद्धालू मौजूद रहे।

बैठक आज

निवाई। श्री बद्री नाथ धाम में श्री बद्री नाथ धाम प्रबंध एवं विकास समिति ट्रस्ट नटवाड़ा के तत्वावधान में 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारियों को लेकर 16 अप्रैल को दोपहर 2 बजे मंदिर में समिति की बैठक आयोजित होगी।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

‘सरकारी कार्यालयों में 15 दिवस में रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनवाने का लक्ष्य’

- बजट घोषणाओं की प्रगति के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक। बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति के लिए भूमि आवंटन सहित अन्य प्रक्रियाओं को गति देने पर दिया जोर

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक ली।

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक लेकर कार्यों की फेज वार टाइमलाइन निर्धारित कर कार्य करने, कार्यों की फील्ड विजिट और उनकी गुणवत्ता की कड़ी निगरानी करने निर्देश दिए। साथ ही आगामी 15 दिनों में सभी सरकारी कार्यालयों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर बनाने के दिशा-निर्देश भी दिए।

जिला कलक्टर ने जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विभागवार विस्तृत समीक्षा कर निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्वित्ति अंतर विभागीय समन्वय स्थापित कर इन्हें धरातल पर उतारना सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को इनका यथाशीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन बजट घोषणाओं में भूमि आवंटन हो चुका है उनके कार्यों में प्रगति लावे।

उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि जिन बजट घोषणाओं में टैण्डर एवं वर्क ऑर्डर आदि की प्रक्रिया बाकी है उसे यथाशीघ्र पूर्ण कर कार्य शीघ्र प्रारम्भ करावे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि अलवर जिले के लिए की गई बजट घोषणाओं के साथ-साथ ऐसी बजट घोषणाएं जो सम्पूर्ण राज्य के लिए है, उन घोषणाओं को भी मूर्त रूप देने हेतु आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की महती आवश्यकता है। इसलिए बूंद-बूंद जल के संरक्षण हेतु जिला स्तरीय अधिकारी जिले के सभी 3 हजार से अधिक सरकारी कार्यालयों में विभागीय फण्ड, सीएसआर व जनसहभागिता से आगामी 15 दिवस के अन्दर रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर बनवाना सुनिश्चित करें तथा भवनो में पूर्व में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बने हुए उनकी साफ-सफाई एवं मरम्मत आदि करावें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता हेतु जल संसाधन विभाग का सहयोग लेवे। बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, यूआईटी के उप सचिव जितेन्द्र सिंह नरूका, पीएचईडी के अधीक्षण अभियन्ता, रमेश चंद सैनी, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, जेवीएनएल के अधीक्षण अभियन्ता आर.एस बंसल, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीणा, रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक परेश सक्सेना, उद्यान विभाग के उप निदेशक के.एल मीणा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गुन्सी से लुहारा सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त

निवाई। गांव गुन्सी से लुहारा जाने वाला सडक मार्ग पूर्णतया क्षितग्रस्त हो गया है। जिससे आने-जाने वाले राहगीरों व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण महेन्द्र सिंह, दयाराम, नाथूलाल व गिर्राज सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि गुन्सी से लुहारा जाने वाले सडक मार्ग में गहरे-गहरे गढढे हो गए है। जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि इन दिनों किसान वाहनों से उक्त रास्ते से फसलों को निवाई व चाकसू मण्डी में बेचने जा रहे है।

वाहन चालकों को जिंसों से भरें अपने ओवरलोड वाहनों को उक्त गहरे गढढों में से ले जाना पड़ रहा है। गढढों की वजह से वाहनों के पहिए के एक्सल टूट जाते और वाहन पलट जाते है।

जिससे कई दुर्घटना भी हो रही है। उन्होंने बताया कि क्षितग्रस्त सडक़ मार्ग की मरम्मत करवाने के लिए कई बार सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सूचना दे दी है।

‘विकास प्लान का रोडमेप तैयार करें’

टोंक। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने कहा कि विकसित ग्राम/शहरी वार्ड अभियान में स्थानीय लोगों से संवाद कर सुझाव लेते लघु, मध्यम एवं लम्बी अवधि के विकास प्लान का रोडमेप तैयार करें। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के तहत डिजिटल मैपिग कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। डीओआईटी के वीसी रुम में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ अभियान की ब्लॉकवार समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि यह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल एक महत्वपूर्ण पहल है।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की ब्लॉक वाइज समीक्षा के दौरान जिला कलेक्टर ने एडीएम बीसलपुर भूपेन्द्र यादव को निर्देशित किया कि ऐसे परिवाद जो दो या दो से अधिक विभागों से जुड़े होते है। इसमें कमेटी बनाकर परिवादी की समस्या का समाधान करने के लिए संबंधित विभाग की जवाबदेही तय की जाएं, ताकि प्रकरण अनावश्यक लंबित नहीं रहें।

जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का जवाब सात दिवस में भिजवाने के लिए निर्देशित किया।

जनगणना 2027 डिजिटल प्रक्रिया प्रशिक्षण प्रारम्भ

- एकत्रित आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता हो सुनिश्चित - संभागीय आयुक्त

भरतपुर। राजस्थान जनगणना कार्य निदेशालय के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 17 अप्रैल तक नगर निगम सभागार में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया की अध्यक्षता में हुआ।

संभागीय आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की भांति जनगणना कार्य भी राष्ट्रहित का अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि वे पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करें, ताकि एकत्रित आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि यह देश की पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना होगी, जिसके प्रथम चरण में मकान, परिवार, पेयजल, बिजली, शौचालय एवं वाहन जैसी घरेलू सुविधाओं से संबंधित 33 महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल किए गए हैं। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स को भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने, प्रशिक्षण के दौरान अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करने तथा टीम के साथ सतत संवाद बनाए रखने के लिए प्रेरित किया, जिससे किसी प्रकार का भ्रम उत्पन्न न हो।

जिला गणना अधिकारी एवं एडीएम प्रशासन घनश्याम शर्मा ने कहा कि जनगणना कार्य में भी चुनाव आयोग की तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए भरतपुर जिले को उत्कृष्ट स्थान दिलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी को किसी प्रक्रिया को समझने में कठिनाई होती है, तो पुन: प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उप जिला जनगणना अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक (सांख्यिकी) रामेश्वर महावर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम बैच का प्रशिक्षण 17 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उपखण्ड वैर, नदबई, भुसावर एवं उच्चैन के ग्रामीण क्षेत्रों तथा संबंधित नगरीय निकायों के कुल 26 फील्ड ट्रेनर्स भाग ले रहे हैं। द्वितीय बैच का प्रशिक्षण 20 से 22 अप्रैल तक नगर निगम सभागार में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनगणना प्रक्रिया दो चरणों में पूर्ण होगी। प्रथम चरण में 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिसमें नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके पश्चात द्वितीय चरण में 16 मई से 14 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर मकानों से संबंधित जानकारी एकत्रित करेंगे।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम मनाया

टोंक। भाजपा महिला कार्यकर्ताओं द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मानव श्रृंखला कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस दौरान उन्होने रंगोली बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया गया। यह कार्यक्रम घंटाघर पर आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने अधिनियम के समर्थन में, नारी सम्मान, अधिकारों तथा सशक्तिकरण के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद की।

इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया ने कहा कि इस अधिनियम से महिलाएं केवल सहभागी ही नहीं बल्कि नेतृत्व की भूमिका में आगे आएगी। इसे भारतीय लोकतंत्र अधिक संवेदनशील एवं समावेशी बनेगा। इस अधिनियम से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, जिला उपाध्यक्ष ममता जाट, जिला मंत्री नीलिमा आमेरा, शकुंतला वर्मा, बीना छामुनिया, रमा चौधरी, अंजलि गुप्ता, जुली शर्मा, सीमा गौतम, हर्षिता जैन, उषा बैरवा सहित अन्य महिलाएं मौजूद रही।

तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

- देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना राष्ट्रीय विकास की बनेगी आधारशिला : अतिरिक्त जिला कलक्टर
- कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी बाबू लाल बैरवा ने जनगणना 2027 की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की

कोटपुतली। 16वीं जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु बुधवार नगर परिषद कोटपूतली के सभागार कक्ष में जिले के फील्ड ट्रेनरों के तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने की। डिजिटल जनगणना और प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि आगामी जनगणना देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल आंकड़ों का संकलन मात्र नहीं है, बल्कि देश की आगामी नीतियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास की दिशा और भविष्य के परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की आधारशिला है।

प्रशिक्षण के दौरान अपनी हर शंका का समाधान यहीं कर लें, क्योंकि आप ही आगे चलकर चार्ज स्तर पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। जनगणना 2027 का कार्यक्रम सत्र के दौरान जानकारी दी गई किप्रथम चरण मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के रूप में आयोजित होगा।

स्व-गणना 1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक नागरिक स्वयं विवरण दर्ज कर सकेंगे। फील्ड कार्य 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक फील्ड स्टाफ द्वारा घर-घर जाकर गणना की जाएगी। तकनीकी एवं विधिक सत्र जिले के मास्टर ट्रेनर डॉ. सुभाष चन्द्र यादव (सहायक आचार्य) एवं आलेख कौंडिन्य ने फील्ड ट्रेनरों को जनगणना के विधिक प्रावधानों, मकान सूचीकरण की प्रक्रिया और नजरी नक्शा तैयार करने के गुर सिखाए। इस डिजिटल जनगणना के मुख्य टूल 'मोबाइल ऐप के तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी बाबू लाल बैरवा ने जनगणना 2027 की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और आगामी चरणों के बारे में अवगत कराया।

जांगिड़ समाज का 18 वां सामूहिक विवाह संपन्न

मनोहरपूर। जांगिड़ ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति, त्रिवेणी धाम-शाहपुरा के तत्वावधान में 18 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। नवंबर 2025 में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 18 जोड़ों ने विधि-विधान के साथ दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया। सम्मेलन की सफलता की खुशी में त्रिवेणी संगम पर गणेश प्रसादी और एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया।

समारोह की अध्यक्षता पूर्व सीकर जिलाध्यक्ष चौथमल जांगिड़ (सरगोठ) ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा उपाध्यक्ष (सीकर जिला) रतन लाल जांगिड़ (अजीतगढ़), श्रीमाधोपुर तहसील अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद जांगिड़ (शाहपुरा), और जांगिड़ विश्वकर्मा मंदिर त्रिवेणी धाम के अध्यक्ष मुरलीधर जांगिड़ उपस्थित रहे। समिति के मुख्य संरक्षक मामराज चिचावा और अध्यक्ष मदन लाल हरसोलिया ने अतिथियों का मंच पर स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत पंडित नेमीचन्द शर्मा द्वारा भगवान विश्वकर्मा की विधि - विधान से पूजा - अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात समिति के कार्यकारी अध्यक्ष साधुराम बिदारा कोषाध्यक्ष अशोक चिचावा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन लाल खोरा और उपाध्यक्ष बाबूलाल बिदारा ने समाज के भामाशाहों, बुजुर्गों, नवविवाहित जोड़ों और चित्रकला में दक्ष कलाकार कुमारी सुनिधि जांगिड़ का साफा पहनाकर, पुष्पहार और शॉल ओढ़ाकर भावभीना स्वागत किया।

मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षाविद कज्जू लाला धानोता और सीताराम टटेरा ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समाज की उन्नित के लिए बच्चों की शिक्षा, विशेषकर बालिका शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए समाज को एकजुट होने का संदेश दिया।

जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की

- महिला एवं बाल विकास, महिला अधिकारिता और सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं की

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

कोटपूतली । जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को महिला अधिकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समन्वित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख योजनाओं जैसे समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), पोषण अभियान, मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना तथा आंगनबाड़ी सेवाओं की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता और अधिक बेहतर करने, पोषण स्तर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाए और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कुपोषित बच्चों के संदर्भ में सर्वे कर पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवायें, गुड टच बैड टच के बारे में बच्चों को बतायें, विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता लायें।

उन्होंने पालनहार योजना, मातृ वंदन योजना, माँ योजना और लाडो प्रोत्साहन योजना के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए साथ ही चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान के बारे में जागरूकता लाते हुए लक्ष्यानुरूप कार्य करें।

खोया पाया

प्लाट संख्या-253, योजना श्री योगेन्द्र नगर सीतापुरा, जयपुर की खातेदार द्वारा जारी एन.ओ.सी. गुम हो गयी है। मिलने पर सम्पर्क करें। लोकेश कुमार बडोलिया, मो. 9929976267

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा
मु. सांभरलेक जिला जयपुर
दूरभाष नम्बर 01425-224219, ई-मेल -tdrsbr@ymail.com
क्रमांक:भू.अ./2026/1395 दिनांक:- 10.04.2026

सार्वजनिक सूचना नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम नरायना की आराजी खसरा नंबर 65, 67, 68 के पूर्व खातेदार उमाशंकर उर्फ शिम्भु पुत्र गोरधनदास हिस्सा 5/16 जाति स्वामीदादूपंथी सा0देह की विरासत का नामांतरकरण संख्या 4572 अल्का देवी पत्नी उमाशंकर उर्फ शिम्भु, डिम्पल उर्फ दीपल पुत्री उमाशंकर उर्फ शिम्भु नाबालिग संरक्षक माता खुद हिस्सा 5/16 जाति स्वामी दादूपंथी सा0देह के नाम दिनांक 20.02.2016 को स्वीकृत हुआ था जिसे माननीय न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक के वाद संख्या 16/2016 उनवान हीरादास बनाम ग्राम पंचायत नरायना मे पारित निर्णय दिनांक 23.12.2025 के द्वारा निरस्त किया गया है तथापुनः सुनवाई कर विधि सम्मत निर्णय हेतु प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के तहत हाजा न्यायालय में विचाराधीन है। अतः यदि किसी वारिस/दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति/एतराज हो तो आगामी दिनांक 23.04.2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर प्रार्थीया के पक्ष मे निर्णय पारित कर दिया जावेगा।

तहसीलदार (भू.अ.) फुलेरा मु. सांभरलेक

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 14/2026
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमती विमलेश गुप्ता व अन्य पत्नि विश्वंभर दयाल गुप्ता व अन्य ने
विवाद स्थान पुलिस थाना मानसरोवर जयपुर के क्षेत्राधिकार
मृतक विश्वंभर दयाल गुप्ता के द्वारा छोडी गई Fixed Deposits in BOB 60/186 रजत पथ न्यू सांगानेर रोड के पास जयपुर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 14/5/26
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम विश्वंभर दयाल गुप्ता पुत्र देवकी नन्दन गुप्ता जाति महाजन निवासी 15/29 शिप्रा पथ मानसरोवर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 14 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 10 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

आज्ञा से-शिरस्तेदार
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/2120/543
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री MAN MOHAN SHARMA ग्राम बराला जिला जयपुर राजस्थान पिन 303903 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास आईएनसी एजुकेशन ग्रुप ट्रस्ट, फागी मोड़ बस स्टैंड के पास रामा टावर चाकसू जिला जयपुर राजस्थान पिन 303901 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10-04-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24/06/2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्था की सूचना
(आदेश 41 नियम 14)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर प्रथम
बजरंग लाल अग्रवाल विरूद्ध नागरिक सेवा समिति
अपील सं. 360 सन् 2019
(1354/15) (390/13)
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश पश्चिम जयपुर महानगर जयपुर के न्यायालय की तारीख 18/10/2019 की बजरंग लाल अग्रवाल बनाम नागरिक सेवा समिति व अन्य
नाम नागरिक सेवा समिति, सैक्टर 7, विद्याधर नगर जयपुर कार्यालय श्री रोजगारेश्वर महादेव जरिये अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र जसोरिया निवासी प्लाट नं.307, सैक्टर 7, विद्याधर नगर जयपुर
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में.... अपील.... द्वारा प्रस्तुत उपस्थापित की गई है और न्यायलय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय में तारीख 28 माह 04 सन् 2026 नियत की गई।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।
यह आज तारीख 25 माह 03 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर के और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

आज्ञा से
मोहर अदालत — अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश क्रम-2 जयपुर महानगर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैं सुनील कुमारी W/o सेना संख्या 3207896F रैंक नायक अनुज कुमार। मैं घोषणा करती हूं कि मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम सुनील देवी दर्ज हुआ है, जो कि गलत है। मेरा वास्तविक नाम सुनील कुमारी है। मुझे भविष्य में सुनील कुमारी के नाम से जाना जाए।

मैं स्वाति पालीवाल पत्नी श्री अंशुल सिंह कटियार निवासी 226-ए, प्रभु दयाल मार्ग, पशुपतिनाथ नगर, प्रताप नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम स्वाति से बदलकर स्वाति पालीवाल (SWATI PALIWAL) रख लिया है। भविष्य में मुझे स्वाति पालीवाल के नाम से जाना जाये।

मैं करनदीप सिंह पुत्र प्रभ जीत सिंह, निवास स्थान मकान नंबर 587 तड़का ढाबा के पास, आदर्श नगर, जवाहर नगर जयपुर, राजस्थान- 302004 अपने नाम के साथ सरनेम अरोड़ा जोड़ा है, अब मेरा नया नाम करनदीप सिंह अरोड़ा से मुझे जाना जाए

मैंने अपना नाम Kritika Tekwani से बदलकर Kratika Tekwani पुत्री Madanlal Tekwani रख लिया है भविष्य में मुझे Kratika Tekwani के नाम से जाना जावे। उपरोक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के ही हैं। निवासी-1/146 मालवीय नगर जयपुर 302017

I KUNAPU VANITHA Spouse of no 2809140F Hav Seshagirirao Kunapu of 8 Maratha LI residing at S/O Surappadu Village,Guntuku Peta Post,Murapaka Teh,Laveru Dist, Srikakulam Pin,532403 have changed my Spouse name from, Konni Vanitha To,Kunapu Vanitha, vide affidavit dated 14/04/2026 the Smt Poonam Sharma & Notary public govt, of india, Jaipur (Raj)

I army no 2996109X Ex NK (ACP Hav) Rajiv Kumar resident of VPO paota tehsil mahwa district Dausa that i want to change name of my dependent from DEPENDRA SINGH To DEEPENDRA SINGH vide affidavit dated 13/4/26 before sub divisional officer mahwa district Dausa

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्रम संख्या-1 जयपुर महानगर-द्वितीय जंयपुर

क्रमांक:337 दिनांक:25-3-26
(1) गोविन्द कुमार वर्मा पुत्र श्री बाबू लाल, निवासी-प्लॉट नं.- 94, गणेश नगर, पुलिस थाना-करधनी, जिला-जयपुर।
(2) सुरेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री हरि बाबू शर्मा, निवासी-प्लॉट नं.- 39, महाकाली नगर, नांगल जैसा बोहरा, पुलिस थाना-करधनी, जयपुर।
विषयः न्यायाधिकरण द्वारा क्लेम प्रार्थना पत्र संख्या-142/2020 में पारित आदेश दिनांक - 01.06.2024 उनवानी सुमित पारीक बनाम गोविन्द वर्मा व अन्य की पालना के सम्बन्ध में।
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस न्यायाधिकरण के अंतिम पंचाट दिनांक 01.06.2024 द्वारा प्रार्थी के पक्ष में तथा अप्रार्थीगण के विरुद्ध 4,47,000/- रूपये एवं इस राशि पर दिनांक 20.07.2019 से अदायगी तक 6 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी अदा करने का आदेश दिया गया था, परन्तु आपने न्यायाधिकरण द्वारा आदेशित राशि का भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया है, जिसकी वसूली हेतु प्रार्थी द्वारा न्यायाधिकण के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस नोटिस द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांकित-01.06.2024 की पालना में उपरोक्त वर्णित राशि व ब्याज का भुगतान आगामी तारीख पेशी -29.4.26 तक कर देवे अन्यथा आपके विरुद्ध मोटर यान अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार वसूली की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

न्यायाधीश
मोहर अदालत — मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण संख्या-1 जयपुर महानगर द्वितीय (जयपुर)

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्रम संख्या-1 जयपुर महानगर-द्वितीय जंयपुर

क्रमांक:338 दिनांक:20-3-26
त्रिलोक चन्द पुत्र श्री सालर राम, निवासी-प्लॉट नं.-60, जामडोली, आगरा रोड, जयपुर जरिये मुख्त्यार - घनश्याम महावर पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण महावर निवासी-मकान नं.-2783, कोलियों की कोठी, घाटगेट, पुलिस थाना- रामगंज, जयपुर।
विषयः न्यायाधिकरण द्वारा क्लेम प्रार्थना पत्र संख्या-342/2017 में पारित आदेश दिनांक- 11.05.22 उनवानी मोहम्मद अमन बनाम ओम प्रकाश महावर व अन्य की पालना के सम्बन्ध में।
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस न्यायाधिकरण के अंतिम पंचाट दिनांक 11.05.22 द्वारा प्रार्थी के पक्ष में तथा अप्रार्थीगण के विरुद्ध 44,374/- रूपये एवं इस राशि पर दिनांक - 10.04.2017 से अदायगी तक 7 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी अदा करने का आदेश दिया गया था, परन्तु आपने न्यायाधिकरण द्वारा आदेशित राशि का भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया है, जिसकी वसूली हेतु प्रार्थी द्वारा न्यायाधिकण के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस नोटिस द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांकित-11.05.22 की पालना में उपरोक्त वर्णित राशि व ब्याज का भुगतान आगामी तारीख पेशी -29.4.26 तक कर देवे अन्यथा आपके विरुद्ध मोटर यान अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार वसूली की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

न्यायाधीश
मोहर अदालत — मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण संख्या-1 जयपुर महानगर द्वितीय (जयपुर)

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्रम संख्या-1 जयपुर महानगर-द्वितीय जंयपुर

क्रमांक:329 दिनांक:23-3-26
राकेश चौधरी पुत्र श्री रामस्वरूप चौधरी, निवासी-मकान नं.-10, गणेशनगर, दादी का फाटक मुरलीपुरा, जयपुर।
विषयः न्यायाधिकरण द्वारा क्लेम प्रार्थना पत्र संख्या- 939/2008 में पारित आदेश दिनांक-30.08.12 उनवानी चन्द्र प्रकाश पारीक बनाम राकेश चौधरी व अन्य की पालना के सम्बन्ध में।
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस न्यायाधिकरण के अंतिम पंचाट दिनांक 30.08.12 द्वारा प्रार्थी के पक्ष में तथा अप्रार्थीगण के विरुद्ध 1,22,000/- रूपये एवं इस राशि पर दिनांक 26.08.2008 से अदायगी तक 6 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी अदा करने का आदेश दिया गया था, परन्तु आपने न्यायाधिकरण द्वारा आदेशित राशि का भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया है, जिसकी वसूली हेतु प्रार्थी द्वारा न्यायाधिकण के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस नोटिस द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांकित-30.8.12 की पालना में. उपरोक्त वर्णित राशि व ब्याज का भुगतान आगामी तारीख पेशी -21.4.26 तक कर देवे अन्यथा आपके विरुद्ध मोटर यान अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार वसूली की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

न्यायाधीश
मोहर अदालत — मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण संख्या-1 जयपुर महानगर द्वितीय (जयपुर)

संक्षिप्त

निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया

मनोहरपूर। निम्स अस्पताल चंदवाजी द्वारा बुद्धवार 15 अप्रैल को जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड मनोहरपूर सहायक अभियंता कार्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।सहायक अभियंता मनोहर सिंह यादव की उपस्तिथि में निम्स अस्पताल के डाक्टरों की टीम द्वारा सभी विद्युतकर्मियो करीब 41 जनों की निःशुल्क जांच, परामर्श एवं दवाईयां दी गई। एवं किसी भी प्रकार की बीमारी के इलाज के लिए निम्स अस्पताल के लिए सलाह दी गई सहायक राजस्व अधिकारी विक्रम कुमार द्वारा शिवर का समापन किया गया।शिविर प्रभारी नीरज जाटावत व सोहन लाल ने बताया की विद्युत कर्मियों का बी पी शुगर आंख व ईसीजी की भी जांच की गई।इस अवसर पर शिशु रोग विशेषज्ञ ध्रुव वर्मा आंखों के विशेषज्ञ डॉक्टर श्रेष्ठा चौधरी मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉक्टर सोहेल धावर स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पल्लवी यादव नर्सिंग स्टाफ में राम लखन मीणा वेद प्रकाश अतुल ठाकुर सोनू आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क शिक्षण सामग्री वितरित

निवाई/ गुंसी। समाज सेवक दोस्त फाउंडेशन द्वारा सजिया के दो सरकारी विद्यालय के जरूरतमंद 16 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षण सामग्री वितरित की गई। राजकीय प्राथमिक विद्यालय सजिया के प्रधानाध्यापक हंसराज विजय ने बताया कि समाज सेवक दोस्त फाउंडेशन के सदस्य चंद्रप्रकाश मीणा ने गांव के सरकारी विद्यालय में 14 एवं झीला की ढाणी की स्कूल के दो विद्यार्थियों को बेग, कॉपी, पेन एवं पेंसिल सहित अन्य शिक्षण सामग्री दी है। इस अवसर पर सुप्यार मीणा, नेहा गुप्ता, कल्पना बैरवा, कुसुमलता बैरवा, सत्यनारायण खंगार, दीप्ति बंसल, सुरेशकुमार बैरवा, पप्पूलाल मीणा, बिरधीचंद मीणा एवं छोटूलाल मीणा सहित कई ग्रामीण एवं शाला सदस्य मौजूद थे।

नौ सूत्री मांग पत्र सौंपा

निवाई। निवाई लघु उद्योग मजदूर संघ (सीटू) द्वारा क्षेत्र के औद्योगिक श्रमिकों की समस्याओं व अधिकारों को लेकर एक 9 सूत्री मांग पत्र सहायक श्रमायुक्त एवं समझौता अधिकारी टोंक को प्रेषित किया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 5 दिनो के भीतर मिल एसोसिएशन की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो श्रमिक व यूनियन उग्र कार्यवाही के लिए मजबूर होंगे। संघ के अध्यक्ष रामदयाल चौधरी ने बताया कि वर्तमान में श्रमिकों को मिल रहे वेतन में उनके ग्रेड-पे के अनुसार 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाए। श्रमिकों को अनिवार्य रूप से ईएसआई व भविष्य निधि की सुविधाओं से जोडऩे, हर महीने पे-स्लिप देने और सभी का पहचान पत्र बनवाने, बोनस, अवकाश अन्य सुविधाए प्रदान की जाए, महंगाई भत्ते को आधार मानकर भुगतान करने सहित 9 सूत्री मांगों को लेकर सहायक श्रमायुक्त एवं समझौता अधिकारी टोंक को पत्र प्रेषित किया है।

गहलोद हत्याकाण्ड का आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक टोंक रतनलाल भार्गव के निर्देशन मे वृताधिकारी पीपलू रामअवतार के सुपरविजन एवं पीपलू थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व मे पीपलू थाने में गहलोद हत्याकांड के मामले में दर्ज प्रकरण में आरोपियों द्वारा गिरोह बनाकर अपराध कारित करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए साईबर टीम व पीपलू थाना टीम की संयुक्त कार्यवाही में टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी जो 5 हजार रूपये का ईनामी अपराधी था तथा चार माह से फरार चल रहा था। इस कार्यवाही के बाद मुख्य आरोपी हसीन खान पुत्र मोहम्मद रफीक उम्र 34 साल निवासी गहलोद को गिरफ्तार किया गया है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में 16 अप्रैल गुरुवार को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय कोटपूतली के वीसी कक्ष में आयोजित की जाएगी।

बाल विवाह प्रतिषेध सप्ताह का प्रारम्भ, जागरूकता रथ रवाना

टोंक। जिला मुख्यालय पर बुधवार को बाल विवाह रोकथाम को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा कि एक ओर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की बात की जा रही है, वहीं यदि बालिकाएं बाल विवाह का शिकार होती हैं तो यह लक्ष्य अधूरा रह जाएगा।

अत: बाल विवाह की रोकथाम समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सात दिवसीय बाल विवाह प्रतिषेध सप्ताह बुधवार से शुरू हो गया है। इसमें शुभारंभ के बाद उद्घाटन सत्र के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मीटिंग हॉल में बाल विवाह रोकथाम विषय पर एक रणनीतिक सेमिनार, कार्यशाला और पोस्टर विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप अध्यक्ष डॉ. सीमा अग्रवाल उपस्थित रहीं तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. सीमा अग्रवाल ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

- उद्घाटन सत्र के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मीटिंग हॉल में बाल विवाह रोकथाम विषय पर एक रणनीतिक सेमिनार, कार्यशाला और पोस्टर विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया

साथ ही सहायक कलेक्टर एवं कलेक्टर प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल प्रसाद मीणा, सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता विभाग नवल खान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस दौरान प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों, पंडित, मौलवी, हलवाई, कैटरर्स, प्रिंटिंग प्रेस प्रतिनिधि एवं अन्य हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी हितधारक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए बाल विवाह की रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाएं। किसी भी संभावित बाल विवाह की सूचना तत्काल संबंधित प्राधिकरण को दें, आवश्यक रूप से न्यायिक मजिस्ट्रेट से निषेधाज्ञा जारी करवाई जाए तथा हेल्पलाइन नंबर 15100, 1098, 181 एवं 100 पर भी सूचित किया जाए। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में जन-जागरूकता फैलाने के लिए एन.जी.ओ. सिकोइडिकॉन के सहयोग से बाल विवाह जागरूकता रथ को जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. सीमा अग्रवाल, प्राधिकरण सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया, सहायक निदेशक नवल खान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल प्रसाद मीणा एवं सिकोइडिकॉन के प्रभारी देवेंद्र जांगिड़ द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना।

जयंती कार्यक्रम आयोजित

फुलेरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर फुलेरा में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एससी/एसटी रेलवे एम्पलाइज कार्यालय की नींव भी विधिवत रूप से रखी गई। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के छायाचित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर एवं मोमबत्ती जलाकर की गई। उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब के विचारों को स्मरण करते हुए सामाजिक समरसता और समानता का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में फुलेरा एडीईएन संजय पुनिया, मंडल एडीएसओ राधेश्याम मीना, फुलेरा सीपीडब्ल्यूआई मुकेश मीना, फुलेरा आईओडब्ल्यू सरवन यादव एवं फुलेरा एसएससी ब्रिजेश पवार उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रेमचंद वर्मा रामनाथ वर्मा, मुकेश मीना, रामावता, कालूराम, रामसहाय मीणा, खेमराज मीना, सुरेश बैरवा, सेवा सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

टोंक में संत शिरोमणि सैन महाराज की 726 वीं जयंती मनाई

निवाई। सैन उत्थान समिति के तत्वावधान में सैन समाज की चतुर्भुज तालाब बगीची टोंक में संत शिरोमणि सैन महाराज की 726 वीं जयंती मनाई गई। जिसमें कैबिनेट मंत्री मुख्य अतिथि कन्हैयालाल चौधरी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान ने की, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद सुखबीरसिंह जौनपुरिया, जिला महामंत्री प्रभुलाल बाड़ोलिया, पूर्व नगर परिषद लक्ष्मी देवी जैन, सैन समाज उत्थान समिति के जिलाध्यक्ष रविप्रकाश सैन, सैन जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष खेमराज खलीलपुरा रहे।

सैन जयंती पर अतिथियों को 51 किलो का फूलहार पहनाकर सम्मानित करते हुए सैन समाज के कार्यकर्ता।

कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि आज हम एक ऐसे महान संत, समाज सुधारक व आध्यात्मिक विभूति का जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिनका जीवन सादगी, भक्ति व सेवा का अनुपम उदाहरण है। संत शिरोमणि सैन महाराज केवल एक जाति वर्ग के पथ-प्रदर्शक नहीं थे, बल्कि वे संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा पुंज थे। इस दौरान उन्होंने सैन समाज के बगीचे में सामुदायिक भवन का निर्माण करवाने की घोषणा की। इस दौरान मंत्री कन्हैयालाल चौधरी सहित सभी अतिथियों का सैन समाज द्वारा 51 किलो का पुष्प हार पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। समारोह में तहसील अध्यक्ष सूरज पराणा, प्रवक्ता देवेंद्र सैन, पप्पू खेड़ा, गौरीशंकर, नरेंद्र सकवाया, हरिओम, राधेश्याम वर्मा, अजय, श्यामलाल दाखिया, सीताराम बोरडी, महावीर, शंकर नुक्कड़, सीताराम नया टीला, रामदेव पीपलू, सीताराम सुरेली, रामेश्वर चंदलाई, श्याम लांबा, विष्णु पुरानी टोंक, पवन बामोर, रामप्रसाद ढूंढिया, प्रहलाद ,कैलाश खजुरिया, रामपाल शिवाड़, शंकर गहलोत, कालू दाखिया, शंकर बांगर व अशोक सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

- कैबिनेट मंत्री चौधरी ने सैन समाज के बगीचे में सामुदायिक भवन की घोषणा की

'सरस डेयरी द्वारा कलाकंद को मिली विश्वास व शुद्धता की नई पहचान'

अलवर। अलवर की विश्व प्रसिद्ध पहचान कलाकंद की मिठास अलवर सहित देश के कोने कोने में पहुंचाने के लिएअलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (सरस डेयरी) द्वारा शहर के पहले कलाकंद आउटलेट का भव्य शुभारंभ किया गया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सागवान, विशिष्ट अतिथि भाजपा अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, उत्तर जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी, अलवर डीसीसी अध्यक्ष मोहित यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव, एडवोकेट बस्तीराम यादव ने रिबन काटकर आउटलेट का विधिवत शुभारंभ किया।इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी डेयरी पदाधिकारी, दुग्ध उत्पादक और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सागवान ने कलाकंद आउटलेट का शुभारंभ किया ।

- यह अलवर शहर का पहला कलाकंद आउटलेट है

आउटलेट के उद्घाटन के पश्चात डेयरी चेयरमैन नितिन सागवान ने भविष्य की योजनाओं और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता पर विस्तार से प्रकाश डाला ओर कहा अलवर का कलाकंद देश-दुनिया में मशहूर है, लेकिन उपभोक्ताओं को हमेशा शुद्धता की चिंता रहती थी

सरस डेयरी का यह आउटलेट अब प्योरिटी का एड्रेस (शुद्धता का पता)बनेगा हम यहाँ बिना किसी मिलावट के पारंपरिक विधि से तैयार ताजा कलाकंद उपलब्ध कराएंगे इस आउटलेट के माध्यम सेकिसानों को होगा सीधा लाभ यह आउटलेट सिर्फ मिठाई बेचने का केंद्र नहीं है, बल्कि हमारे ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों की मेहनत को सम्मान देने का जरिया है जितना अधिक हम सरस के उत्पादों का विस्तार करेंगे, उतना ही बेहतर बोनस और दूध का मूल्य हम अपने पशुपालक भाइयों को दे पाएंगे।

यह शहर का पहला कलाकंद आउटलेट है इसके पश्चात विस्तार की प्रक्रिया को करते हुए हम प्रमुख क्षेत्रों सहित राजमार्गों पर भी कलाकंद के आउटलेट खोलेंगे ताकि अलवर का यह स्वाद भारत के कोने-कोने तक पहुंचे इस आउटलेट में कलाकंद के साथ-साथ सरस के अन्य सभी उत्पाद भी हर समय उपलब्ध रहेंगे आउटलेट संचालक अमित कुमार ने कहा मिलावट के दौर में स्वास्थ्य व शुद्धता से समझौता न करते हुए सरस के उत्पादों का ही प्रयोग करना चाहिए।

मानपुरा माचैड़ी चमड़ा औधोगिक क्षेत्र को अब सामान्य का दर्जा

मानपुरा माचैड़ी। जयपुर के मानपुरा माचैड़ी स्थित रीको औधोगिक क्षेत्र जो कि चमड़ा उधोग के लिए आवंटित था।अब सामान्य का दर्जा दिया गया है।रीको ने आदेश जारी कर चमड़ा औधोगिक क्षेत्र से सामान्य औधोगिक क्षेत्र किया है।आदेश जारी होने के बाद अब यहाँ सभी ए व बी श्रेणी के उधोग स्थापित किए जा सकेंगे।ऐसा होने से सुनसान से ओधोगिक क्षेत्र में रौनक आएगी व रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे।इसको लेकर क्षेत्र वासियो ने खुशी भी जताई है।

गौरतलब हैं कि मानपुरा माचैड़ी के रीको ओधोगिक क्षेत्र को चमड़ा उधोग का दर्जा प्राप्त था।और यहाँ का चमड़ा उधोग धीरे धीरे दम तोड़ रहा था।चमड़ा की कई इकाइयां बंद हो चुकी हैं व कुछ चुनिदा चमड़ा इकाईयों में ही कच्चे चमड़े का काम हो रहा है।इसको लेकर यहाँ चमड़ा उधोग से जुड़े उधोगपतियों ने काफी लंबे समय तक चमड़ा ओधोगिक क्षेत्र को सामान्य में परिवर्तित करवाने के लिए प्रयास किए और 1 अप्रैल को रीको ने आदेश जारी कर मानपुरा माचैड़ी चमड़ा के लिए आवंटित विशेष क्षेत्र को सामान्य में परिवर्तित किया है। अब यहाँ सभी प्रकार के ए व बी श्रेणी के उधोग स्थापित किए जा सकेंगे।

- मानपुरा रीको क्षेत्र में अब सभी उधोग लग सकेंगे

वर्ष 1996 में स्थापित यह कॉम्प्लेक्स कभी राज्य का लेदर उद्योग केंद्र बनने का सपना लिए शुरू हुआ था, पर सरकारी उदासीनता और अस्पष्ट नीति के कारण यहां का विकास थम गया है।करीब दो साल पहले गहलोत सरकार ने इस लेदर कॉम्प्लेक्स को सामान्य औद्योगिक श्रेणी में परिवर्तित किया था। इससे यहां निवेश की नई उम्मीद जगी और करीब 150 करोड़ रुपए तक के निवेश के प्रस्ताव सामने आए, लेकिन भाजपा सरकार के गठन के बाद फाइल को स्क्रीनिंग के नाम पर रोक दिया जिससे न केवल औद्योगिक इकाइयों की स्थापना ठप हो गई, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की उम्मीदों पर भी ग्रहण लग गया। निवेशकों ने बताया कि वे मुख्यमंत्री स्तर पर फाइल क्लीयरेंस के लिए कई बार गुहार लगाई।

रीको ने 1996 में कानपुर मॉडल पर 52 प्लॉटों में टेनेरी व लेदर यूनिट्स का लक्ष्य रखा था। सरकारी अनदेखी, मजदूरों की कमी और तकनीकी अभाव के कारण अब केवल 7 इकाइयां ही चल रही हैं; बाकी निष्क्रिय हैं।

भेराणा बचाओ, रीको हटाओ : संत-महंतों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

फुलेरा। दादू सम्प्रदाय के हरिद्वार के रूप में प्रसिद्ध दादूपालका भेराणा धाम की पवित्र भूमि पर प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र के विरोध में बुधवार से देशभर के संत-महंतों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। संतों का कहना है कि यह तपोभूमि सदियों पूर्व दादूदयाल जी द्वारा साधु-संतों के मोक्ष धाम (हरिद्वार) के रूप में स्थापित की गई थी। यह स्थल न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यहां प्राकृतिक रूप से जीव-जंतु स्वच्छंद विचरण करते हैं और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में जीवनरक्षक जड़ी-बूटियां भी पाई जाती हैं।

धरना स्थल पर अनेक साधु-संत मौजूद रहे।

- संतों का कहना है कि यह तपोभूमि सदियों पूर्व दादूदयाल जी द्वारा साधु-संतों के मोक्ष धाम (हरिद्वार) के रूप में स्थापित की गई थी

संत समाज ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य सरकार द्वारा इस भूमि से रीको परियोजना को नहीं हटाया गया, तो देशभर के साधु-संत आंदोलन को अनिश्चितकाल तक जारी रखेंगे और इस पवित्र धाम की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। तपोभूमि के संत दीनदयाल दास के अनुसार, यह धरना आचार्य ओमप्रकाश दास स्वामी (नरेना धाम) के सानिध्य में प्रारंभ हुआ। धरना स्थल पर दादूपालका धाम के महंत गोरधन दास स्वामी, महंत रामनिवास दास (पो धाम), महंत हरिनारायण (मेड़ता), महंत कैलाश दास (हरियाणा), महंत सुरजकरण दास (सदरपुरा), महंत रामप्रकाश दास , महंत पूरणदास (नांगल), महंत बक्शीराम (सुरसुरा), महंत लक्ष्मण दास (नरेना), महामंडलेश्वर क्षमाराम जी (नरेना), महामंडलेश्वर ज्ञानदास जी (उज्जैन), महंत अशोक दास (सांगानेर), महंत हरिओम दास (नरेना), महंत सज्जन दास (नागौर) सहित अनेक संत-महंत अपने-अपने अखाड़ों के सैकड़ों अनुयायियों के साथ मौजूद रहे।

सार-समाचार

श्यामपुरा रोड पर बनेगा श्री सावलिया सेठ का भव्य मंदिर

लालसोट। शहर के श्यामपुरा रोड स्थित राजकीय जिला अस्पताल के समीप श्री सावलिया सेठ मंदिर निर्माण को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम 24 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। सोमवार को सिद्धि विनायक मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं को कार्यक्रम के निमंत्रण वितरित किए गए।इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने भूमि पूजन कार्यक्रम की सफलता एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। निमंत्रण वितरण के समय श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर शंभू पुरोहित, गोविंद चौधरी, मोहन पुरोहित, महेश बैंक, महेश चांदपुर, गिरिराज हटीका, निरंजन जोशी, गिरिराज मीना, राजेन्द्र अग्रवाल, श्याम सोनी, शेखर सोनी, मंगेश लामड़ा, संजय उपाध्याय, मुरारी अशोक महान, रामचरण बोहरा, नवीन बोहरा, बनवारी व्यास, विष्णु व्यास, दिनेश अग्रिका, शिवशंकर बल्या जोशी, दीपक चौधरी, अनिल आकड़, मोहन माली, दीपक निझरना, मदन बैद्य, राजेश बैद्य, दिनेश लिवाली, पवन शर्मा, अजय शर्मा, रोहित पंसारी, शेखर चौधरी, अनिल बुर्ज, मोहन सर्खियां, राम कल्याण उपाध्याय, नवीन कोरका, आशीष जांगिड़, भागचंद्र जागा, अनुराग शर्मा, तेजसिंह जगा, बाबूलाल बूटिल्या, विनोद सोनी, दीपक जिंद, प्रकाश सोनी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।आयोजन समिति के अनुसार 24 अप्रैल को सुबह शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया जाएगा तथा इसके पश्चात प्रसादी वितरण का कार्यक्रम भी रखा गया है। अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की गई है।

एन-कोर्ड की बैठक आयोजित

कोटपूतली। नार्कर कोर्डिनेशन सेंटर (एन-कोर्ड) की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह और एडीएम ओमप्रकाश सहारण भी मौजूद रहे। जिला कलक्टर ने जिले में ड्रग इंस्पेक्टर और सीएमएचओ को अनाधिकृत चिकित्सक एवं औषधि विक्रेताओं (झोलाछाप) के विरूद्ध कार्यवाही करने, मेडिकल दुकानों का औचक निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित घटक दवाओं की बिक्री न हो यह सुनिश्चित करें। अनियमितता पाये जाने पर मेडिकल स्टोर्स के लाईसेंस निरस्त कर कार्यवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने शराब बिक्री के लिए सरकार के निर्देशों की पालना नहीं करने वालो, हथकड़ शराब कारोबार में लिप्त लोगों पर कार्यवाही करने एवं फील्ड में जाकर नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश एक्साइज विभाग को दिए।उन्होंने जिले में नशा मुक्ति के लिये समुचित रूप से प्रभावी कार्यवाही करने और नशा मुक्त अभियान में आमजन की सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे अभियान को और प्रभावी करने और शैक्षिणक संस्थाओं में विद्यार्थियों को विभिन्न माध्यमों से नशे के दुष्प्रभावों व रोकथाम के बारे में जागरूक करने हेतु निर्देशित किया।

21 कुण्डीय महायज्ञ तीन मई से

पावटा। कस्बा स्थित बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर में आगामी 3 मई रविवार से आयोजित होने वाले 21 कुण्डीय महायज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर महंत जयराम दास महाराज के सान्निध्य में होने वाले इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर परिसर में यज्ञशाला का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। मंदिर समिति एवं श्रद्धालु मिलकर यज्ञशाला को भव्य स्वरूप देने में जुटे हुए हैं। यज्ञ में उपयोग होने वाले 21 कुण्डों का निर्माण, बैठने की व्यवस्था, सजावट एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पानी, छाया एवं प्रसादी वितरण की विशेष व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। आयोजन की शुरुआत 2 मई शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। इसके बाद 3 मई से विधिवत मंत्रोच्चार के साथ महायज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा प्रारंभ होगी। मंदिर समिति के अनुसार इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्रभर से संत-महात्मा एवं श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जिसे देखते हुए व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

विप्र महोत्सव में फुलेरा के विप्र बंधुओं ने निभाई सक्रिय भागीदारी

फुलेरा। समीपवर्ती कस्बे सांभर के गट्टानी मैदान पर विप्र फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित विप्रोत्सव कार्यक्रम में राजस्थान विप्र महासभा शाखा फुलेरा के अध्यक्ष राजू दाधीच के सानिध्य में फुलेरा से बड़ी संख्या में विप्र बंधुओं ने भाग लिया। संगठन के महामंत्री शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि फुलेरा से काफी संख्या में समाजबंधु सांभर में आयोजित इस भव्य विप्र महोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ टी-सीरीज गायक कमलेश शर्मा द्वारा भगवान गजानंदजी की वंदना की प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद गायिका अंकिता शर्मा ने सत्यम शिवम सुंदरम भजन की मधुर प्रस्तुति देकर पूरे पंडाल को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे उपस्थित जनसमूह तालियों की गूंज से झूम उठा। इस अवसर पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पद्मश्री कवि सुरेंद्र शर्मा ने गायिका अंकिता शर्मा की सराहना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। गायक कमलेश शर्मा एवं अंकिता शर्मा ने भी उनसे मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया।राजस्थान विप्र महासभा के अध्यक्ष राजू दाधीच ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और संगठन को मजबूती मिलती है तथा विप्र समाज की समस्याओं के समाधान के लिए मंच उपलब्ध होता है। कार्यक्रम के दौरान फुलेरा के विप्र बंधुओं ने विप्र महोत्सव के संयोजक एवं विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप व्यास का अभिनंदन भी किया।

कलेक्टर ने विधालय में निरीक्षण किया

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने बुधवार को औचक निरीक्षण करते हुए पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खैरथल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 6 के विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षिणक क्षमता का आकलन किया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ब्लैकबोर्ड पर गणित के सवाल लिखकर छात्रों से हल करवाए और उनके सीखने के स्तर को परखा। उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर पढ़ाई की स्थिति और उनकी समझ का जायजा लिया।कलेक्टर ने स्कूल परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और स्टाफ से भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आवश्यक सुधार के निर्देश देते हुए विद्यालय में शैक्षिणक माहौल को और बेहतर बनाने पर जोर दिया।कलेक्टर ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे विद्यार्थियों की बुनियादी शिक्षा-विशेष रूप से पढ़ना, लिखना और गणना कौशल-पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि मजबूत आधार ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नियमित मॉनिटरिंग जरूरी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यालय प्राचार्य ने कलेक्टर को आश्वस्त किया कि दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए शिक्षा स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

श्री रामकथा अमृत महोत्सव का आयोजन

पावटा। कस्बे के श्री गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत श्री मोहनदास रामायणी महाराज के सान्निध्य में 21 अप्रैल से 29 अप्रैल 2026 तक नव दिवसीय श्री रामकथा अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। धार्मिक माहौल में आयोजित होने वाली इस संगीतमय कथा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर महंत श्री मोहनदास रामायणी महाराज ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 21 अप्रैल मंगलवार को प्रात: 9:15 बजे कलश यात्रा के साथ होगी, जो केशव सागर धर्मशाला से रवाना होकर नगर भ्रमण करते हुए कथा स्थल तक पहुंचेगी। इसके बाद प्रात: 11:15 बजे विधिवत घट स्थापना एवं कलश पूजन किया जाएगा। आयोजन के तहत प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक संगीतमय श्री रामकथा का वाचन किया जाएगा। कथा का रसपान श्रद्धालु श्री 108 श्री बाबूराम दास जी महाराज की मधुर वाणी में करेंगे। कार्यक्रम का समापन 30 अप्रैल गुरुवार को हवन, संत समागम, भंडारा प्रसादी एवं पूर्णाहुति के साथ किया जाएगा।

शिविर आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष माधवी दिनकर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुरा में वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकार एवं नालसा योजनाओं पर शिविर आयोजित किया। इस शिविर के मुख्य अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामेश्वर पलसानिया थे। शिविर की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रूडमल रोलानिया द्वारा की गई। इस शिविर में व्याख्याता रामपाल रैगर, हरफूल जाट, सत्यनारायण बुनकर, साधुराम जाट, बाबूलाल बल्लिवाल, प्रेमचंद शर्मा सहित लाभार्थियों की संख्या 160 रही।

'प्रतिभा के दम पर पहचान बनाएं खिलाड़ी'

शाहपुरा। राज्य सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे पंच गौरव कार्यक्रम के तहत बुधवार से ब्लॉक स्तर पर शहर के बिजली ग्रेड त्रिवेणी रोड़ के समीप निजी स्कूल के सिंथेटिक ट्रैक के खेल मैदान में कबड्डी खेल के मुकाबले शुरू हुए। 19 वर्ष आयु वर्ग में पुरुष वर्ग का उद्घाटन मैच म्हारखुद व कांट की टीम के मध्य खेला गया जिसमें म्हारखुद की टीम विजेता रही। उद्घाटन समारोह में भाजपा नेता उपेन यादव,एसडीएम संजीव कुमार खेदड, विकास अधिकारी राकेश कुमार व साक्षरता ब्लॉक कोऑर्डिनेटर जयराम नटवाडिया आदि ने शिरकत की।

चोट काफी गंभीर थी और चेहरे के अंदरूनी हिस्से को ठीक करने के लिए बड़ी सर्जरी करनी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि स्थिति इससे ज्यादा खराब नहीं हुई।
- बेन स्टोक्स

इंग्लैंड टीम के कप्तान, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

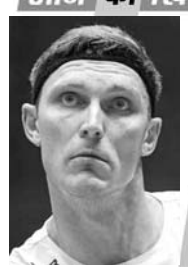

विक्टर एक्सेलसन

बैडमिंटन की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई। डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने 32 साल की उम्र में पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि लंबे समय से चोट से जूझ रहे एक्सेलसन ने आखिरकार अपने शरीर की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया है। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराई थी और उसके बाद लंबा पुनर्वास भी किया था, लेकिन अक्टूबर में उन्हें फिर से झटका लगा। इसके बाद से वह न तो ठीक से ट्रेनिंग कर पा रहे थे और न ही प्रतिस्पर्धी स्तर पर खेल पा रहे थे, जिसके चलते उन्हें मजबूर होकर यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 1983 (कपिल देव) और 2011 (महेंद्र सिंह धोनी) में वनडे विश्व कप जीता है। साथ ही, 2007 में पहला टी-20 विश्व कप भी भारत के नाम रहा।

फिडे कैंडिडेट्स 2026 : सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया। मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

अंडर-16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग
लवमित गुर्जर के पंजे से मोहन क्रिकेट अकादमी फाइनल में

जयपुर, 15 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर तारीक क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। जिसमें मोहन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवर में 233 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें नायफ राशिद ने नाबाद 57 रन व मानवीर ने 24 रन व अमरनाथ ने 23 रनों का योगदान दिया। तारीक क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में तवीश शर्मा ने चार विकेट ओर विनय शर्मा व तनिश चौहान ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तारीक क्रिकेट अकादमी 38.5 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें उदित ने 39 रन व नीरज ने 17 रनों का योगदान दिया। मोहन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में लवमित गुर्जर ने पांच विकेट और मनीष हरितवाल व मानवीर ने दो-दो विकेट लिए। मोहन क्रिकेट अकादमी ने 120 रन से मुकाबला जीत फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला भदोरिया क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य शनिवार को नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग उद्घाटन मैच में जहीरुल हसन क्लब ने एसजे पब्लिक स्कूल को हराया

जयपुर, 15 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट के कन्वीनर राजेश ताम्बी ने बताया कि संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए उद्घाटन मैच में जहीरुल हसन क्लब ने एस जे पब्लिक स्कूल को 81 रनो से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में जहीरुल हसन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रजेश यादव के 56 रन, रिआंश भाटिया के 37 रन, तुषार चेलानी के 47 रन, युवराज सिंह के 22 रन, सूर्यांश बु हाडिया के 45 रन, व रोहन चौधरी के 51 रनो से 46 ओवर में 303 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए साहिल नायक के 41 पर 4, मोहम्मद अरीब ने 57 पर 3, देवेश व गुलजार ने 1 -1 विकेट लिया। जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम ने आदेश के 74 रन, कोवित जेनरीवाल के 18 रन, जतिन सांवरिया के 40 रन, साहिल नायक के 13 रन व गुलजार खान के 21 रनो से 45.1 ओवर में 222 रन बनाकर आउट हो गई। जहीरुल हसन क्लब के लिए युवराज सिंह ने 27 पर 3, रुद्राक्ष परवाल ने 34 पर 2, राजवीर चौधरी ने 32 पर 2, मानव रोगा व शिखर सैनी ने एक - एक विकेट लिया।

बेंगलुरु ने दर्ज की चौथी जीत, लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 15 अप्रेल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। लखनऊ की टीम 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 146 रन ही बना सकी। इसके जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोहली और रजत की दमदार पारियों की बदौलत 29 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 149 रन बनाए। बेंगलुरु के लिए कोहली ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। लखनऊ के लिए प्रिंस यादव ने तीन विकेट लिए।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 146 रन बनाए। लखनऊ की ओर से सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सर्वाधिक 40 रन बनाए, जबकि मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन का योगदान दिया। बेंगलुरु की ओर से रसिख ने चार और भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट चटकाए। इसके जवाब में बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरे ओवर में फिल सॉल्ट का विकेट गंवाया। इसके बाद देवदत्त पडिकल 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विराट कोहली ने 34 गेंद में 49 रन बनाए। रजत पाटीदार ने 13 गेंद में 27 और जितेश ने 9 गेंद में 23 रन का योगदान दिया।

पहले बैंटिग करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को चौथे ओवर में पहला झटका लगा। टीम के सलामी बल्लेबाज एडन मार्करम 8 गेंद में 12 रन ही बना सके। कप्तान ऋषभ पंत कोहनी में लगी चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। हालांकि बाद में वह बैटिंग के लिए उतरे लेकिन तुरंत आउट हो गए। पूरन की खराब फॉर्म भी जारी रही और वह सात गेंद में सिर्फ एक रन बनाने के बाद हेजलवुड की गेंद को विकेटों पर खेल गए।

मार्श ने कृणाल पर चौके और छक्के के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। बडोनी ने कृणाल की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया लेकिन मार्श इस स्पिनर की गेंद को विकेटों पर खेल गए। उन्होंने 32 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे।

मुकुल चौधरी एक बार फिर अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने कृणाल पर चौके से खाता खोलने के बाद इस स्पिनर के अगले ओवर में छक्का भी मारा। बडोनी ने रसिख पर चौका मारा लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 24 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का मारा।

पंत को जोश हेजलवुड ने किया चोटिल

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। ऋषभ पंत आरसीबी बनाम एलएसजी मैच के में चोटिल हो गए। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान मैदान से बाहर गए और फिर बैटिंग के लिए आए। उन्होंने कुल छह गेंदों का सामना किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बुधवार को आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला खेला जा रहा है। आरसीबी ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर एलएसजी को बैटिंग का न्योता दिया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए। उनकी कोहनी में चोट लगी। पंत को दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा लेकिन टीम के लड़खडाने के बाद फिर बैटिंग करने आए। हालांकि, वह कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 6 गेंदों में महज एक बनाया। पंत को भुवनेश्वर कुमार ने 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर फिल साल्ट के हाथों कैच कराया।

अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होंगे आईपीएल? 20वें सीजन की हो रही है खास तैयारी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आईपीएल को भारत में एक त्यौहार की तरह मनाया जाता है। ये टी20 टूर्नामेंट पिछले 19 सालों से भारतीय क्रिकेट का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। वहीं अब दुनिया के सबसे महंगी क्रिकेट लीग के एक खास विस्तार की योजना सामने आ रही है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड ओवल के मैनेजमेंट की तरफ से आईपीएल 2027 को लेकर एक खास योजना बनाई जा रही है। इसके तहत आईपीएल के 20वें सीजन से एक मैच कम से कम एडिलेड ओवल में करवाने का प्लान बन रहा है। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई सेन मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार एडिलेड ओवर आईपीएल के अगले सीजन यानी अगले मार्च से होस्ट करने के लिए उत्सुक है। ये आइडिया एडिलेड ओवल के चेयरमैन जैमी ब्रिग्स और 2 के चीफ विल रेनर का है। इसकी जानकारी कई स्थानीय स्पॉन्सर्स बड़े उद्योगपतियों को भी पिछले कुछ हफ्तों में दी गई है। हालांकि, अभी बीसीसीआई के पास ये प्रपोजल नहीं गया लेकिन जल्द ही बातचीत हो सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि, एडिलेड ओवल की तरफ से ये योजना काफी विस्तृत तौर पर बनाई जा रही है। इसको रिवर्स व्यवस्था के तहत भी करवाने की योजना है। जैसे बिग बैश लीग के मैच की मेजबानी चेन्नई करेगा और ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में आईपीएल के शुरुआती सीजन मैच हो सकता है। सेन मीडिया की रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस योजना के बारे में एडिलेड ओवल की तरफ से साउथ ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख पीटर मलिनोस्कस, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चेयरमैन माइक बेयर्ड, ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड, ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री डॉन फरेल को जानकारी दी जा चुकी है।

बार्सिलोना चैंपियंस लीग में हार से बौखलाया, खराब रेफरिंग के खिलाफ करेगा अपील

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। बार्सिलोना की चैंपियंस लीग से बाहर होने के बाद क्लब के भीतर नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है। मुकाबले के बाद अब क्लब प्रबंधन ने भी रेफरिंग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बता दें कि एफसी बार्सिलोना के अध्यक्ष पद के लिए चुने गए जोआन लापोर्टा ने एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रेफरी और वीडियो समीक्षा प्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, लापोर्टा ने कहा कि मैच में रेफरिंग का स्तर बेहद खराब रहा और इससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रेफरी और वीडियो तकनीक द्वारा लिए गए फैसले स्वीकार करने योग्य नहीं थे। गौरतलब है कि इससे पहले टीम के खिलाड़ी राफिन्हा भी रेफरिंग को लेकर नाराजगी जता चुके हैं और उन्होंने टीम के साथ अन्याय होने की बात कही थी। लापोर्टा के अनुसार, पहले चरण में भी कई फैसले बार्सिलोना के खिलाफ गए थे, जिसमें एक पेनल्टी और खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाने का मामला शामिल है। उनका कहना है कि कई अहम मौकों पर गलत निर्णय लिए गए, जिनका सीधा असर मैच के नतीजे पर पड़ा। मौजूद जानकारी के अनुसार, क्लब प्रबंधन का मानना है कि एक गोल को गलत तरीके से खारिज किया गया और पेनल्टी के कुछ मामलों में भी अनदेखी की गई। साथ ही, एक खिलाड़ी के साथ हुए फाउल पर भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाए गए हैं। गौरतलब है कि बार्सिलोना ने पहले भी इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया था। अब क्लब एक बार फिर से यूरोपीय फुटबॉल संस्था के सामने शिकायत दर्ज कराने की तैयारी में है।

रिंकू 5 नं. पर खेलने लायक नहीं : श्रीकांत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का खराब प्रदर्शन सबको आलोचना करने का मौका दे रहा है। टीम लगातार 4 मैच हार चुकी है। इस सीजन केकेआर के उपकप्तान बनाए गए रिंकू सिंह का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा है। जिसके बाद पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने उनको लगातरा समर्थन देने पर सवाल उठाए हैं। श्रीकांत ने साफ कहा है कि रिंकू सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। अब भी आईपीएल में पांच लगातार छक्के मारने के कारण से मिली लोकप्रियता के सहारे चल रहे हैं। श्रीकांत ने रिंकू सिंह के नंबर 5 पर खेलने को लेकर भी संदेह जताया है।

गौतम गंभीर को हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है : मुनाफ पटेल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है।

बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आई। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो।

स्क्वैश एकेडमी की इनाया और वीर ने जीते कांस्य पदक

जयपुर, 15 अप्रैल। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की इनाया अन्द्रावी और वीर श्रृंगी ने कोलकाता में आयोजित तीसरे ईस्टर्न चैलेंजर 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट में अपने- अपने आयु वर्ग में कांस्य पदक जीते। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने बुधवार को यहां बताया कि कोलकाता के सटर्डे क्लब में स्क्वॉश रैकेट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में 11 से 15 अप्रैल तक आयोजित टूर्नामेंट में इनाया ने गर्ल्स अंडर-11 के क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु की जे.एन. इनिया को 11-4, 11-2, 11-4 से पराजित कर सेमी फाइनल में जगह बनाई। लेकिन सेमी फाइनल में इनाया को दूसरी वरीयता की झारखंड की अविशा अग्रवाल से 7-11, 11-5, 11-8, 12-10 से हार का सामना करना पड़ा। इनाया ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में झारखंड की अनायशा साहू को 11-8, 11-8, 11-5 से शिकस्त दी। वहीं बॉयज अंडर-13 में वीर श्रृंगी ने दूसरी वरीयता के निर्वाण उप्पल (दिल्ली) को 11-7, 11-7, 11-7 से पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया। वीर ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में दिल्ली के अविराज घई को 11-6, 11-3, 11-2 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई। लेकिन सेमी फाइनल में उत्तर प्रदेश के रिदान गुप्ता ने वीर को 11-6, 12-10, 11-3 से पराजित कर दिया।

विंबलडन 2028 से पहले ग्रासकोर्ट एटीपी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा इटली

रोम, 15 अप्रैल। इटली टेनिस जगत में अपनी मजबूत होती स्थिति को और आगे बढ़ाते हुए 2028 से विंबलडन से पहले एक नया ग्रासकोर्ट एटीपी टूर्नामेंट आयोजित करेगा। इटालियन टेनिस और पैडल महासंघ ने ब्रुसेल्स में अक्टूबर में खेले जाने वाले एटीपी 250 स्तर के टूर्नामेंट के अधिकार खरीद लिए हैं, जिसे अब जून महीने में इटली में आयोजित किया जाएगा। महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनाघी ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल पर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है, लेकिन मौसम को देखते हुए इसे उत्तरी इटली में आयोजित किए जाने की संभावना है। उन्होंने संकेत दिया कि मिलान का ऐतिहासिक सैन सिरो स्टेडियम भी संभावित स्थल हो सकता है।

प्रशांत की शानदार पारी से अरावली जीती, राजकुमार का शतक बेकार

जयपुर, 15 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये हुकुम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में राजकुमार सैनी 142 रन की शानदार पारी के बावजूद प्रशान्त माली 94 रन व 30 रन पर एक विकेट की शानदार प्रदर्शन की बदौलत वी.जे.डी. नियम से अरावली ने अल्फा एकेडमी को 4 रन से हराकर सेमिफाईनल में प्रवेश किया।

पिच गीला होने के कारण विलम्भ से प्रारम्भ मैच में टॉस जीतकर अल्फा क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये राजकुमार सैनी 142 रन (120 गेंद, 14 चौके, 5 छक्के), अंकित रोहेला 45 रन नाबाद देवांश सिंह 34 रन, श्री राम खण्डेलवाल 28 रन, दिव्यांशु सिंह गोसिंहा 26 रन की पारियों की मदद से निर्धारित 40 आवेर में 6 विकेट खोकर 312 रन बनाये। अरावली की ओर से दानिश भांमु 39 रन पर 2 विकेट, हंसराज रोलानिया 68 रन पर 2 विकेट तथा कृष्ण कुमार व प्रशान्त माली प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में प्रशान्त माली 94 रन, (77 गेंद, 8 चौक, 4 छक्के) कप्तान अजय 40 रन नाबाद 21 गेंद, 3 चौके, 3 छक्के, राममोहन 34 रन, सुमित गोदारा 23 रन, कृष्ण कुमार 39 रन की मदद से 31.3 ओवर में 5 विकेट खोकर जब स्कोर 254 रन था रोशनी के कारण मैच रोकना पड़ा नियमानुसार न्यूनतम ओवर खेलने के पश्चात् मैच रूका इसलिये वी.जे.डी. नियमानुसार अरावली 8 रन से जीती उस समय अल्फा एकेडमी को 34 ओवर में 250 रन बनाते थे लेकिन उन्होनें 33.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 254 रन बना दिये थे। अल्फा क्रिकेट एकेडमी की ओर से अमर सोनी 61 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच प्रशान्त माली अरावली क्रिकेट एकेडमी रहें।

राजस्थान क्रिकेट पर जोधपुर का दबदबा

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में पिछले दो सरकारों में जोधपुर का दबदबा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं।इस बार भी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में राज्य सरकार ने एक फिर बदलाव किया और कमेटी कन्वीनर के साथ ही कुछ सदस्यों को भी बदला गया। सरकार ने 9वीं बार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया।

नई एडहॉक कमेटी में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे और जोधपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय सिंह खींवसर को फिर जगह दी गई है। इनमें पूर्व मंत्री चंद्रराज सिंघवी के पोते और जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अरिष्ट सिंघवी को सदस्य बनाया गया है।

राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना भी जोधपुर से ही आते हैं। जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भाटी आरसीए स्कोरर पद पर भी क़ाबिज़ है। इसके अलावा आईपीएल मैचों में चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर भी हैं। जोधपुर में ही जन्मे और पले-बढ़े रवि बिश्नोई ने कम उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और उन्होंने शेन वार्न के खेल शैली को अपना आदर्श बनाया। राजस्थान की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित नाममितालीराज (जोधपुर) का है, जिन्हें महिला क्रिकेट का तेंदुलकर कहा जाता है। जोधपुर का क्रिकेटप्रेमी माहौल राजस्थान क्रिकेट को और मजबूत बना रहा है।

बरकतुल्लाह खान स्टेडियम राजस्थान के जोधपुर में स्थित है। राजस्थान के छठे मुख्यमंत्री के नाम पर नामित यह स्टेडियम वर्तमान में मुख्य रूप से क्रिकेट के लिए उपयोग किया जाता है। आखिरी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच 21 नवंबर 2002 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया था। इसके बाद, सितंबर 2022 में यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच आयोजित किए गए थे, लेकिन आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज 2002 के बाद से नहीं हुई है। इन सब के बावजूद जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में आईपीएल 2026 का कोई भी मैच नहीं खेला जाएगा।

कराटे में कीर्तिमान स्थापित करने वाली बालिका मनुश्री सक्सेना का हुआ सम्मान

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान की होनहार बालिका खिलाड़ी कु. मनुश्री सक्सेना, जिन्होंने कम आयु में कराटे में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दो बार अपना नाम दर्ज कराया है, को जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी द्वारा सम्मानित किया गया। मनुश्री सक्सेना ने वर्ष 2022 में मात्र 4 वर्ष की आयु में कराटे में ब्लैक बेल्ट (फर्स्ट डिग्री) प्राप्त कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। इसके पश्चात वर्ष 2026 में पुनः मात्र 8 वर्ष की आयु में ब्लैक बेल्ट (सेकंड डिग्री) प्राप्त कर एक बार फिर यह गौरव हासिल कर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन किया है। सक्सेना ने जयपुर के पानी पेच स्थित पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह क्लब वर्षों से खेल प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां से प्रशिक्षित खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

क्या इस बार आईपीएल मैचों में टिकटों की कालाबाजारी रुक पाएगी ?

पिछले साल पुलिस की मुस्तैदी से टिकिट ब्लैक करते रंगे हाथों पकड़े गए थे आरोपी

जयपुर, 15 अप्रैल। इस बार राजस्थान रॉयल्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के जयपुर चरण के लिए ऑनलाइन टिकट बिक्री आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है, जिसकी शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से की जायेगी। राजस्थान रॉयल्स टीम की अपने घरेलू मैदान, प्रतिष्ठित सवाई मानसिंह स्टेडियम में वापसी का प्रतीक है, जहां प्रशंसक एक बार फिर लाइव क्रिकेट के रोमांचक माहौल का अनुभव करेंगे। प्रशंसकों को सहज और बेहतर टिकटिंग अनुभव प्रदान करने के लिए फ्रेंचाइज़ी ने एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया अपनाई है। टिकट केवल 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं, जो राजस्थान रॉयल्स का आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर है। लेकिन खेलप्रेमियों द्वारा टिकिट नहीं मिलने पर ब्लैक से टिकिट खरीदने को मजबूर हो जाते हैं इसी कारण टिकटों की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रशंसकों को सलाह दी गई है कि वे जल्द से जल्द बुकिंग करें, ताकि वे इस रोमांचक अनुभव से वंचित न रहें। क्या इस बार आईपीएल मैचों की टिकट कालाबाजारी रुक पाएगी? अगर कालाबाजारी नहीं रुकती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्योंकि पिछले साल जयपुर में हुए आईपीएल मैचों के दौरान लालकोठी थाना और गांधी नगर इलाके में पुलिस की कार्रवाई में टिकट ब्लैक करते हुए आरोपियो को गिरफ्तार किया गया था, आरोपी से 2200 की रेट की 40 टिकट हुई बरामद की गई थी। एक ही दिन में हुई दो कार्रवाई से मैनजमेंट पर उठ रहे थे सवाल। एक साथ इतने टिकट कहां से आए इन लोगों के पास? जवाहर नगर थाना पुलिस ने भी आईपीएल मैचों के कीमत से अधिक रुपए के टिकट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 टिकट जिनकी कीमत एक लाख बीस हजार रुपए थी।

संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया

जयपुर, 15 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, इससे महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढ़ेगी। इस अधिनियम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलेगा एवं शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर महिलाओं की सीधी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाएं और अधिक योगदान दे सकेंगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं से इस अधिनियम के समर्थन में 9667173333 नम्बर पर मिस्ड कॉल करने का आ ान भी किया। शर्मा बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में सीधी भागीदारी मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी ली।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। हमारी सनातन संस्कृति में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही, हर क्षेत्र में महिलाओं को हमेशा आगे रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से अब तक 6 लाख 50 हजार से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना में नारी शक्ति केन्द्र में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस अधिनियम से आजादी के बाद पहली बार संसद और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने जा रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सिग्नेचर वॉल पर हस्ताक्षर किए तथा मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी भी ली। इस अवसर पर महिला बाल विकास राज्य मंत्री मंजू बाघमार, सांसद मंजू शर्मा, महिला एवं बाल विकास शासन सचिव पूनम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रेल से खुलेंगे

देहरादून, 15 अप्रैल। आस्था और श्रद्धा के रूप में प्रतिष्ठित केदारनाथ धाम के कपाट वर्ष 2026 की यात्रा के लिए आगामी 22 अप्रैल को प्रात: 08:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान एवं सनातन परंपराओं के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले भगवान की चल-विग्रह डोली 19 अप्रैल को केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 19 अप्रैल को भगवान केदारनाथ की चल विग्रह डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर फाटा पहुंचेगी। इसके उपरांत 20 अप्रैल को डोली प्रात: फाटा से प्रस्थान कर गौरीकुंड स्थित पवित्र गौरी माई मंदिर पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। अगले चरण में 21 अप्रैल को प्रात: गौरीकुंड से प्रस्थान कर भगवान की डोली श्री केदारनाथ धाम स्थित मंदिर भंडार पहुंचेगी। इसके साथ ही, धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम प्रारंभ हो जाएगा। 22 अप्रैल को प्रात: 8 बजे, शुभ मुहूर्त में, वैदिक मंत्रों एवं पूजा-अर्चना के मध्य भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, जिसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा।

भाजपा के सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

सम्राट चौधरी ने गृह विभाग सहित 29 विभाग अपने पास रखे

- जदयू कोटा से उपमुख्यमंत्री बने विजय चौधरी को 10 और बिजेन्द्र यादव को 8 विभाग मिले हैं।
- सरकार में सबसे ताकतवर गृह विभाग माना जाता है तथा नीतीश कुमार ने भी हमेशा गृह विभाग खुद ही रखा पर इस बार जब वे मुख्यमंत्री बने थे तो उन्हें गृह विभाग भाजपा को देना पड़ा था।

पटना, 15 अप्रैल। भाजपा के सम्राट चौधरी अब बिहार के मुख्यमंत्री हैं। बुधवार को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ-साथ जेडीयू के विजय कुमार चौधरी और बिजेन्द्र यादव डिप्टी सीएम बने हैं।

शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी ने भले ही यह कहा हो कि बिहार में नरेन्द्र मोदी और नीतीश मॉडल ही चलेगा। लेकिन शपथ के कुछ घंटे बाद जो विभागों का बंटवारा हुआ, वह काफी कुछ कहता है। विभागों का बंटवारा जिस तरह से हुआ है, उससे लग रहा है कि भाजपा ही अब बिहार में सब कुछ है और जेडीयू सिर्फ सरकार में सहयोगी है।

सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग हैं। वहीं, जेडीयू के दोनों डिप्टी सीएम को 18 विभाग ही मिले हैं। विजय चौधरी को 10 और बिजेन्द्र यादव को 8।

बिहार में शपथ ग्रहण के कुछ घंटों बाद विभागों का बंटवारा हो गया। अभी बिहार सरकार में सिर्फ मुख्यमंत्री और दो डिप्टी सीएम हैं। विभागों का बंटवारा भी इन्हीं तीनों में हुआ है। लेकिन बंटवारा जिस तरह से हुआ है, वह दिखाता है कि बिहार में सम्राट चौधरी को सरकार के भीतर सरकार वाली ताकत दी गई है।

सरकार में सबसे ताकतवर गृह विभाग माना जाता है। पिछले साल नवंबर में जब विधानसभा चुनाव हुए, तब जाकर गृह विभाग भाजपा के पास आया था। मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार ने कभी भी गृह मंत्रालय किसी और को नहीं दिया। चुनाव के बाद सम्राट चौधरी को गृह विभाग दिया गया। दो दशकों में यह पहली बार था, जब नीतीश कुमार के पास गृह विभाग नहीं था।

2025 में हुए इस बंटवारे के बाद सम्राट चौधरी को जिस तरह से गृह विभाग मिला था, उससे ही लगने लगा था कि बिहार में भाजपा अब जेडीयू का बड़ा भाई बन गई है। इस बात का अंदाजा इससे भी लगा सकते हैं कि जब 2020 के चुनाव में जेडीयू ने 43 सीटें जीती थीं, तब भी नीतीश कुमार ने गृह विभाग अपने पास ही रखा था। महागठबंधन के साथ सरकार में भी नीतीश पर गृह विभाग छोड़ने का दबाव पड़ा था, लेकिन उन्होंने इसे अपने हाथ से जाने नहीं दिया। नीतीश कुमार जानते थे कि गृह विभाग पर पकड़ होना कितना मायने रखता है।

'कांग्रेस महिला आरक्षण की समर्थक पर इस बिल के परिसीमन प्रावधानों का भारी विरोध करती है'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक के बाद प्रैस वार्ता में कहा

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा यह परिसीमन बड़ा खतरनाक है। सरकार समानुपात में सीटें बढ़ने की बात कह रही है पर परिसीमन के प्रावधानों में यह सब नहीं दिख रहा है।

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। कांग्रेस सहित, विपक्ष के कई प्रमुख दलों ने लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने से संबंधित संवैधानिक संशोधन विधेयक को पेश किए जाने से एक दिन पहले बुधवार को कहा कि वे महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के पक्ष में हैं, लेकिन इस विधेयक के परिसीमन के प्रावधानों का पुरजोर विरोध करेंगे, क्योंकि ये 'खतरनाक' हैं।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई विपक्षी दलों की बैठक में नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन और परिसीमन संबंधी विधेयक पर विस्तार से चर्चा की गई तथा "सर्वसम्मति से" यह फैसला किया गया कि वे परिसीमन के प्रावधानों के खिलाफ एकजुट होकर वोट करेंगे।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, हम सभी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं। हालांकि, जिस तरह से इसे लाया गया है, वह संदिग्ध है और हमें इस पर गंभीर आपत्ति है। यह राजनीति से प्रेरित है। मोदी सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने और दबाने के लिए इस तरह के काम कर रही है।

उनका कहना था कि हमने महिला आरक्षण विधेयक का लगातार समर्थन किया है और इस बात पर जोर दिया है कि इसे पहले पारित संशोधन के आधार पर लागू किया जाना चाहिए। खड़गे ने आरोप लगाया कि लगता है कि परिसीमन पर सरकार कुछ गलत मंशा के साथ कदम बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि इसलिए सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद में संघर्ष करने जा रहे हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हम महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ नहीं हैं। साल 2023 में अनुच्छेद 334(ए) को संविधान में शामिल किया गया था। इसमें सर्वसम्मति से महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने की बात की गई थी। हम चाहते हैं कि उस प्रावधान को तुरंत लागू किया जाए।

उनका कहना, "हमारी मांग 2023 में भी यही थी कि इस प्रावधान को 2024 के लोकसभा चुनाव से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार ने जनगणना और परिसीमन की शर्त लगा दी थी। लेकिन अब सरकार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनाव प्रचार के बीच ये तीन विधेयक ला रही है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा, "ये परिसीमन बड़ा खतरनाक है। उन्होंने आगे कहा कि गृह मंत्री और सरकार के मंत्रियों ने कहा है कि लोकसभा में 50 प्रतिशत सीट बढ़ेंगी और ये समानुपातिक तौर पर सभी राज्यों के लिए लागू होगा, लेकिन ये बात इस विधेयक में शामिल नहीं है। इस विधेयक के आने से दक्षिण भारत के राज्यों, उत्तर-पश्चिमी भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों का अनुपात घटेगा। बार-बार समानुपात की बात की जा रही है, लेकिन वो परिसीमन के प्रावधानों में कहीं दिख नहीं रहा है।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोककर उन्हें वापस भेज चुके हैं। अमेरिका का उद्देश्य स्पष्ट रूप से ईरान के तेल निर्यात को रोकना है।

लेकिन इस कदम से वैश्विक बाजार भी अस्थिर हो रहे हैं, और तेल की कीमतें, थोड़े समय के लिए गिरने के बाद, फिर से 96 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं।

दूसरी तरफ, ईरान ने भी कड़ी चेतावनी दी है और कहा कि अगर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहती है, तो वह फारस की खाड़ी, ओमान सागर और लाल सागर के प्रमुख व्यापार मार्गों को बंद कर सकता है।

अमेरिका के ब्लॉकेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के पास अनुमानित 1.3 अरब बैरल का विशाल तेल भंडार है। चीन का यह भंडार देश की तेल खपत को कम से कम चार महीनों तक पूरा कर सकता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद, चीन अपने भंडार से तेल जारी कर रहा है। हालांकि, नाकेबंदी के बाद, चीन लंबी अवधि की अस्थिरता की संभावना को लेकर चिंतित हो गया है। एक नया कारक रूस की घोषणाएँ थीं, जिन्हें अमेरिका पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था। रूस के विदेश मंत्री, सर्गेई लावरोव, वर्तमान में चीन का दौरा कर रहे हैं। वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साल के अंत में चीन के दौरे की तैयारियाँ करने के लिए वहाँ गए है। रूस के ईरान के साथ बहुत मजबूत संबंध हैं, जैसा कि चीन के साथ भी हैं। दोनों अधिक व्यापक वार्ता की सिफारिश कर रहे हैं ताकि एक उचित समाधान निकाला जा सके। किसी न किसी तरह, रूस और चीन अपने प्रभाव को अमेरिका की तुलना में अधिक ईरान के पक्ष में वार्ता में डाल रहे हैं।

अदालत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने सुबोध अग्रवाल को गत 9 अप्रैल को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वे पुलिस रिमांड पर चल रहे हैं।

विश्व बैंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप लोन की शुरूआत होगी।

भारत में विश्व बैंक के कार्यवाहक निदेशक पॉल प्रोसी ने कहा है कि इस परियोजना से युवाओं को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे वे आर्थिक गतिविधियों वाले विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ ले पाएंगे। इससे प्रदेश में औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी) से प्राप्त 225 मिलियन डॉलर के ऋण की अंतिम परिपक्वता अवधि 35 वर्ष है, जिसमें स्टेप-अप लोन की सुविधा तथा 5 वर्ष की अनुग्रह अवधि भी शामिल है।

लखनऊ में अग्निकांड 1200 झोंपड़ियां जली

- आग विकास नगर के पास रिंग रोड के किनारे बसी अवैध बस्ती में लगी। अभी पता नहीं चला कि जानमाल की कितनी हानि हुई।

लखनऊ, 15 अप्रैल। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-12 रिंग सड़क किनारे बसी अवैध बस्ती में बुधवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 1200 झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। झोपड़ियों में रखे 100 के करीब गैस सिलिंडर भी फटे।

आग से पूरे इलाके में भगदड़ मच गई। बस्ती में बनी झोपड़ियों से लोग जान बचाकर भागने लगे। 22 दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया, जो रात 10 बजे तक चलता रहा। आग से 50 के करीब मवेशियों के जिंदा जलने की सूचना है, पर इसकी पुष्टि नहीं हुई। कुछ बच्चे भी लापता है। पुलिस व प्रशासन बस्ती में सर्च ऑपरेशन चला रहा है। लोगों का आरोप है कि समय पर पुलिस व दमकल नहीं पहुंचीं और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। नाराज लोगों की पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई। विकासनगर सेक्टर-12 स्थित मिनी स्टेडियम से कुछ दूरी पर तीन बीघा खाली जमीन पर वर्षोंसे लोग झोपड़ी बना कर रह रहे थे। रोज की तरह मंगलवार सब कुछ सामान्य था। शाम करीब पांच बजे अचानक एक मस्जिद नूमा झोपड़ी में आग लग। आग देखते ही वहां मौजूद लोगों ने उसको बुझाने की कोशिश की पर नाकाम रहे।

बस्ती में आग लगने के बाद झोपड़ियों में रखे गैस सिलिंडर एक के बाद एक फूटने शुरू हो गए।

प्रयागराज में ट्रेन हादसे में 5 की मौत

प्रयागराज, 15 अप्रैल। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर करछना के पास बुधवार शाम हृदयविदारक दुर्घटना हुई। ट्रेन की चपेट में आने से पांच लोगों की हो गई। मरने वाले तीन युवकों की पहचान हुई है, जबकि दो की पहचान कराने की कोशिश हो रही है। रेलवे की ओर से भी मामले की जांच कराई जा रही है। पुलिस और जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर पचदेवरा गांव के पास हुए हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही।

बुधवार शाम करीब सवा छह बजे कालका एक्सप्रेस के लोको पायलट ने पचदेवरा गांव के पास पटरी पर एक युवक की लाश देखकर ट्रेन रोक दी। उसने कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन के ठहरने पर उसमें सवार कई यात्री नीचे उतर गए। चार युवक पटरी पर मौजूद थे। तभी कालका एक्सप्रेस का हार्न बजा तो पटरी पर मौजूद युवक चढ़ ने के लिए आगे बढ़े।

फतेहगढ़ साहिब में बस पलटी, 8 की मौत

फतेहगढ़ साहिब, 15 अप्रैल। बैसाखी पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में माथा टेक कर लौट रही संगत की बस मंगलवार देर रात फतेहगढ़ साहिब के गांव भटेड़ी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। दो गंभीर घायलों को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम और बस्सी पठाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को बस से निकाल कर तुरंत अस्पताल भेजा गया। हादसे की खबर मिलते ही एसएसपी फतेहगढ़ साहिब शुभम अग्रवाल, डीएसपी बस्सी पठाना राजकुमार शर्मा और विधायक रुपिंदर सिंह हैप्पी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत कार्य का जायजा लिया। पुलिस ने रात में ही क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क से हटाया। इसके बाद यातायात सुचारू किया गया।

शिरोमणि अकाली दल की सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

राज्यपाल ने बाबूलाल कटारा के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति दी

जयपुर, 15 अप्रैल। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाए जाने के फलस्वरूप, दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानानुसार अभियोजन स्वीकृति दे दी है।

- कटारा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले राज्यपाल द्वारा उन्हें निलम्बित किए जाने के आदेश जारी किए गए थे।

स्मृति ईरानी ने हुगली में रोड शो बीच में छोड़ा

कोलकाता, 15 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बीच बंगाली नववर्ष के अवसर पर हुगली जिले के चूंचुड़ा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली के दौरान बड़ा घटनाक्रम सामने आया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कथित अव्यवस्था और स्थानीय संगठन की लापरवाही से नाराज होकर कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर लौट गईं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के जिला नेतृत्व द्वारा उचित स्वागत और आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं किए जाने से स्मृति ईरानी नाराज हो गईं।

- वे कथित अव्यवस्था तथा स्थानीय संगठन की लापरवाही से नाराज़ थीं।

'पीएम और गृह मंत्री के वाहनों की जांच क्यों नहीं हो रही'

कोलकाता, 15 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होता जा रहा है। इस बीच प्रदेश में वाहन जांच को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर केन्द्र और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि दमदम हवाई अड्डे पर उनकी गाड़ी के पास भी केन्द्रीय बल जांच के लिए पहुंचा था।

ममता बनर्जी ने कहा कि आज दमदम हवाई अड्डे पर मेरी गाड़ी के पास भी केन्द्रीय बल आया। मैंने खुद कहा कि जांच करो, मैं चाहती हूं कि जांच हो। इसके साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि अगर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की गाड़ियों की जांच हो रही है तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की गाड़ियों की जांच क्यों नहीं होती। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि चुनाव के नाम पर एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर तृणमूल के सभी नेताओं की गाड़ियों की जांच होती है, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की गाड़ियों की जांच क्यों नहीं होगी? क्या इसी तरह चुनाव कराया जाएगा? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय नेताओं की गाड़ियों में पैसे आते हैं और केंद्रीय बलों के वाहनों को लेकर भी सवाल खड़े किए।

- प.बंगाल की मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया व कहा कि दमदम हवाई अड्डे पर केन्द्रीय बल उनकी गाड़ी की जांच के लिए आया था।

'कोर्ट के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे कठिन काम है'

सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्यीय संविधान पीठ ने सबरीमाला मामले में अहम् टिप्पणी की

- सबरीमाला विवाद मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से संबंधित है।

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सबरीमाला मामले की समीक्षा सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि किसी भी संवैधानिक न्यायालय के लिए करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्थाओं को गलत या त्रुटिपूर्ण घोषित करना सबसे कठिन कार्यों में से एक होता है।

यह टिप्पणी नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की, जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति सूर्य कांत कर रहे हैं। यह मामला धार्मिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन से जुड़ा हुआ है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने सुनवाई के दौरान कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म की मूल भावना को कमजोर नहीं किया जा सकता। उन्होंने धार्मिक मामलों में अत्यधिक न्यायिक हस्तक्षेप को लेकर सावधानी बरतने की बात कही।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या धार्मिक मामलों में गैर-आस्थावान व्यक्तियों द्वारा दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई होनी चाहिए। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों को सुना, जिन्होंने आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के सिद्धांत पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि यह सिद्धांत न्यायाधीशों को यह तय करने की शक्ति देता है कि किसी धर्म में क्या आवश्यक है और क्या नहीं, जो न्यायिक सीमा से बाहर जा सकता है।

सिंघवी ने कहा कि यदि कोई प्रथा सच्चे विश्वास और आस्था के साथ धर्म का हिस्सा मानी जाती है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण मिलना चाहिए, बशर्ते वह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के खिलाफ न हो।

सुप्रीम कोर्ट इस समय यह तय कर रहा है कि धार्मिक स्वतंत्रता और अन्य मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए और धार्मिक प्रथाओं में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा क्या होनी चाहिए। इसके अलावा, अदालत कई अन्य संवेदनशील मामलों पर भी विचार कर रही है, जिनमें धार्मिक स्थलों में प्रवेश, समुदायगत प्रथाएं और महिला अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। यह मामला केवल सबरीमाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत में धर्म, आस्था और संविधान के बीच संतुलन तय करने वाला एक महत्वपूर्ण कानूनी सवाल बन गया है, जिस पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं।

सीबीएसई के कक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के मुकाबले बेहतर रहा। परिणामों के मुताबिक, 94.99 प्रतिशत छात्राएं पास हुईं, जबकि 92.69 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का पास प्रतिशत 87.50 रहा। संस्थागत प्रदर्शन की बात करें तो केन्द्रीय विद्यालय (केवी) ने 99.57 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का पास प्रतिशत क्रमश: 91.43 और 91.01 रहा।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमानत याचिका में आरोपी की ओर से कहा गया कि वह बीते एक साल से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। ऐसे में मुकदमे की सुनवाई पूरी होने में समय लगने को देखते हुए उसे जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि आरोपी ने एसआई परीक्षा में दो अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा दी थी, हालांकि दोनों अभ्यर्थी बाद में साक्षात्कार में फेल हो गए थे। इसके साथ ही उसने पटवारी भर्ती में भी डमी अभ्यर्थी की भूमिका निभाई थी। उसने आरएएस अधिकारी होते हुए यह अपराध किए हैं। ऐसे अधिकारी पूरे तंत्र के लिए खतरा हैं। ऐसे में उसे जमानत नहीं मिलनी चाहिए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

'हर राज्य की मौजूदा लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि होगी'

केन्द्र सरकार ने परिसीमन पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा

- केन्द्र सरकार के अनुसार उदाहरण के लिए तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटें बढ़कर 59 हो जाएगी इसी प्रकार केरल में सीटें 20 से बढ़कर 30, कर्नाटक में 28 से बढ़कर 42, आंध्र में 25 से बढ़कर 37, तेलंगाना में 17 से बढ़कर 25 व ओडिशा में 21 से बढ़कर 31 सीटें हो जाएगी।

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केन्द्र सरकार ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना के बीच स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का इजाफा वर्तमान का 50 प्रतिशत होगा।

विपक्षी दलों का कहना है कि जनसंख्या वृद्धि असमान होने के कारण राज्यों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिशत घट सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों ने इसपर आपत्ति जतायी है, जहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है। इनके मुख्यमंत्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या को बढ़ ाने को लेकर सरकार कल से संसद की विशेष बैठक में विधेयक लाने जा रही है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, नवीनतम जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार परिसीमन होगा।

सूत्रों ने बताया कि सरकार का कहना है कि राज्यों को लोकसभा की सीट अनुपात पर आवंटित की जाएगी। हर राज्य की वर्तमान सीट संख्या में 50 प्रतिशत तक इजाफा होगा। इससे किसी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। इस संबंध में प्रस्तावित विधेयक में भी इस बात को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई है। किसी को गलत अर्थ नहीं निकलना चाहिए और पूरी स्थिति संसद के पटल पर सुस्पष्ट कर दी जाएगी।

पूरे विरोध के केन्द्र में दक्षिण भारत के राज्य हैं, जिनका कहना है कि हमारी नीतियों के कारण हमारे राज्यों की जनसंख्या में उत्तर भारतीय राज्यों के मुकाबले कम वृद्धि हुई है। इस कारण से 2011 की जनसंख्या पर आधारित परिसीमन की प्रक्रिया में दक्षिण भारतीय राज्यों के सीटों में कटौती होगी और उनके राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व काम हो जाएगा।

उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं जिनमें 20 का इजाफा कर इसे 59 बनाया जाएगा। केरल में वर्तमान में 20 सीट हैं, और ये बढ़ कर 30 हो जाएंगी। कर्नाटक में 28 सीट हैं, जो 42 हो जाएंगी। आंध्र प्रदेश में 25 सीट हैं, जो बढ़ कर 37 हो जाएंगी। तेलंगाना में 17 हैं, जो बढ़ कर 25 होंगी। ओडिशा में 21 सीटें हैं, जो बढ़ कर 31 होंगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908